राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

दिव्य दिनकर

एक निडर सच का दर्पण | पटना और रांची से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 | अंक : 220 पटना (बिहार) बुधवार, 11 जून 2025 | पेज - 12 | मूल्य: 1 | R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

संक्षिप्त समाचार

सेंट्रल बैंक परिसर में दिनदहाड़े लूट, दवा व्यवसायी के कर्मी से 3.81 लाख रुपये लूटे

क्राइम संवाददाता द्वारा

दरभंगाःदरभंगा नगर थाना क्षेत्र के टावर चौक स्थित सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की शाखा में सोमवार को दिनदहाड़े लूट की बड़ी वारदात सामने आई। जैन फार्मा के स्टाफ शिवम ठाकुर से बैंक परिसर के भीतर ही तीन अज्ञात अपराधियों ने 3 लाख 81 हजार रुपये लूट लिए। भागते समय पीड़ित ने साहस दिखाते हुए एक लुटेरे को दबोच लिया, जबकि बाकी दो लुटेरे रुपये से भरा थैला लेकर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पकड़े गए लुटेरे से पूछताछ शुरू कर दी। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने में जुटी है। जिस वक्त लूट की यह घटना हुई, उस समय बैंक के गेट पर सुरक्षागार्ड तैनात नहीं था। न ही बैंक परिसर में किसी तरह का सायरन बजा। माना जा रहा है कि सुरक्षा व्यवस्था की इसी चूक का फायदा उठाकर लुटेरे आसानी से फरार हो गए। जानकारी के अनुसार, दवा व्यवसायी जैन फार्मा के कर्मचारी शिवम ठाकुर रोजाना की तरह दोपहर करीब 12 बजे सेंट्रल बैंक की टावर चौक शाखा में पैसे जमा करने पहुंचे थे। वह बैंक के अंदर लाइन में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे, तभी चार युवक उनके पास आए। एक युवक ने उन्हें विड्रॉल फॉर्म भरने के बारे में जानकारी पूछते हुए बातों में उलझा लिया। इसी दौरान एक अन्य युवक ने उनके हाथ से रुपयों से भरा थैला झपट लिया और फरार हो गया। जैसे ही शिवम को लूट का अहसास हुआ, उन्होंने तुरंत बैंक परिसर से ही युवकों का पीछा शुरू कर दिया। थोड़ी दूरी पर भागते हुए उन्होंने एक लुटेरे को पकड़ लिया, लेकिन बाकी दो युवक रुपये लेकर भागने में सफल हो गए। बैंक स्टाफ की सूचना पर नगर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और पकड़े गए लुटेरे को अपनी हिरासत में लिया। उससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, बैंक के सीसीटीवी फुटेज में चार युवक दिखाई दे रहे हैं, जिनमें से तीन ने मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया। फिलहाल पुलिस फरार लुटेरों की तलाश में संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है।

जमुई में डॉक्टर से अपराधियों ने मांगी 20 लाख की रंगदारी, देवघर जेल से आया कॉल

क्राइम संवाददाता द्वारा

जमुईः जमुई में डॉक्टर सूर्यनंदन सिंह से अपराधियों ने फोन पर 20 लाख की रंगदारी मांगी है. डॉक्टर ने मंगलवार को थाने में आवेदन दिया है. डॉक्टर ने बताया कि एक हफ्ते में 3 बार फोन आ चुका है. रंगदारी नहीं देने पर अपराधियों ने डॉक्टर को जान से मारने की धमकी दी है. जमुई में डॉक्टर से रंगदारीः बताया जाता है कि बीते 4 जून को करीब 2 बजे पीड़ित डॉक्टर एक अनजान नंबर से कॉल आया था. अपराधी ने चिकित्सक से 20 लाख रुपए की रंगदारी मांगी और कहा कि अगर पैसे नहीं दिए तो वह डॉक्टर को जान से मार देगा.देवघर जेल से आया फोनः फोन करने वाले ने खुद का नाम परिहस्त बताया और कहा कि वह देवघर जेल से बोल रहा है. मामला सामने आने के बाद चिकित्सक ने बीते 4 जून को रढ मदन कुमार आनंद से मिलकर मामले की शिकायत की थी. पांच दिन बाद फिर आया फोनः घटना के बाद जिस नंबर से कॉल आया था. उस नंबर पर कॉल किया गया तो नंबर बंद पाया गया. फिर अचानक पांच दिनों बाद यानी 9 जून को दिन के करीब पौने एक बजे फिर से डॉक्टर साहब को उसी नंबर से फोन आने लगा.

नालंदा के हरनौत से चुनाव लड़ेंगे नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

पटना : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार को लेकर पिछले कई महीनों से चर्चाएं हो रही है. निशांत एक्टिव भी हुए हैं और नालंदा का दौरा कर रहे हैं. कल्याण बिगहा में कार्यक्रम में भी शामिल हो रहे हैं. जदयू के युवा नेता निशांत के साथ दिख रहे हैं. ऐसे में सवाल उठने लगा है कि क्या निशांत कल्याण बिगहा से बिहार विधानसभा चुनाव में अपना भाग्य आजमाएंगे? खञ्ञ की डिमांड हैं निशांत : यहां यह बताना भी जरूरी है कि जदयू के विधायकों और कई नेताओं की तरफ से लगातार मांग होती रही है कि निशांत को पार्टी में शामिल करना चाहिए. युवा जदयू के नेता भी चाहते हैं कि निशांत युवा जदयू की कमान संभालें. नालंदा के विधायक और ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार का कहना है यदि पार्टी उन्हें टिकट देती है जनता जीत हार का फैसला करेगी. नालंदा में निशांत की सक्रियता बढ़ी : दरअसल, राजनीतिक चर्चाओं का बाजार तब गर्म हुआ जब निशांत कुमार की सक्रियता कई मौकों पर देखने को मिली. पार्टी नेताओं के डिमांड पर निशांत नालंदा के कार्यक्रमों में शामिल हो रहे हैं. पारिवारिक फंक्शन और नेताओं के परिजनों के कार्यक्रम में भी शिरकत कर रहे हैं. निशांत मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ भी कई बार नालंदा गए हैं.'फैसला नीतीश कुमार को ही करना है' : कहते हैं नेताओं के बयान में काफी कुछ छिपा रहता है. पार्टी के नेता पहले निशांत को लेकर खुलकर यह बयान देते थे कि राजनीति में उनके आने की कोई संभावना नहीं है. हालांकि अब वह चुप्पी साध लेते हैं और यह भी कहते हैं कि फैसला नीतीश कुमार को ही करना है, क्योंकि पार्टी का निर्माण उन्होंने ही किया है. "निशांत में राजनीतिक समझ है और यदि पार्टी उन्हें टिकट देती है तो जनता फैसला करेगी. जीत हार का फैसला तो जनता ही करती है. लेकिन पहले उन्हें टिकट तो मिलनी चाहिए. जहां तक जदयू की बात है तो जदयू हमेशा इसी तेवर के साथ आगे बढ़ता रहेगा."- श्रवण कुमार, ग्रामीण विकास मंत्री जदयू के युवा नेता जो निशांत के साथ कई जगह दिखते हैं चाहते

हैं कि निशांत युवा जदयू की कमान संभालें. नालंदा के कार्यक्रम में भी जदयू के युवा प्रदेश अध्यक्ष नीतीश पटेल साथ थे. नीतीश पटेल का कहना है हम लोग तो चाह ही रहे हैं कि निशांत राजनीति में आए और युवा जदयू का नेतृत्व करें. "निशांत इंजीनियर हैं और उन्हें राजनीतिक समझ है. नीतीश कुमार की तरह ही उनमें विजन है. जब नवमी फेल राजनीति में आ सकते हैं तो एक इंजीनियर क्यों नहीं आ सकता है. राजनीति को उन्होंने नजदीक से देखा है उनमें अच्छी समझ भी है. नीतीश कुमार के बाद पार्टी की कमान संभाल सकते हैं."- नीतीश पटेल, प्रदेश अध्यक्ष, युवा जदयू 'नीतीश मजबूरी में लेंगे फैसला' : वरिष्ठ पत्रकार भोलानाथ का कहना है कि जिस प्रकार से निशांत की सक्रियता बढ़ी है, उनके सधे हुए बयान आ रहे हैं, अपने पिता मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के लिए फील्डिंग कर रहे हैं. ऐसे में विधानसभा चुनाव से पहले उनकी राजनीतिक पारी शुरू हो सकती है. पार्टी नेताओं की तरफ से लगातार जिस प्रकार से डिमांड हो रही है निशांत का राजनीति में आना तय है चुनाव बाद निशांत का सेटलमेंट भी हो जाए. "यह सही है कि अभी तक निशांत को लेकर नीतीश कुमार ने हरी झंडी नहीं दिखाई है. इसका एक बड़ा कारण यह है कि नीतीश कुमार परिवारवाद के खिलाफ रहे हैं. पिछले तीन दशक से भी अधिक समय से बिहार की राजनीति में सक्रिय हैं. 20 साल से बिहार के मुख्यमंत्री हैं लेकिन परिवार के किसी सदस्य को राजनीति में एंट्री नहीं करने दी. लालू यादव पर परिवारवाद का जिस प्रकार से आरोप लगाते हैं. यदि निशांत को राजनीति में लाते हैं तो उन पर भी यह आरोप लगेगा."- भोलानाथ, वरिष्ठ पत्रकार निशांत को लाना नीतीश के लिए क्यों है मजबूरी ? : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के स्वास्थ्य को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं. नीतीश कुमार के बाद जदयू की कमान कौन संभालेगा यह भी एक बड़ा सवाल है. नीतीश कुमार ने जिन नेताओं को दो नंबर की कुर्सी दी एक-एक कर छोड़ते गए. नीतीश कुमार का विकल्प पार्टी में कौन बनेगा इसका जवाब किसी के पास नहीं है लेकिन निशांत यदि कमान संभालते हैं तो नीतीश के विकल्प बन सकते हैं. निशांत की सक्रियता लगातार बढ़ रही है : अगर गौर से देखा जाए तो निशांत कई मौकों पर मीडिया से भी बातचीत करते हैं और नीतीश कुमार को फिर से मुख्यमंत्री बनने के लिए लोगों से अपील करते हैं. राजनीति में आने के सवाल पर इनकार नहीं करते हैं लेकिन चुप्पी साथ लेते हैं. होली के मौके पर मुख्यमंत्री आवास में पार्टी नेताओं के साथ मिले और उनका हाल-चाल लिया. निशांत को लेकर पोस्टर भी लगते रहे हैं : पार्टी के कई नेता चाहते हैं कि निशांत की एंट्री हो. युवा नेताओं की तरफ से कई बार निशांत को लेकर पोस्टर भी लगाया गया. वहीं गोपाल मंडल सहित कई विधायकों ने भी खुलकर कहा कि निशांत नहीं आएंगे तो जदयू को बचाना मुश्किल है.

मुजफ्फरपुर में मिला कंकाल और नरमुंड, हत्या की आशंका, इलाके में सनसनी

क्राइम संवाददाता द्वारा

मुजफ्फरपुरःमुजफ्फरपुर जिले के मुशहरी थाना क्षेत्र के तरौरा गांव के पास एक चौड़ (खाली जगह) में मंगलवार को एक कंकाल और एक नरमुंड (खोपड़ी) मिलने से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। कंकाल को देखकर गांव वाले बड़ी संख्या में इकट्ठा हो गए और तुरंत इसकी जानकारी पुलिस को दी। मुजफ्फरपुर जिले के मुशहरी थाना क्षेत्र के तरौरा गांव के पास स्थित एक चौड़ में मंगलवार को एक कंकाल और नरमुंड मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। कंकाल देख ग्रामीणों की भीड़ उमड़ पड़ी और इसकी सूचना तुरंत स्थानीय पुलिस को दी गई। मुजफ्फरपुर जिले के मुशहरी थाना क्षेत्र के तरौरा गांव के पास स्थित एक चौड़ में मंगलवार को एक कंकाल और नरमुंड मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। कंकाल देख ग्रामीणों की भीड़ उमड़ पड़ी और इसकी सूचना तुरंत स्थानीय पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की और ऋऋछ (फॉरेंसिक साइंस लैब) की टीम को भी जांच के लिए बुलाया गया। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, गांव के सत्यनारायण साह की बेटी मिक्की कुमारी (उम्र 20 वर्ष) का प्रेम संबंध गांव के ही विक्रम सहनी से था। दोनों ने करीब डेढ़ साल पहले प्रेम विवाह किया था। इसको लेकर मिक्की के पिता ने उस वक्त थाने में जबरन ले जाने और शादी कराने को लेकर प्राथमिकी दर्ज कराई थी। मिक्की के परिजनों को 27 मई को सूचना मिली कि उसकी हत्या कर दी गई है। तब से परिजन बेटी की तलाश में जुटे रहे, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। परिजनों का आरोप है कि पुलिस ने उनकी कोई मदद नहीं की। उन्होंने खुद आरोपी को पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन आरोपी के परिजन फरार हो गए। अब चौड़ में मिला कंकाल उसी युवती का बताया जा रहा है। मिक्की के पिता सत्यनारायण साह ने भावुक होकर कहा, मेरी बेटी की जला कर हत्या कर दी गई है। उसकी लाश आज मिली है। मैं चाहता हूं कि मेरी बेटी के हत्यारों को फांसी की सजा मिले, तभी मुझे न्याय मिलेगा।ऱमुशहरी थाना क्षेत्र के तरौरा गांव के पास एक चौड़ में मिले जले हुए कंकाल को लेकर ग्रामीण एसपी विद्यासागर ने बताया कि मौके से एक महिला की जली हुई डेड बॉडी का कंकाल बरामद किया गया है। स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि यह कंकाल उनके ही गांव के निवासी की लापता बेटी का है, जिसे हत्या कर जलाया गया है। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने ऋऋछ (फॉरेंसिक साइंस लैब) की टीम को जांच के लिए मौके पर भेजा है और सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है। एसपी ने बताया कि इस मामले में पहले से ही एक प्राथमिकी दर्ज है। अब बरामद कंकाल का उ्रअ टेस्ट कराया जाएगा ताकि यह स्पष्ट हो सके कि वह लापता युवती का ही है या नहीं। मामले की जांच जारी है और जल्द ही सच सामने लाने की कोशिश की जा रही है।

रोहिणी आचार्य ने पीएम मोदी और सीएम नीतीश पर बोला हमला, 11 साल के कार्यकाल को लेकर ऐसा लिखा

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

पटना :राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बाद अब उनकी बेटी रोहिणी आचार्य ने एनडीए सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने सोशल मीडिया पर मोदी और नीतीश कुमार सरकार पर कई आरोप लगाए। सीएम नीतीश कुमार पर तंज कसते हुए रोहिणी ने लिखा कि ऱकुर्सी पकड़ कुमारऱ बेबस ० दिमागी रूप से लाचार हैं। पुलिस और सरकार अपराधियों के सामने घुटने टेक चुकी है। अब केवल सुशासन का झूठा प्रचार चल रहा है। यह अपराध के बोलबाले वाला बिहार है। रोहिणी ने आगे लिखा कि चहुंओर अपराध है। गोलियों की बौछार है। पुलिस से ज्यादा अपराधी वजनदार है। यही है नीतीशे कुमार जी के शासन में बिहार का सूरत-ए-हाल।

राजद नेत्री रोहिणी आचार्य ने पीएम मोदी के 11 साल के कार्यकाल पर भी निशाना साधा। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि नेहरू जी, इंदिरा जी, यूपीए की सरकारों की उपलब्धियों में जबरिया खोट निकालते-निकालते, पूर्ववर्ती सरकार की उपलब्धियों को अपना बताते-बताते ही मोदी सरकार के 11 साल बीत गए। इन 11 सालों में कुछ ऐसा किया ही नहीं जिसे यह सरकार बेमिसाल बता सके। रोहिणी ने आरोप लगाया कि ऱदेश की जमीन पर विदेशी अतिक्रमण, सीमा पार से धड़ल्ले से घुसपैठ जारी है। अनवरत आतंकवाद का प्रहार है। कमरतोड़-बेलगाम महंगाई है। बेहिसाब बेरोजगारी है। डॉलर के मुकाबले दिन-ब-दिन कमजोर होता रुपया, देश पर विदेशी कर्जे का ऐतिहासिक बोझ है। गलत विदेश के कारण नीति से भारत वैश्विक पटल पर अलग-थलग पड़ गया है। पूर्वोत्तर के राज्य मणिपुर में पिछले दो वर्षों से अराजकता कायम है। संवैधानिक संस्थाओं-व्यवस्थाओं पर कब्जे की कोशिशें, संविधान को बदलने की कुत्सित मंशा, विपक्ष के खिलाफ सरकारी एजेंसियों का बेवजह इस्तेमाल, सैन्य-बलों के पराक्रम और सेना के अभियानों को अपना श्रेय बता चुनावी-राजनीतिक फायदा लेने की कवायदेंऱ। यही सब तो पिछले 11 सालों में देश को मोदी सरकार से मिला है। मगर बड़ी बेशर्मी से अपनी पीठ खुद ही थपथपाने का सिलसिला जारी है

10 पर्सेंट पर डील हुई थी फाइनल, 60000 लेते रंगेहाथ पकड़ा गया क्लर्क

क्राइम संवाददाता द्वारा

छपराः 10 पर्सेंट पर डील फाइनल हुई थी। साढ़े 13 लाख मिलेगा तो उस हिसाब से एक लाख 30 हजार बनता है। काफी गिड़गिड़ाने पर रिटायर्ड सफाई निरीक्षक (रंल्र३ं३ङ्गल्ल क्ल२स्री३ङ्ग१) राजनाथ राय को सूर्य मोहन यादव ने 10 हजार का कन्सेशन दिया था। यानि एक लाख 20 हजार में फाइनल डील तय हुआ। ये सबकुछ छपरा नगर निगम में हुआ। दरअसल, राजनाथ राय छपरा नगर निगम में सफाई निरीक्षक पद से 31 मई को रिटायर हुए। सीमांत लाभ के तौर पर साढ़े 13 लाख रुपए मिलना था। नगर निगम का क्लर्क सूर्य मोहन यादव उनकी फाइल को अटका कर रखा था, इसके बाद एक लाख 20 हजार में फाइल क्लीयरेंस (घूस) तय हुआ। मगर, 60 हजार की पहली किस्त लेते सूर्य मोहन यादव को निगरानी की टीम ने दबोच लिया। ये मामला मंगलवार को सामने आया, जब पटना से पहुंची

> छपराः 10 पर्सेंट पर डील फाइनल हुई थी। साढ़े 13 लाख मिलेगा तो उस हिसाब से एक लाख 30 हजार बनता है। काफी गिड़गिड़ाने पर रिटायर्ड सफाई निरीक्षक Sanitation Inspector राजनाथ राय को सूर्य मोहन यादव ने 10 हजार का कन्सेशन दिया था। यानि एक लाख 20 हजार में फाइनल डील तय हुआ। ये सबकुछ छपरा नगर निगम में हुआ। दरअसल, राजनाथ राय छपरा नगर निगम में सफाई निरीक्षक पद से 31 मई को रिटायर हुए। सीमांत लाभ के तौर पर साढ़े 13 लाख रुपए मिलना था।

निगरानी की टीम ने लिपिक सूर्य मोहन यादव को उसके ऑफिस से रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ दबोचा। गिरफ्तारी के बाद उसे सर्किट हाउस ले जाकर पूछताछ की गई। फिर निगरानी की टीम उसे अपने साथ लेकर पटना चली गई। निगरानी टीम का नेतृत्व कर रही डीएसपी रीता सिन्हा ने बताया कि 31 मई को सेवानिवृत्त हुए सफाई निरीक्षक राजनाथ राय को नगर निगम से लगभग 13.5 लाख रुपए का भुगतान होना था। इसी भुगतान को जारी करने के लिए लिपिक सूर्य मोहन यादव ने उनसे 1.30 लाख रुपए की रिश्वत मांगी थी। बाद में ये रकम 1.20 लाख रुपए पर तय हुई। राजनाथ राय ने इस रिश्वतखोरी की शिकायत निगरानी विभाग से की थी, जिसके बाद विभाग ने उनके आवेदन पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की। शिकायत सत्यापित होने के बाद, निगरानी विभाग ने कार्रवाई की योजना बनाई। डीएसपी रीता सिन्हा ने बताया कि मंगलवार को पहली किस्त के रूप में 60,000 रुपए दिए जाने के दौरान लिपिक सूर्य मोहन यादव को रंगे हाथ पकड़ लिया गया।

बिहार में आईएएसअधिकारियों का तबादला, केंद्रीय प्रतिनियुक्ति के लिए ये 2 अफसर विरमित

संवाददाता द्वारा

पटनाः नीतीश सरकार ने तीन वरीय आईएएस अधिकारियों का ट्रांसफर कर दिया है. सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से इसकी अधिसूचना भी जारी हो गई है. जिन अधिकारियों का तबादला किया गया है, उसमें पीएचईडी विभाग के प्रधान सचिव पंकज कुमार को खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग पटना के पद पर तबादला किया गया है. पंकज कुमार को मिला अतिरिक्त जिम्माः पंकज कुमार को कृषि विभाग का भी अतिरिक्त प्रभार दिया गया है. इसके साथ ही वह अगले आदेश तक जांच आयुक्त सामान्य प्रशासन विभाग का भी जिम्मा देखेंगे. साथ ही प्रबंध निदेशक बिहार राज्य खाद्य एवं सैनिक आपूर्ति निगम का अतिरिक्त प्रभार भी उनके पास रहेगा.

इन अधिकारियों का तबादलाः ऊर्जा विभाग के सचिव पंकज कुमार पाल का तबादला पीएचईडी विभाग के सचिव के पद पर किया गया है. वहीं स्वास्थ्य विभाग के सचिव मनोज कुमार सिंह का तबादला ऊर्जा विभाग के सचिव के पद पर किया गया है. मनोज कुमार सिंह के पास विशेष कार्य पदाधिकारी स्थानिक आयुक्त का कार्यालय बिहार भवन नई दिल्ली का अतिरिक्त प्रभार भी रहेगा. इसके अलावा मनोज कुमार सिंह अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड पटना के अतिरिक्त प्रभार में भी रहेंगे. ये केंद्रीय प्रतिनियुक्ति के लिए विरमितः कृषि विभाग के सचिव संजय कुमार अग्रवाल को बिहार सरकार ने केंद्रीय प्रतिनियुक्ति के लिए विरमित कर दिया है. संजय कुमार अग्रवाल को भारत सरकार कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय में संयुक्त सचिव के पद पर नियुक्ति की गई है. वहीं राजस्व परिषद के अपर सदस्य दया निधान पांडे को भी बिहार सरकार ने केंद्रीय प्रतिनियुक्ति के लिए विरमित कर दिया है. दया निधान पांडे को भारत सरकार नई दिल्ली इस्पात मंत्रालय में संयुक्त सचिव के पद पर नियुक्ति की गई है.चुनावी साल में धड़ाधड़ ट्रांसफरः चुनावी साल में नीतीश सरकार की ओर से पहले भी बड़े पैमाने पर तबादले किए गए हैं. कई अधिकारी केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर भी जा रहे हैं और उनके विभाग की जिम्मेदारी अधिकारियों को दी जा रही है. पिछले दिनों भी राज्य के 18 जिलों के डीएम बदल दिए गए थे

राजा रघुवंशी को सोनम ने दिया खाई में धक्का! आखिरी सांस तक वो हत्यारों से लड़ते रहे

धर्मेंद्र कुमार

नई दिल्ली : इंदौर के शादीशुदा कपल राजा रघुवंशी और सोनम की कहानी सोमवार को पूरी तरह से बदल गई। राजा की लाश मिलने के ठीक सात दिन बाद सोनम रघुवंशी सामने आई और यूपी के गाजीपुर में पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया। पुलिस का कहना है कि सोनम ने सुपारी देकर हत्यारों को हायर किया और अपने पति राजा की हत्या की साजिश रची। इस साजिश में उसका प्रेमी राज कुशवाहा भी शामिल था। अभी तक सोनम को पीड़ित समझा जा रहा था, लेकिन अब वही इस पूरी साजिश की असली मास्टरमाइंड निकली। वहीं, सोनम के पिता ने कॉन्ट्रैक्ट किलिंग के आरोपों को गलत बताया और दावा किया कि उनकी बेटी निर्दोष है। उनका कहना है कि सोनम को फंसाया जा रहा है। दूसरी तरफ राजा के भाई विपिन रघुवंशी ने दावा किया है कि सोनम ने सरेंडर नहीं किया, बल्कि परिवार ने कॉल आने के बाद पुलिस को उसकी खबर दी थी। अचानक बदली इन घटनाओं ने मामले को किसी थ्रिलर फिल्म जैसा बना दिया है। इस बीच एक और हैरान कर देने वाली जानकारी सामने आई है। कैसे लिखी गई मौत की स्क्रिप्ट, राजा रघुवंशी की हत्या उनकी पत्नी सोनम के सामने ही हुई थी। रिपोर्ट में मेघालय पुलिस के हवाले से बताया गया है कि राजा रघुवंशी की हत्या की ये पूरी स्क्रिप्ट सोनम और उसके प्रेमी राज कुशवाहा ने मिलकर रची थी। प्लान ऐसा था कि किसी को भनक तक ना लगे कि ये काम उन दोनों ने किया है। 11 मई को जब सोनम और राजा की शादी हुई तो दोनों परिवार खुश थे, किसी को एहसास नहीं था कि ये खुशियां बहुत जल्द मातम में बदलने वाली हैं। सोनम का व्यवहार ऐसा था, जैसे वो इस परिवार को वर्षों से जानती है। अपने ऊपर शक करने की उसने कोई गुंजाइश नहीं छोड़ी। घर से जैसे ही शादी के मेहमान विदा हुए, सोनम ने पांच दिन बाद राजा को मारने का प्लान बना लिया।

> “ अचानक बदली इन घटनाओं ने मामले को किसी थ्रिलर फिल्म जैसा बना दिया है। इस बीच एक और हैरान कर देने वाली जानकारी सामने आई है। कैसे लिखी गई मौत की स्क्रिप्ट, राजा रघुवंशी की हत्या उनकी पत्नी सोनम के सामने ही हुई थी। रिपोर्ट में मेघालय पुलिस के हवाले से बताया गया है कि राजा रघुवंशी की हत्या की ये पूरी स्क्रिप्ट सोनम और उसके प्रेमी राज कुशवाहा ने मिलकर रची थी। प्लान ऐसा था कि किसी को भनक तक ना लगे कि ये काम उन दोनों ने किया है। 11 मई को जब सोनम और राजा की शादी हुई तो दोनों परिवार खुश थे, किसी को एहसास नहीं था कि ये खुशियां बहुत जल्द मातम में बदलने वाली हैं। सोनम का व्यवहार ऐसा था, जैसे वो इस परिवार को वर्षों से जानती है। अपने ऊपर शक करने की उसने कोई गुंजाइश नहीं छोड़ी।

एक किलोमीटर दूर हत्यारों का बसेरा : प्लान के मुताबिक, राज इंदौर में ही रहा। सोनम, विशाल, आकाश और आनंद शिलॉन्ग गए। सोनम ने सबको अलग-अलग और अपने होम स्टे से दूर रुकने के लिए कहा। इसलिए, आरोपी शिलॉन्ग में सोनम और राजा के होम स्टे से लगभग 1 किलोमीटर दूर एक होटल में रुके थे। सोनम के पास इन सभी आरोपियों के फोन नंबर थे। पुलिस का कहना है कि सोनम जहां भी जाती थी, वह आरोपियों को अपनी लोकेशन भेजती थी। इससे आरोपियों को राजा तक पहुंचने में मदद मिली। 23 मई को सोनम राजा को पहाड़ी इलाके कोरसा में ले गई। उसने फोटो शूट का बहाना बनाया था। रास्ते में तीन और लोग राजा से मिले। वे सब साथ में चलने लगे। आरोपियों ने मेघालय पुलिस को बताया कि इस दौरान सोनम थकने का नाटक कर रही थी और धीरे-धीरे पीछे रह गई।

खाई में फेंकने से पहले चल रही थी सांसें : पहाड़ी पर चढ़ते-चढ़ते आरोपी भी थक गए और राजा की हत्या करने से मना किया। सोनम को लगा कि उसका प्लान फेल हो रहा है। ऐसे में उसने आरोपियों से कहा कि उन्हें राजा को मारना ही होगा, बदले में वह 20 लाख रुपए देगी। उसने राजा के पर्स से निकाले हुए 15 हजार रुपए भी उन्हें दे दिए। फिर एक सुनसान जगह पर उसने अचानक चिल्लाकर कहा, 'मार दो इसे'। राजा रघुवंशी की हत्या में चार लोग शामिल थे। इनमें से विशाल चौहान ने राजा पर पीछे से हमला किया। उस वक्त सोनम भी वहीं मौजूद थी। इस दौरान दूसरा आरोपी आकाश राजपूत किराए की बाइक से आसपास नजर रखे हुए था। राजा ने आरोपियों का मुकाबला भी करने की कोशिश की, लेकिन वह बुरी तरह घायल हो चुके थे। खाई में फेंकने से पहले तक राजा की सांसें चल रही थीं।

ऑनलाइन खरीदा था हथियार : आरोपियों ने जब राजा को खाई में फेंकने की कोशिश की, तो सोनम भी उनकी मदद के लिए आ गई और उसने खुद अपने पति को धक्का दिया। सबकुछ प्लान के मुताबिक होने के बाद सोनम शिलॉन्ग से गुवाहाटी चली गई और फिर ट्रेन से यूपी के लिए रवाना हो गई। पुलिस का कहना है कि आरोपियों ने राजा को मारने के लिए जिस हथियार का इस्तेमाल किया, वह 'डाव' था। 'डाव' का मतलब है एक छोटी कुल्हाड़ी। उन्होंने इसे गुवाहाटी से ऑनलाइन खरीदा था।

सबवेंशन स्कीम घोटाला मामला: प्राधिकरण ने सीबीआई को दी 112 बिल्डर प्रोजेक्ट की जानकारी

दिल्ली ब्यूरो

नोएडा : नोएडा और ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में सबवेंशन स्कीम के नाम पर हुए बड़े घोटाले की जांच में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने अहम कदम उठाते हुए 112 बिल्डर प्रोजेक्ट से जुड़ी विस्तृत जानकारी मांगी थी। नोएडा प्राधिकरण ने सभी संबंधित दस्तावेज अब सीबीआई को सौंप दिए हैं। इन प्रोजेक्ट्स में शामिल अधिकतर बिल्डर ग्रेटर नोएडा और ग्रेनो वेस्ट के नामचीन बिल्डर्स हैं, आरोप है कि इन्होंने बैंकों के साथ मिलकर लोन स्कीम के जरिए खरीदारों को फंसाया और बाद में लोन की राशि दूसरी परियोजनाओं में डायवर्ट कर दी। यह जांच सुप्रीम कोर्ट के 29 अप्रैल को दिए गए आदेश के बाद शुरू हुई है, जिसमें कोर्ट ने नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरणों को निर्देश दिया था कि वे सीबीआई को पूरी जानकारी मुहैया कराएं और इसके लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त करें। इस आदेश के अनुपालन में नोएडा प्राधिकरण ने अपने अकाउंट ऑफिसर संजीव दत्ता को नोडल अधिकारी बनाया। सीबीआई ने शुरुआत में 9 बिल्डरों की जानकारी मांगी थी, लेकिन अब यह संख्या बढ़कर 112 प्रोजेक्ट तक पहुंच गई है। प्राधिकरण ने इन परियोजनाओं से संबंधित स्वीकृत पत्र, लेआउट प्लान, बकाया विवरण, रजिस्ट्री व को-डेवलपर्स की जानकारी एकत्र कर सीबीआई को फाइल के रूप में सौंप दी है। इससे पहले प्राधिकरण ने स्पोर्ट्स सिटी से जुड़ी जानकारी भी सीबीआई को दे दी थी। बताया जा रहा है कि वर्ष 2014 से नोएडा और ग्रेटर नोएडा में सबवेंशन स्कीम के तहत कई ग्रुप हाउसिंग योजनाएं शुरू हुईं। योजना के तहत फ्लैट की रजिस्ट्री तक बिल्डर को ईएमआई का भुगतान करना होता था, लेकिन कुछ समय बाद बिल्डरों ने भुगतान बंद कर दिया। खरीदारों को न तो फ्लैट मिले और न ही बैंक की किश्तों से राहत। इसके कारण हजारों खरीदार डिफॉल्टर हो गए। इन योजनाओं में कई बिल्डरों ने फर्जी दस्तावेजों के जरिए बैंकों से लोन पास कराए और बैंकों ने बिना साइट निरीक्षण के भारी भरकम रकम जारी कर दी। आरोप है कि बैंकों और बिल्डरों के बीच पहले से 'अघोषित' समझौता था, जिसके चलते बैंकों ने पूरा लोन एडवांस में जारी कर दिया। नोएडा, ग्रेटर नोएडा और एनसीआर के अन्य हिस्सों की करीब 40 परियोजनाएं ऐसी हैं, जहां खरीदार फ्लैट न मिलने के बाद लोन की किश्तों के बोझ तले दब चुके हैं। बिल्डर दिवालिया हो चुके हैं और कई प्रोजेक्ट्स अधूरे पड़े हैं। इस बीच, सीबीआई नोएडा की स्पोर्ट्स सिटी योजना की भी जांच कर रही है। सेक्टर-78, 79, 150 और 152 में स्थित भूखंडों की सीबीआई ने मौके पर जाकर जांच की है और ड्रोन सर्वे भी कराया है। बीते एक महीने में सीबीआई की टीम तीन से चार बार प्राधिकरण के कार्यालय का दौरा कर चुकी है।

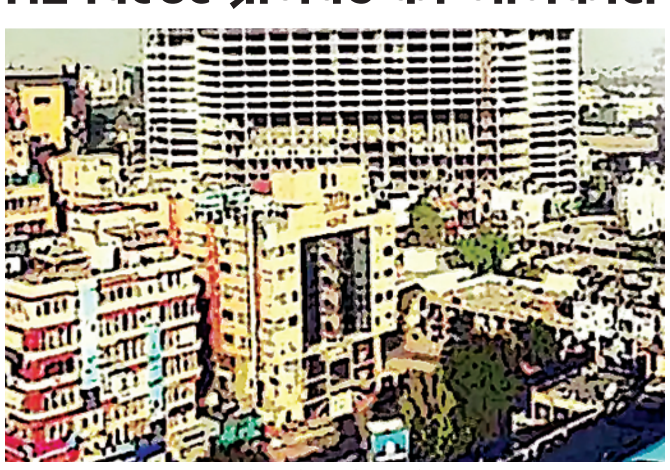

कौन हैं लक्ष्मी पुरी जिससे टीएमसी सांसद साकेत गोखले ने अखबार में मांगी माफी

अक्षय श्रीवास्तव

नई दिल्ली : टीएमसी सांसद साकेत गोखले को पूर्व राजनयिक लक्ष्मी मुरुदेश्वर पुरी के खिलाफ मानहानि मामले में माफी मांग ली है। हाल ही में दिल्ली हाई कोर्ट ने माफी मांगने पर कुछ शर्तें लगाने की गोखले की याचिका को खारिज कर दिया था। इसके बाद गोखले ने सार्वजनिक तौर पर माफी मांग ली। कोर्ट ने 50 लाख रुपये के हर्जाने के भुगतान रोक लगाने से भी इनकार कर दिया था।

कोर्ट ने गोखले को पोस्ट करने से रोका : टीएमसी सांसद गोखले ने पुरी के खिलाफ सोशल मीडिया पर गलत बयान दिए थे, जिसके कारण यह मामला शुरू हुआ। अदालत ने गोखले को सोशल मीडिया पर पुरी के खिलाफ और कुछ भी पोस्ट करने से रोक दिया था। अदालत ने उन्हें माफी मांगने और हर्जाना भरने का भी आदेश दिया था।

50 लाख हर्जाना भरने का आदेश : जस्टिस नवीन चावला और रेणु भटनागर की बेंच ने गोखले की याचिका पर सुनवाई की। गोखले ने पिछले साल के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उन्हें पुरी के खिलाफ सोशल मीडिया पर कुछ भी पोस्ट करने से रोका गया था। उन्हें माफी मांगने और 50 लाख रुपये का हर्जाना भरने का भी आदेश दिया गया था।

माफी पर रोक लगाने से इनकार :सुनवाई के दौरान बेंच ने कहा कि माफी मांगने पर कोई रोक नहीं होगी। बेंच ने कहा था कि माफी पर रोक नहीं लगाई जा सकती। सुझाव देते हुए वरिष्ठ वकील अमित सिब्बल ने कोर्ट से कहा था कि माफी प्रकाशित करने की अनुमति दी जाए, लेकिन इस पर रोक लगाई जाए या भविष्य में कोर्ट के आदेशों के अधीन रखा जाए। बेंच ने इस सुझाव को खारिज कर दिया था। बेंच ने कहा कि गोखले माफी मांग सकते हैं, लेकिन यह मामला अभी भी अपील में है।

कौन हैं पूर्व डिप्लौमेट लक्ष्मी पुरी : लक्ष्मी पुरी एक पूर्व भारतीय डिप्लोमैट हैं। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) में भी काम किया है। वह यूएन की पहली महिला असिस्टेंट सेक्रेटरी जनरल थीं। उन्होंने 'स्वालोइंग द सन- ए नॉवल' नाम की एक किताब लिखी है। इसके अलावा, वह 'इक्वल मीन्स इक्वल' नाम की एक फिल्म में भी दिखाई दीं। लक्ष्मी पुरी महाराष्ट्र की रहने वाली हैं। उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी से इतिहास में ग्रेजुएशन किया। फिर पंजाब यूनिवर्सिटी से पोस्ट ग्रेजुएशन किया। 1974 में, उन्होंने विदेश सेवा जॉइन की। अपने करियर में, लक्ष्मी पुरी ने कई देशों में काम किया। उन्होंने जापान, श्रीलंका, स्विट्जरलैंड और हंगरी में सेवाएं दीं। दिल्ली में विदेश मंत्रालय में भी उन्होंने कई पदों पर काम किया. इसके बाद, उन्होंने यूएन में अलग-अलग पदों पर अपनी सेवाएं दीं। लक्ष्मी पुरी यूएन में असिस्टेंट सेक्रेटरी जनरल बनने वाली पहली महिला थीं। यह उनके करियर की एक बड़ी उपलब्धि थी। बता दें कि लक्ष्मी पुरी केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी की पत्नी हैं।

मिथिला के ऐतिहासिक सौराठ सभा : बड़ा दिलचस्प है 715 सालों का इतिहास

बिशेष प्रतिनिधि द्वारा

मधुबनी : सौराठ सभा कमेटी के सचिव डॉ शेखर चंद्र मिश्रा कहते हैं कि 1310 ईस्वी में राजा हरिसिंह देव के समय में 'सभागाछी' की शुरूआत हुई. सौराठ सभा के बारे में कहा जाता है कि मुगलकाल और बाद में ब्रिटिश शासन के दौरान भी यह परंपरा जारी रही. हालांकि समय के साथ सामाजिक परिवर्तनों के कारण इसका स्वरूप थोड़ा बदला, लेकिन इसकी मूल भावना आज भी कायम है। बिहार का मिथिलांचल अपनी समृद्ध सांस्कृतिक और ऐतिहासिक परंपराओं के लिए प्रसिद्ध है. इन्हीं में से एक अद्वितीय परंपरा है सभागाछी. जो मधुबनी के सौराठ गांव में आयोजित होने वाला एक विशाल सामाजिक-सांस्कृतिक मेला है. यह मेला न केवल विवाह योग्य युवक-युवतियों के लिए जीवनसाथी चुनने का एक पारंपरिक मंच प्रदान करता है. बल्कि यह मिथिला की सामाजिक एकता, सांस्कृतिक गौरव और ऐतिहासिक विरासत का भी प्रतीक है।

मिथिला का सौराठ सभा : आम तौर पर लोग कहते हैं कि जोड़ियां ऊपर यानी भगवान तय करके भेजते हैं, लेकिन मिथिला में सौराठ गांव में साल में एक बार एक ऐसी सभा लगती है, जहां जोड़ी समाज के लोग तय करते हैं. हर साल यहां बड़ी संख्या में वर का चुनाव होता है।

'दूल्हे का मेला' : सौराठ सभा के नाम से आयोजित इस सभा में लोग अपनी बेटी की शादी के लिए लायक दूल्हा चुनते हैं. दूसरे शब्दों में कहें तो यहां 'दूल्हे का मेला' लगता है. इस सभा में वर-वधू के पिता और रिश्तेदार जुटते हैं और फिर पंजीकार से वंशावली की जांच परखकर शादियां तय की जाती है।

22 बीघे की जमीन पर लगता मेला : सौराठ सभा का आयोजन रहिका के पास एनएच किनारे बागीचे में होता है. इसके विकराल रूप का अंदाजा आप इसी से लगा सकते हैं कि 22 बीघे की जमीन पर यह मेला लगता है. जहां लोग काफी संख्या में जुटते हैं। सभागाछी में वर पक्ष के लोग पारंपरिक वेशभूषा में सज-धजकर सभा गाछी में पेड़ के नीचे चादर बिछाकर दूल्हे के साथ बैठते हैं. फिर वधू पक्ष के लोग यहां आते हैं. कन्या पक्ष के लोग उन्हें देखकर रिश्ते का प्रस्ताव रखते हैं. दोनों ओर से शास्त्रार्थ होता है. जब वधू पक्ष को दूल्हा पसंद हो जाता है तो बात 'चट मंगनी पट ब्याह' पर हो जाती है. पंजीकार से सलाह ली जाती है और फिर विवाह की प्रक्रिया शुरू होती है।

ज्येष्ठ-आषाढ़ माह में सभा : मिथिलांचल में मैथिल ब्राह्मण और कर्ण-कायस्थ दूल्हों की यह सभा प्रतिवर्ष ज्येष्ठ या अषाढ़ महीने में सात से 11 दिनों तक लगती है. इस वर्ष 28 मई से 6 जून 2025 तक सभा आयोजित हुई. शादी तो नहीं तय हुई पर करीब 100 सिद्धांत लिखे गये हैं।

क्या होता है सिद्धांत ? : अब आपको मन में सवाल उठ रहा होगा कि आखिर ये सिद्धांत क्या होता है. पंजीकरण प्रमोद मिश्रा ने बताया कि कन्या पक्ष की पांच पीढ़ी एवं वर पक्ष की सात पीढ़ी का गोत्र एवं मूल का मिलान किया जाता है. दोनों के मिलन हो जाने पर अधिकार एवं मिलन नहीं होने पर अनाधिकार दिया जाता है। अभी भी यह माना जाता है कि सौराठ सभा से तय हुई शादी में दांपत्य जीवन खुशहाल रहता है. यही कारण है कि भले ही लड़के यहां नहीं बैठते हैं लेकिन उनके अभिभावक शादी के लिए सिद्धांत यहीं से करवाते हैं।

पंजीप्रथा और वंशावली का महत्व : मिथिला में पंजीकार (वंशावली रखने वाले ब्राह्मण) की महत्वपूर्ण भूमिका होती है. ये पंजीकार विभिन्न कुलों यानी वंशावली का विस्तृत रिकॉर्ड रखते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि विवाह संबंध समगोत्रीय तो नहीं है. यानी लड़का पक्ष और लड़की पक्ष एक वंश के तो नहीं है. सौराठ सभा में पंजीकार ही दूल्हे-दुल्हन के कुलीनता की जांच करके रिश्ते को मंजूरी देते हैं।

आधुनिक समय में सौराठ सभागाछी : आज के डिजिटल युग में जहां मैट्रिमोनियल साइट्स और डेटिंग ऐप्स का बोलबाला है. वहां सौराठ सभा अभी भी अपनी प्रासंगिकता बनाए हुए है. हालांकि, अब इसमें सभा स्थल से शादी नहीं के बराबर होती है, लेकिन आज भी मैथिल ब्राह्मण और कर्ण कायस्थ पंजीकर से बिना सिद्धांत करवाये अपने यहां शादी विवाह तय नहीं करते हैं. सौराठ सभा के बहाने अभी भी पंजी प्रथा को जीवित रखने का प्रयास किया जा रहा है। सौराठ के पंडित सुमन झा कहते हैं कि पहले इस सभा के लिए पंजीकार पान, सुपारी और धोती लेकर आसपास के गांवों में लोगों को निमंत्रण देने के लिए पहुंचते थे. बाद में इसकी परंपरा समाप्त हो गई, अब यहां लोग कम संख्या में पहुंच रहे हैं. अब घर से ही शादी तय करने का प्रचलन बढ़ गया है. यही कारण है कि यहां अब केवल सिद्धांत के लिए लोग आते हैं। पहले लाखों की संख्या में लोग पहुंचते थे. सौराठ सभा के बारे में कहा जाता है कि अगर एक लाख से ज्यादा की संख्या में ब्राह्मण पहुंचते थे तो पीपल वृक्ष के पत्ते स्वतः मुरझाकर नीचे गिर जाते थे।

सौराठ सभा की शुरुआत : यह परंपरा लगभग 715 वर्ष पुरानी है और आज भी मिथिला के सामाजिक ताने-बाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है. सौराठ सभा कमिटी के सचिव डॉ शेखर चंद्र मिश्रा ने ईटीवी भारत से बातचीत में बताया कि सौराठ सभागाछी की शुरुआत मिथिला के कर्णाट वंश 13वीं शताब्दी के शासनकाल में हुई थी. पहले समाज में गुरुकुल की व्यवस्था थी. शिक्षा ग्रहण करने के बाद छात्रों के बीच शास्त्र विद्या की समीक्षा होती थी. शास्त्रार्थ में जो विजय होते थे उनकी शादी ऊंचे कुल के कन्याओं के साथ तय होता था. बाद में यह धीरे-धीरे वैवाहिक स्वरूप ले लिया जो बाद में सौराठ सभा के नाम से प्रसिद्ध हुआ। 'विश्व में इस तरीके की वैवाहिक परंपरा कहीं देखने को नहीं मिलती है. इसी कारण इसे सुगम वैवाहिक परंपरा भी कहा गया. समाज में न्यायपूर्ण विवाह प्रणाली को बढ़ावा देना मकसद रहा है. पहले के समय में मिथिला में मैथिल ब्राह्मणों और कायस्थों की प्रमुखता थी. विवाह संबंध तय करने के लिए गोत्र, प्रवर और कुलीनता का विशेष ध्यान रखा जाता था।

मिथिला में 12 जगह सभास्थल : पंजीकार प्रमोद मिश्र ने बताया कि 1735 ईस्वी में 12 सभा का स्थापना किया गया था. जो मिथिलांचल के हर 25 से 30 कोष यानी 40 किलोमीटर की दूरी पर आयोजित की जाती थी. खंडवाला वंश के राजा राघव सिंह के द्वारा इसकी स्थपना की गयी था. 1310 ई. में पंजी प्रथा लेखन के रूप में आई. सहरसा, पूर्णिया, भागलपुर, सीतामढ़ी और मधुबनी में सभा का आयोजन होता था. युवाओं के कंधों पर जिम्मेदारी : वर्तमान स्थिति की बात करें तो सीतामढ़ी सशौला सभा और मधुबनी के सौराठ सभा का जिक्र पंचांग में है. सौराठ सभा लगभग मरनासन्न अवस्था में पहुंच चुका है. पर सौराठ सभा आज भी जिवंत है और इस सभा की परंपरा को बढ़ाने की जिम्मेदारी युवाओं के कंधों पर है जो उन्हें उठानी पड़ेगी।

बिना दहेज की शादी : एक हजार से अधिक बिना दहेज की शादी कराने वाले बेनीपट्टी निवासी नवीन झा उर्फ घटकराज का कहना है कि दहेज उन्मूलन के लिए यह सभा एक आदर्श है. उन्होंने कहा कि आज के दौर में शादियों की टूटने की संख्या बढ़ती जा रही है, लेकिन सौराठ सभा में वर-वधू के सभी पक्षों को ध्यान में रखकर शादियों की अनुमति दी जाती है, जिससे यहां तय की गई शादियां जन्म-जन्मांतर तक निभती रहती हैं.

बड़े अधिकारियों की शादी यहीं से हुई : डॉ विनोद झा ने ईटीवी भारत से बातचीत में बताया कि सौराठ सभा ऐतिहासिक सभा है. यहां ऐसी व्यवस्था है कि पंजी प्रथा के तहत 500 साल पूर्व भी अगर आप जानकारी लेना चाहते हैं तो पंजिकार से ले सकते हैं. इस सभा में मैथिल पूरे बिहार से आते थे और यहां शास्त्रार्थ की परंपरा थी सभागाछी में विद्वान लोग जुटते थे और वर की परीक्षा होती थी। 1977 में मेरे मामा की शादी यहीं से हुई है. हम उस समय इसका प्रत्यक्ष गवाह रहे हैं. यहां एक से एक डॉक्टर, इंजीनियर, आईएएस, आईपीएस की शादियां हुई है. यह सभा राजनीति का शिकार होता जा रहा है. युवा वर्ग को आगे आने की जरूरत है।

2 दशक से भीड़ में कमी : मधुबनी के रहने वाले डॉक्टर विनोद झा ने बताया कि 1980 के दशक तक सौराठ सभा अपने पुराने रूप में था. सभागाछी में अच्छी खासी भीड़ होती थी, पर अब इसका अस्तित्व धीरे धीरे काम होता दिख रहा है. स्थिति यह है कि सभा में वरपक्ष आते हैं कन्या पक्ष नहीं आते हैं. सन 1971 में यहां करीब डेढ़ लाख लोग आये थे. 1991 में भी करीब पचास हजार लोग आए थे।

संक्षिप्त समाचार

श्राद्ध कार्यक्रम के बारवीं दिन गैस सिलिंडर ब्लास्ट, घर रखा समान जला

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवीपुर प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत पंचायत जीतजोरी ग्राम गिधेया टोला नारायणबांधी निवासी आनंद यादव के घर उनकी माता का श्राद्ध कार्यक्रम के बारवीं दिन सोमवार को गैस सिलिंडर ब्लास्ट हो जाने से घर में आग लग गई और श्राद्ध के लिए भंडार घर में रखा हुआ सारा समान जलकर राख हो गया। जानकारी हो कि सोमवार की रात्रि में श्राद्ध कार्यक्रम के लिए बारवीं हेतु मिठाई बनवाने का कार्य हो रहा था। इसी क्रम में गैस सिलेंडर अचानक ब्लास्ट हो गया। जिससे घर में आग फैल गई और भंडार घर में पूरी से आग लग गई। जिससे हजारों का रखा समान जलकर राख हो गया। घटना की जानकारी हो हल्ला होने पर आसपास के लोग पहुंचे तबतक बहुत देर हो चुकी थी। यह घटना की जानकारी पर पूर्व जिला परिषद सदस्य महेंद्र यादव, मुखिया सुभाष यादव घटनास्थल पर पहुंचे और अंचलाधिकारी देवीपुर को जानकारी दिया और जांच कर पीड़ित परिवार को राहत व आर्थिक सहयोग के लिए आग्रह किया। घटना की विस्तृत रिपोर्ट के माध्यम से कर्मचारी द्वारा सीओ को अवगत कराया। मामले में पीड़ित को सरकारी सहायता हेतु रिपोर्ट जिला भेजा जाएगा।

मादक पदार्थ के दुरुपयोग को रोकने हेतु हरि झंडी दिखाकर प्रभात फेरी निकाला गया

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

आज दिनांक 10 जून 2025 को डॉ० युगल किशोर चौधरी, सिविल सर्जन, देवघर के निदेशानुसार डॉ० मनोज कुमार गुप्ता, जिला कुष्ठ निवारण पदाधिकारी-सह-नोडल पदाधिकारी,एन०सी०डी० कोषांग, देवघर के द्वारा निषिद्ध मादक पदार्थ के दुरूपयोग को रोकने हेतु हरी झंडी दिखा कर प्रभात फेरी निकाला गया` उक्त रैली में ए०एन०एम० प्रशिक्षण केंद्र, देवघर के प्रशिक्षु छात्राओं ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया` साथ ही रैली में छात्राओं के द्वारा स्लोगन के माध्यम से समाज में मादक पदार्थों के दुरूपयोग से बचाने के लिए सकारात्मक दिशा दिखलाने का प्रयास किया गयो वही मौके पर प्राचार्या , सुलोचना कुमारी (ए०एन०एम०टी०सी), रवि कुमार सिन्हा, अभिमन्यु कुमार दांगी, रवि चन्द्र मुर्मू इत्यादी उपस्थित थे

एक पत्नी के लिए आपस में भीड़ गए दो पति, एक चाकू बाजी में हुआ घायल

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर के नगर थाना क्षेत्र स्थित प्रोफेसर कॉलोनी में एक ऐसा मामला सामने आया है जिसे सुनकर सब कोई आश्चर्य चकित हो गया है।दरअसल दो दोस्त सूरज और कुंदन के बीच असली पत्नी को लेकर जान लेने तक कि नौबत आ गयी।बताया जाता है कि एक महिला अपने पति सूरज के साथ रह रही थी।तभी आज सुबह सूरज का दोस्त कुंदन महिला के घर पहुँच कर उसके सामने सूरज पर चाकुओं से हमला कर दिया।किसी तरह महिला कुंदन के चंगुल से सूरज को छुड़ा कर आनन फानन में सदर अस्पताल ले गयी।जहाँ मौजूद चिकित्सक ने स्थिति गंभीर देख तुरंत इलाज शुरू कर दिया।प्राथमिक उपचार के बाद सूरज को आईसीयू में भर्ती कर दिया। बावजूद चिकित्सक घायल के बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया.वहीं मौके पर महिला ने बताया कि कुंदन उसको और उसके पति को बहुत परेशान करता रहता था।आज सुबह कुंदन घर पहुँच कर सूरज को रास्ते से हटाने के लिए उसके शरीर पर चाकुओं के प्रहार शुरू कर दिया।जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। जबकि सनकी कुंदन का कहना है कि इस महिला से उसका एक साल पहले ही शादी हुई थी।फिर सूरज के साथ कैसे शादी कर सकती है।पूरा मामला शायद लव ट्रॉएंगल का मालूम पड़ता है।सच्चाई क्या है वह पुलीसिया ठोस जांच के बाद ही पता चल पाएगा।फिलहाल पुलिस ने सभी पहलुओं पर जांच शुरू कर दी है।

देवघर के भीड़ भरी इलाके में अस्थाई दुकानों में अचानक लगी आग, लाखों का सामान जलकर हुआ खाक

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

शहर के लक्ष्मीपुर चौक के पास हरेक माल की अस्थाई दुकान में मंगलवार दोपहर मे भीषण आग गई। इससे इलाके में अफरातफरी मच गई। दुकान में बांस और प्लास्टिक की छप्पर थी, जिससे आग क्षण भर में ही फैल गई। स्थानीय लोगों ने पहले अपने स्तर से आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन देखते ही देखते लपटें तेज और बेकाबू हो गई। इसके बाद फायर स्टेशन को सूचना दी गई। मौके पर पहुंचे दमकल ने किसी तरह आग पर काबू पाया। दुकान मेला स्पेशल है, जो सालों भर रहता है। फिलहाल आग लगने के कारण और नुकसान का पता नहीं चल पाया है। मौके पर एसडीओ रवि कुमार पहुंचे और घटनास्थल का लिया एवं पीड़ितों को कानून संगत मुआवजा दिलाने की बात कही वहीं स्थानीय विधायक सुरेश पासवान भी घटनास्थल पर पहुंचे और लोगों को श्रावणी बेला से पहले मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया उल्लेखनीय है कि 11 जुलाई से विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला शुरू होने वाला है। मेले में एक लाख से अधिक अस्थाई दुकान लगती है, लेकिन किसी में आग से बचाव का उपाय नहीं होता है। लक्ष्मीपुर चौक के पास जहां आग लगी है, वह भी मेला क्षेत्र है। फिर भी प्रशासन की ओर से कभी इस दिशा में पहल नहीं की गई है।

23 जून को पासवा रचेगा इतिहास हजारों छात्र होंगे सम्मानित

राज्य स्तरीय छात्र प्रतिभा सम्मान समारोह में 20 हजार से अधिक बच्चों को सम्मानित करने का रखा गया है लक्ष्य:- आलोक कुमार दूबे

रांची

पासवा (पब्लिक स्कूल्स एण्ड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन) इस वर्ष भी अपने वार्षिक परंपरा को निभाते हुए 23 जून को राज्य स्तरीय छात्र प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन करने जा रही है। यह भव्य और ऐतिहासिक कार्यक्रम रांची के हरवंश टाना भगत इंडोर स्टेडियम, खेलगांव में आयोजित होगा। पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अलोक कुमार दूबे ने बताया कि तैयारियां पूरे जोर-शोर से शुरू हो चुकी हैं और टीम दिन-रात लगकर कार्यक्रम को सफल बनाने में जुटी हुई है। श्री दुबे ने कहा, ₹यह केवल एक सम्मान समारोह नहीं, बल्कि राज्य के कोने-कोने से निकली प्रतिभाओं को नमन करने का पर्व है। यह उन छात्रों के लिए प्रेरणा है जिन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी श्रेष्ठ प्रदर्शन कर राज्य का नाम रोशन किया है। हम चाहते हैं कि हर बच्चा महसूस करे कि उसकी मेहनत को सम्मान मिलता है, और यह मंच उसी भावना से प्रेरित है। श्री दूबे ने कहा, यह समारोह उन मेधावी छात्रों के लिए है जिन्होंने 10वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में सीबीएसई, आईसीएसई और जैक बोर्ड से 70% से अधिक अंक प्राप्त किए हैं। यह केवल सम्मान नहीं, बल्कि छात्रों के परिश्रम और समर्पण को समाज के सामने लाने का एक मंच है। हम चाहते हैं कि प्रत्येक छात्र महसूस करे कि उसकी मेहनत को सराहा जाता है। वॉलिंटियर्स सक्रिय हो चुके हैं और अपने-अपने कार्यों में जुट गए हैं। राज्यभर के निजी विद्यालयों के प्रिंसिपल और डायरेक्टर्स को पत्र भेजकर छात्रों की मेरिट लिस्ट मांगी जा रही है। पासवा की टीम

स्कूलों से लगातार संपर्क कर रही है, ताकि मेधावी छात्रों का चयन पारदर्शता के साथ हो सके। कार्यक्रम पूरी तरह निशुल्क होगा – पासवा अध्यक्ष ने स्पष्ट रूप से बताया कि इस कार्यक्रम में किसी भी प्रकार का पंजीकरण शुल्क, छिपा हुआ शुल्क या योगदान राशि नहीं ली जाएगी। उन्होंने विद्यालयों से अनुरोध किया है कि वे अपने यहां से योग्य छात्रों की सूची जल्द से जल्द भेजें, ताकि उनकी तैयारी समय पर की जा सके।

मेडल्स, मोमेंटो और सर्टिफिकेट तैयार हो चुके हैं। आयोजन को लेकर पूरा माहौल उत्साहपूर्ण है और विद्यार्थियों, अभिभावकों, शिक्षकों से लेकर आयोजकों तक सभी इस ऐतिहासिक दिन के साक्षी बनने को तैयार हैं। रजिस्ट्रेशन के लिए पासवा ने जारी किया मेल आईडी एवं व्हाट्सएप नंबर रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया अत्यंत सरल है – छात्र अपना मार्कशीट केवल किसी एक व्हाट्सएप नंबर या ईमेल पर भेज दें, उसी से रजिस्ट्रेशन मान्य हो जाएगा। मोबाइलः 8210318387, 9431109538, 8340510144, 7903714760,6200919501

ईमेलः alokdubey.ran@gmail.com , psacwajharkhand@gmail.com अलोक कुमार दूबे ने सभी स्कूल प्रबंधन, शिक्षकों और अभिभावकों से अपील की कि वे इस आयोजन में सक्रिय सहभागिता करें और विद्यार्थियों को इस मंच तक पहुंचाने में सहयोग करें। उन्होंने कहा, यह सम्मान समारोह एक आंदोलन की तरह है झ शिक्षा, संस्कार और सम्मान के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक। इस वर्ष का समारोह न केवल भव्यता में, बल्कि उद्देश्य और भावना में भी एक नई मिसाल कायम करेगा। आज की बैठक में राष्ट्रपति अवार्डी सुश्री फलक फातिमा,अनिकेत कुमार,विशाल सिंह,मेंहुल दूबे,अजहर आलम,जाबिर खान, प्रीति सिंह, अंकिता सिंह, जिक्रा खान,शैफ अहमद, मो शाहिद, सचिन कुमार, अनुष्का कुमारी, नवरस नदीम,साक्षी प्रिया, राजनंदनी, विशाल कुमार सिंह, दीपक कुमार साहू, उज्जवल कुमार, राजकुमार भगत,जाबिर रजा, रोशन लिंडा, शुभम कुमार,विक्की कुमार मुख्य रूप से उपस्थित थे।

श्रावणी मेला 2025: प्रशासन की सख्त तैयारी, श्रद्धालुओं को होगी सुविधाजनक यात्रा

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर झ राज्य सरकार ने आगामी श्रावणी मेला 2025 की तैयारी को लेकर अधिकारियों, कार्यपालक अभियंता और पुलिस पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं। यह मेला एक महत्वपूर्ण धार्मिक आयोजन है, जिसमें लाखों श्रद्धालु बाबा बैद्यनाथ मंदिर में दर्शन के लिए आते हैं। इसके मद्देनजर, सभी संबंधित विभागों को इस मेले की शुरूआत से पहले जुलाई के पहले सप्ताह तक अपनी सभी तैयारियों को पूरा करने का आदेश दिया गया है। बैठक में अधिकारियों ने विभिन्न पहलुओं पर विचार किया और सुनिश्चित किया कि मेले के दौरान श्रद्धालुओं के लिए सभी व्यवस्थाएं पूरी तरह से तैयार हों। कार्यपालक अभियंता को इस बात के लिए निर्देशित किया गया है कि वे मेले के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे और सुविधाओं को समय रहते सुनिश्चित करें, ताकि किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। इस आयोजन में पुलिस विभाग की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। पुलिस अधिकारियों को सुरक्षा व्यवस्था को सख्त करने और समस्त मार्गों पर यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा, श्रद्धालुओं के लिए स्वास्थ्य सेवाओं और अन्य जरूरी सुविधाओं की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जा रही है, ताकि हर किसी को एक सुरक्षित और आरामदायक अनुभव प्राप्त हो। सरकार ने कहा कि मेला आयोजन के दौरान सभी संबंधित विभागों को अपनी-अपनी जिम्मेदारियां तय करने का अवसर दिया जाएगा, जिससे प्रत्येक श्रेणी में सुधार किया जा सके। अधिकारियों को यह भी कहा गया है कि मेले के दौरान श्रद्धालुओं के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए कोई कसर न छोड़ी जाए। ह्लश्रद्धालुओं को बाबा नगरी से अच्छी अनुभूति लेकर अपने घर लौटने का मौका मिलना चाहिए। हमारे विभागों का प्रयास यह होना चाहिए कि उन्हें किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े,ह्व बैठक के दौरान एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा। इसके अलावा, सरकार ने साफ किया कि सभी तैयारियाँ 1 जुलाई तक पूरी होनी चाहिए, ताकि मेला के पहले दिन श्रद्धालुओं को कोई कठिनाई न हो। प्रशासन इस बार पिछले सालों से सीख लेकर मेला आयोजन की कार्यप्रणाली में सुधार करने के लिए तत्पर है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े, विभिन्न विभागों के बीच बेहतर तालमेल और आपसी सहयोग के लिए भी बैठक आयोजित की जाएगी। इसके अलावा, मेला के लिए विशेष ट्रैफिक व्यवस्था, पार्किंग और परिवहन सेवाएं भी उपलब्ध करवाई जाएंगी, ताकि श्रद्धालु बिना किसी रुकावट के अपने गंतव्य तक पहुंच सकें। उम्मीद है कि इस बार का श्रावणी मेला 2025 न केवल प्रशासनिक दृष्टिकोण से, बल्कि श्रद्धालुओं के लिए एक अद्वितीय अनुभव साबित होगा।

नशा के विरूद्ध जागरूकता को लेकर निकाली रैली

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

सारठ/ तम्बाकू सेवन के हानिकारक प्रभावों के प्रति आम लोगों को जागरूक करने को लेकर सभी सरकारी विद्यालयों में प्रभातफेरी निकाली गई। प्रखंड अंतर्गत उत्क्रमित उच्च विद्यालय ओझाडीह के छात्र-छात्राओं द्वारा नशा के विरूद्ध जागरूकता अभियान के तहत रैली निकाल कर ग्रामीणों को जागरूक किया गया। जो हुआ नशे का शिकार उजड़ा उसका घर परिवार समेत कई तरह के नारे लगा रहे थे। मौके पर शिक्षक शिवशंकर झा, मनोज कुमार, मंटू मंडल समेत अन्य बच्चे मौजूद थे। वहीं नशा मुक्ति एवं मादक पदार्थों की रोकथाम हेतु जन जागरूकता अभियान के तहत उत्क्रमित उच्च विद्यालय बेलवरना के छात्र छात्राओं द्वारा रैली निकल कर आम लोगों को नशा मुक्ति के लिए जागरूक किया गया। प्रभारी प्रधानाध्यापक दिलीप कुमार राय ने कहा कि नशा के चलते परिवार का दुर्दशा हो रहा है। तम्बाकू,शराब, सिगरेट के सेवन से लोग कैंसर जैसे खतरनाक बिमारी से जूझ रहे हैं। विभागीय निर्देश के आलोक में नशा मुक्ति अभियान चलाया जा रहा है जिसके तहत तम्बाकू सेवन से होने वाले गंभीर बिमारी एवं इसके दुष्परिणाम को लेकर जागरूक किया गया। जागरूकता पैदा कर ही नशा मुक्त समाज की परिकल्पना पूरी की जा सकती है। मौके पर सहायक अध्यापक विश्वनाथ पंडित, ललन प्रसाद साह,राजेश्वर प्रसाद सिंह, अनिता सहाय, अनुराग सिन्हा समेत कई अभिभावक मौजूद थे।

राजद देवीपुर प्रखंड अध्यक्ष चुनाव में खूब दांव पेंच का चला खेल

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

राजद के देवीपुर प्रखंड अध्यक्ष चुनाव में खूब दाव पेंच का खेल चला। जानकारी हो कि तत्कालीन प्रखंड अध्यक्ष नागेंद्र कुशवाहा और वर्तमान में नया अध्यक्ष बनने की होड़ में राजद कार्यकर्ता भरत यादव उर्फ अजय यादव ने अपना दावा पेश किया और अपने पक्ष में लगातार कई दिनों तक अपने समर्थकों को अपने पक्ष में किया। इस दौरान अधिकतर कार्यकर्ता भरत यादव उर्फ अजय यादव को अध्यक्ष पद के लिए समर्थन कर रहे थे। इसके बाद पार्टी की ओर से रविवार को चुनाव का आयोजन प्रखंड मुख्यालय के बीआरसी प्रांगण में एक बैठक कर इसका चुनाव कराया गया। जहां पर प्रखंड अध्यक्ष पद के लिए तीसरा दावेदार के रूप में पूर्व मुखिया झुमरबाद पंचायत कलीम अंसारी ने अपना दावा पेश किया। इस दौरान चुनाव में तत्कालीन अध्यक्ष नागेंद्र कुशवाहा के समर्थकों ने कलीम अंसारी को समर्थन देते हुए अधिकांश बहुमत से अध्यक्ष बना दिया। लेकिन मामला यहां भी नहीं रुका और अध्यक्ष पद के लिए उतार चढ़ाव जारी रहा। वहीं विधायक सुरेश पासवान तक शिकवा शिकायत जाते रहा। इसके पश्चात मंगलवार को विधायक सुरेश पासवान के द्वारा मनोनीत रूप से राजपुर पंचायत के मुखिया लक्ष्मण मुर्मू अध्यक्ष पद की जिम्मेवारी देते हुए माला पहना दिया। इस पर निर्वाचित रूप से अध्यक्ष कलीम अंसारी ने काफी विरोध किया। इस बाबत कलीम अंसारी ने बताया कि जब मनोनीत ही करना था तो अध्यक्ष पद के लिए चुनाव करना और इतना दांव पेंच का खेल क्यों खेला गया। जहां भाईचारा भी खत्म होता है। अगर मनोनीत ही करता तो भाईचारा भी बना रहता। वहीं सुरेश पासवान ने सभी कार्यकर्ता के समक्ष कार्यकताओं की ओर से आ रहे शिकवा शिकायात को दूर करने की बात कही। वहीं अब आगे विधायक प्रतिनिधि के रूप किसे जिम्मेवारी मिलती है इस पर सभी की निगाहें हैं।

सरकारी रास्ते से अतिक्रमण हटाने की मांग को लेकर ग्रामीणों का धरना प्रदर्शन

कोडरमा विजय यादव

कोडरमा प्रखंड के वृंदा गांव के ग्रामीणों ने मंगलवार को अंचल कार्यालय के समक्ष एक दिवसीय धरना दिया। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव के सरकारी रास्ते पर कुछ लोगों ने तीन साल से अतिक्रमण कर रखा है, जिसकी शिकायत पहले भी की गई थी, लेकिन आज तक कार्रवाई नहीं हुई। धरना से पहले ग्रामीणों ने सदर ब्लॉक से जुलूस निकाला और अंचल अधिकारी के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अंचल कार्यालय पहुंचे। धरना की अध्यक्षता पवन कुमार रजक ने की और कांग्रेस नेता प्रकाश रजक सहित कई वक्ताओं ने अंचल अधिकारी को लापरवाही के लिए जिम्मेदार ठहराया। धरना स्थल पर पहुंचे अंचल अधिकारी हलधर सेठी ने ज्ञापन लिया और एक सप्ताह के भीतर विधिसम्मत कार्रवाई का आश्वासन दिया। धरना में बड़ी संख्या में ग्रामीण पुरुषों और महिलाओं की भागीदारी रही। मौके पर गुरु प्रसाद साव, विजय यादव, कामेश्वर राम, सहदेव यादव, रामदेव साव, सुरेश कुमार यादव, पवन कुमार रजक, असगर अली, रामेश्वर यादव, रीना देवी आदि लोगों ने संबोधित किया धरना में लक्ष्मण रजक, धर्म रजक, सुखदेव यादव, कुलदीप यादव, सदानंद रजक, प्रकाश साव, अरुण यादव, विकास यादव, कैलाश साव राजेंद्र यादव, कामेश्वर यादव, अरुण यादव, टेकलाल रजक, उपेंद्र यादव, बालेश्वर यादव, बंसी यादव, अशोक रजक, चुल्हन महतो, विशेश्वर साव, राजेश रजक, प्रभु रजक, महेश रजक, मंजू देवी, गुड़िया देवी, ललिता देवी, मुनिया देवी ,जयंती देवी, लालमति देवी, रेखा देवी ,चंपा देवी, मीना देवी, किरण देवी, प्रमिला देवी, गौरव देवी, सिमा देवी, ममता देवी, कंचन देवी, सोनिया देवी आदि सैकड़ो महिलाएं मौजूद थी। धन्यवाद ज्ञापन कामेश्वर राम ने किया।

चौपारण में नशे के खिलाफ जागरुकता अभियान

चौपारण थाना के द्वारा ग्राम दुरागढा के ग्रामीणों के बिच कार्यक्रम आयोजित

दिव्य दिनकर चौपारण राजेश सहाय

प्रखंड के सुदूरवर्ती क्षेत्र ग्राम दुरागड़ा में नशा उन्मूलन को लेकर चौपारण थाना की ओर से जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और उन्हें इसके खिलाफ संगठित करना था।कार्यक्रम का नेतृत्व कर रहे सब इंस्पेक्टर रवि रंजन ने उपस्थित ग्रामीणों को अफीम, डोडा और अन्य मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक नुकसान की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, बल्कि परिवार व समाज को भी तबाह करता है।उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे स्वयं इन नशे की आदतों से दूर रहें और अपने बच्चों व आसपास के युवाओं को भी इसके प्रति सतर्क करें। साथ ही यह भी जानकारी दी गई कि यदि किसी प्रकार की नशा संबंधित गतिविधि की जानकारी हो तो वे निःसंकोच थाना को सूचित करें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने भी इस पहल का स्वागत किया और नशा के खिलाफ एकजुट होकर कार्य करने की प्रतिबद्धता जताई।इस तरह के कार्यक्रमों से नशा उन्मूलन की दिशा में सकारात्मक परिवर्तन की उम्मीद की जा रही है।

श्री हनुमंत सेवा संस्थान बिगहा मे पंच दिवसीय योग शिविर का आयोजन

दिव्य दिनकर चौपारण राजेश सहाय

:श्री हनुमंत सेवा संस्थान द्वारा आयोजित पंच दिवसीय योग शिविर में आचार्य सन्यासी शंकर जी ने प्रतिभागियों को विविध योगाभ्यासों से परिचित कराया। उन्होंने योग के वैज्ञानिक तथा आध्यात्मिक पक्षों पर प्रकाश डालते हुए उसके अद्भुत और जीवन-परिवर्तनकारी लाभों की विस्तृत व्याख्या की।योगाभ्यास के माध्यम से तन,मन और आत्मा की शुद्धि तथा संतुलन कैसे प्राप्त किया जा सकता है—इस पर उन्होंने सरल एवं प्रभावशाली मार्गदर्शन प्रदान किया, जिससे प्रतिभागी अत्यंत लाभान्वित हुए।संस्थान की ओर से सभी ग्रामीणों, श्रद्धालुओं एवं साधकों से विनम्र अपील की जाती है कि वे भारी संख्या में इस शिविर में सम्मिलित होकर अपने स्वास्थ्य व जीवन को नई दिशा दें।

संक्षिप्त समाचार

संजय कुमार झा का पटना में भव्य स्वागत

भाजपा नेता राकेश सिंह ने अंग वस्त्र, बुके और बाबा हरिहरनाथ का प्रसाद खिलाकर उनका स्वागत किया

पटना , । ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद राज्यसभा सांसद और जदयू राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा ने अपने सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के साथ पांच देशों की यात्रा पूर्ण की। पटना आवास पहुंचने पर उनका स्नेहपूर्ण स्वागत-अभिनंदन किया गया। भाजपा नेता और प्रदेश कार्य समिति सदस्य राकेश सिंह ने अंग वस्त्र, बुके और बाबा हरिहरनाथ का प्रसाद खिलाकर उनका स्वागत किया और बधाई दी। इस अवसर पर बिहार सरकार के समाज कल्याण मंत्री मदन सहनी, मंडल अध्यक्ष मंटू बाबा, भूलन जी, मोनू सिंह, सुमंत सहित अनेक लोग उपस्थित थे। भाजपा नेता राकेश सिंह ने कहा कि संजय झा के कार्यकाल में पार्टी मजबूती से आगे बढ़ रही है और अब देश से लेकर विदेश तक उनके कार्य की चर्चा हो रही है। संजय झा ने भी लोगों के प्रति हृदय से आभार प्रकट किया।

जन सुराज पार्टी के वरिष्ठ नेता रमेश सिंह ने कई पंचायत में जाकर जनसंपर्क किया

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जन सुराज पार्टी के वरिष्ठ नेता रमेश सिंह ने कई पंचायत में जाकर जनसंपर्क किया। बताते चलें कि जन सुराज पार्टी के वरिष्ठ नेता सह पार्टी के औरंगाबाद सदर विधानसभा क्षेत्र से भावी उम्मीदवार रमेश सिंह ने औरंगाबाद विधानसभा के अंतर्गत सदर प्रखंड के पंचायत (नौगढ़) के ग्राम - भंवर बिगहा , हारिबारी , महुअरी , बेसेनी , नौडीहा , खान , कपसीया , रेडिया में लोगों से घर - घर जाकर जन सम्पर्क किया और जन सुराज पार्टी के विचार धारा को लोगो के बीच समझाने का काम किया और जन सुराज पार्टी को आगामी विधानसभा चुनाव में सरकार बनाने का आशीर्वाद मांगा और पार्टी की पांच प्राथमिकताएं जनता के बीच रखा और उन्होंने आगे कहा कि अगर जन सुराज पार्टी आयेगा तो 5 प्राथमिकता जन जन तक पहुंचाया जाएगा और साथ हीं इन्होंने कई लोगों को पार्टी का सदस्य भी बनाया। आगे इन्होंने बिहार बदलाव हस्ताक्षर पर नई सदस्यों से हस्ताक्षर भी करवाया और 12 जून को अनुग्रह नारायण स्टेडियम , नबीनगर में पार्टी के सूत्रधार श्री प्रशांत किशोर के बिहार बदलाव सभा में आने का निमंत्रण दिया और कार्यक्रम में आने का आग्रह किया। और बिहार में सरकार बदलने की आशीर्वाद भी मांगा और इस जनसंपर्क के दरमियान इनके साथ कई समर्थक मौजूद थे।

भव्यता के साथ सम्पन्न हुआ काव्यमय स्नेहाशीष समारोह

रिपोर्ट– प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- राष्ट्रीय साहित्यिक संस्था 'शब्दाक्षर' के तत्वावधान में शाहपुर देवी मंदिर के समीप स्थित कमलेश मिश्र, विमलेश मिश्र के आवास पर बिटिया सृष्टि एवं किसलय के विवाहोपरांत काव्यमय आशीष समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह की अध्यक्षता उक्त संस्था के राष्ट्रीय प्रचार मंत्री धनंजय जयपुरी तथा संचालन हास्य कवि विनय मामूली बुद्धि ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में श्री सुरेंद्र मिश्र तथा श्री गुप्तेश्वर पाठक ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम की शुरूआत स्वस्तिवाचन तथा गणेश वन्दना के साथ डॉ हेरंब मिश्र ने की। कवि अनिल अनल ने काव्यमय प्रस्तुति द्वारा वर-वधू के सुखमय जीवन की कामना की। कवि शैलेंद्र मिश्र शैल ने बड़े ही मधुर स्वर में अपनी रचनाओं की प्रस्तुति दी। युवा कवि नागेंद्र कुमार केसरी की एक कविता 'एक नन्हा बच्चा सोया था' की प्रस्तुति पर उपस्थित काव्यानुरागियों की आंखें नम हो गईं। ओम प्रकाश पाण्डेय एवं अनुज बेचैन की कविताएं भी सराही गईं। अध्यक्षीय उद्बोधन में धनंजय जयपुरी ने वर-वधू के निर्विघ्न जीवन-यात्रा की मंगल कामना पद्यमय प्रस्तुति द्वारा की। इनकी इस प्रस्तुति पर सभा भवन में बैठे सारे लोग भाव-विभोर हो गये। इस अवसर पर योगेश मिश्र, राकेश मिश्र द्वारा भी भावपूर्ण उद्गार व्यक्त किए गए। कार्यक्रम को सफल बनाने में ललित, अमित, अंकित, आयुष, आदित्य इत्यादि का सराहनीय योगदान रहा।

उपहारा पुलिस ने तीन शातिर चोरों को चोरी के सामान के साथ किया गिरफ्तार

रिपोर्ट – अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह (औरंगाबाद) उपहारा थाना पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए चोरी के सामान के साथ तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर चोरी के महत्वपूर्ण सामान भी बरामद किए हैं। थानाध्यक्ष मनेश कुमार ने बताया कि इस संबंध में उपहारा थाना कांड संख्या 73/25 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। बरामद सामान में 1 बैट्री, 2 इनवर्टर और 3 स्टार्टर है , जिन्हें गुप्त सूचना के आधार पर बरामद कर लिया गया है। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में छोटू चंद्रवंशी (पिता झ सतन चंद्रवंशी),निर्भय कुमार (पिता झ सूर्य दयाल यादव),मंटू कुमार (पिता झ सुरेश यादव)शामिल हैं। ये तीनों आरोपी डड़वा गांव के निवासी बताए जा रहे हैं। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के दौरान कई अहम सुराग मिले हैं, जिससे यह संकेत मिल रहा है कि इनके द्वारा क्षेत्र के अन्य चोरी की घटनाओं से भी जुड़े हो सकते हैं। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इस कार्रवाई से क्षेत्र में चोरी की बढ़ती घटनाओं पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी तथा आमजन में पुलिस के प्रति विश्वास भी मजबूत हुआ है। थाना अध्यक्ष ने बताया कि आगे की जांच जारी है और गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश की जा रही है।

कश्मीर की रेल - एक नए कल की कहानी -जया वर्मा सिन्हा

पूर्व सीईओ और रेलवे बोर्ड की अध्यक्ष

नई दिल्ली ,।

छह जून की सुनहरी सुबह, गेंदे के फूलों से सुसज्जित, चमचमाती वन्दे भारत एक्सप्रेस, श्री माता वैष्णो देवी कटरा से श्रीनगर के लिए अपनी पहली यात्रा पर , प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा, हरी झंडी दिखाकर रवाना की गई। यह ट्रेन, जो अब हर सप्ताह छह दिन श्रीनगर और कटरा के बीच दो बार दौड़ती है, केवल एक आधुनिक परिवहन सेवा नहीं है–यह दशकों पुराने एक सपने का यथार्थ है। यह सपना था कश्मीर को भारत के शेष हिस्से से स्थायी रेल संपर्क के माध्यम से जोड़ने का–एक संकल्प, जो इस्पात, तकनीक और दृढ़ इच्छाशक्ति से पूरा हुआ। आज यह ट्रेन पहाड़ों को चीरते हुए दौड़ती है, और अपने साथ लाती है रोजगार, पर्यटन, कारोबार और उम्मीदों की एक नई सुबह। भारतीय रेल ने अपने 172 वर्षों के गौरवशाली इतिहास में देश सेवा के अनेक कीर्तिमान स्थापित किए हैं। पीढ़ी-दर-पीढ़ी रेल कर्मचारियों ने निष्ठा के साथ रेल के ताने बाने को भारत के ओर-छोर तक पहुँचाया है। एक लोकप्रिय विज्ञापन की पंक्तियों को कुछ बदलते हुए कहें तो–भारतीय रेल सिर्फ पटरियां नहीं बिछाती, यह राष्ट्रीय एकता की बुनियाद का ताना-बाना भी बुनती है ! दशकों से कश्मीर की कहानी को एक जटिल और पेचीदे अध्याय के रूप में देखा जाता रहा है। भूगोल, इतिहास, राजनीति और पडोसी मुल्क की पनाह में पनपते आंतकवाद के साये ने, इसे भारत के अन्य हिस्सों से कुछ पृथक ही रखा। कश्मीर की यात्रा भी एक चुनौती से कम नहीं रही - दुर्गम रास्ते, खतरनाक सड़कें, सीमित हवाई संपर्क और रेल, मात्र कल्पना ! ब्रिटिश काल से ही कश्मीर को रेल से जोड़ने की परिकल्पना की जा रही थी, जो दशकों तक केवल कागजों में ही सिमटी रही। स्वतंत्रता के पश्चात, अनगिनत विचार-विमर्श, अध्ययन, तकनीकी परीक्षणों और देशी-विदेशी विशेषज्ञों के परामर्श के बाद, 1994 में, उधमपुरझश्रीनगरझबारामुला रेल लिंक (वरइफ्छ) को आधिकारिक मंजूरी मिली। इस परियोजना को भू-राजनीतिक जटिलताओं ने बार-बार बाधित किया। फिर भी इस परियोजना के उत्तरी और दक्षिणी हिस्से तो पूरे हुए, लेकिन कटरा से बनिहाल तक का मध्य खंड एक बड़ी चुनौती बना रहा। यह खंड न केवल तकनीकी रूप से कठिन था, बल्कि इसमें सुरक्षा, पर्यावरण और भूगर्भीय बाधाएँ भी थीं। वर्ष-दर-वर्ष परियोजना दो हिस्सों में बंटी रही–जैसे एक-दूसरे को छूने के लिए गहरी घाटियों के कगार पर बाहें फैलाये हुए खड़ी हों। अंततः इस परियोजना को सरकार ने 'राष्ट्रीय प्राथमिकता' घोषित कर अंतिम पड़ाव तक पहुंचाने का दृढ़ संकल्प लिया - तब जाकर पहाड़ों की चुप्पी टूटी और फौलाद की नसें सुरंगो से गजरने लगीं। रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने सही ही कहा, यह केवल एक परिवहन परियोजना नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का कार्य था। वरइफ्छ परियोजना, भारतीय रेलवे की अब तक की सबसे चुनौतीपूर्ण और भव्य परियोजनाओं में से एक है। 272 किलोमीटर की इस रेललाइन में 40 सुरंगें और 900 से अधिक पुल शामिल हैं। इस परियोजना का प्रतीक चिन्ह है चिनाब रेलवे ब्रिज–दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे पुल, जो समुद्रतल से 359 मीटर की ऊँचाई पर खड़ा है। यह पुल 260 किमी/घंटे तक की हवाएँ और तीव्र भूकंप के स्पन्दन को भी सहन करने की क्षमता रखता है। साथ ही, यहाँ स्थित है अंजी खड्ड पुल – भारत का पहला 'केबल-स्टे' रेल पुल – जो 193 मीटर ऊँचे एक स्तम्भ से जुड़ी 96 केबलों के सहारे, घाटी से 331 मीटर की ऊंचाई पर टिका हुआ है। कश्मीर के संत्री कहे जाने वाली पीर पंजल पर्वतमाला के हृदय को भेदती, 11 किलोमीटर से लंबी, 'टी-80 सुरंग', बनिहाल को काजीगुंड से जोड़ती है। ऐसी अनेकों सुरँगों और पुलों से निर्मित यह रेलवे लाइन गाथा सुनाती है, न सिर्फ इंजीनियरिंग तकनीक की, बल्कि मानव संकल्प, साहस और दृढ निश्चय की - आसमान को फौलाद की चुनौती देती यह रेलवे लाइन जोड़ती है देश को कश्मीर से कन्याकुमारी तक !

भारतीय रेल का सबसे नया सितारा, कटरा को श्रीनगर से जोड़ता वन्दे भारत एक्सप्रेस का सफर, मात्र एक यात्रा नहीं, एक वृतांन्त है। यह घाटियों और पर्वतों को लांघता, दूरियां घटाता, घोषणा करता है कि कश्मीर अब दूर नहीं ! छह घंटो से अधिक समय लेता, दुर्गम घाटियों, पेचीदे मोड़ों और मौसम की मार सहता, सड़क का सफर, अब रेल के काँधे पर, मात्र आधे समय में, आरामदेह कुर्सियों पर, चाय की चुस्कियों के साथ गुजरता है। ट्रेन के पहियों का संगीत, न केवल शहरों को जोड़ता है बल्कि संजोता है उम्मीदों को, जिन्दगियों को, तरक्की को। कश्मीर के दूरदराज गांवों के बच्चे अब जम्मू और दिल्ली के विश्वविद्यालयों की बातें करते हैं। स्थानीय कारीगर, सेब उत्पादक और कालीन बुनकर अब अपने उत्पादों को घाटी से बाहर के बाजारों में तेजी से और ताजगी के साथ पहुँचाने के सपने बुन रहे हैं। श्रीनगर के एक युवा दुकानदार ने कहाः ह्लजहां पहले चेकपोस्ट और देर होती थी, अब वहां ट्रेन की आवाज सुनाई देती है। ऐसा लगता है जैसे अब हम बाकी देश का इंतजार नहीं कर रहे–हम उसी के साथ चल रहे हैं। यह सच है कि एक ट्रेन, या एक रेलवे लाइन, कश्मीर की सभी समस्याओं का हल नहीं है। न तो ये इतिहास मिटा सकती है, न ही जख्मों को तुरंत भर सकती है – सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं का समाधान अभी भी जरूरी है। लेकिन सच्चाई यह भी है कि यह स्थाई संपर्क मार्ग, नए रास्ते, नए अवसर और नए दरवाजे खोल रहा है। जम्मू और कश्मीर के आर्थिक, सांस्कृतिक और सामाजिक उत्थान को नयी ऊंचाइयों पर ले जाने का मार्ग प्रशस्त कर रहा है। और यही इस परियोजना की सबसे बड़ी उपलब्धि है। एक सपना, जो कभी अंग्रेजी अफसरों की ड्रॉइंग बोर्ड पर था–आज वह इस्पात की पटरियों पर हकीकत बनकर दौड़ रहा है। यह उस राष्ट्र की कहानी है, जो न तो भौगोलिक चुनौती से डरा, न आतंक से, और न ही समय से। पर्वतों के सायों से निकलकर धूप में नहाए स्टेशनों तक, एक नई यात्रा शुरू हो चुकी है–जो सिर्फ दूरी नहीं, दिलों को भी पाटती है।

छत पर सो रहे किशोर को गोली मारकर हत्या,आपसी विवाद में की गई हत्या, आरोपितों की गिरफ्तारी को छापेमारी जारी

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले के नवीनगर के माली थाना अंतर्गत ग्राम सोरी में मंगलवार की रात पिंटू चंद्रवंशी के 16 वर्षीय पुत्र अंकुश चंद्रवंशी की गोली मार कर हत्या कर दिया। किशोर अपने घर की छत पर सोया था कि बदमाशों ने छत पर चढ़कर घटना को अंजाम दिया है। अंकुश के सिर में सटाकर गोली मारी गई है। जिससे घटनास्थल पर मौत हो गई। गोली की आवाज सुनकर स्वजन और ग्रामीण कुछ समझते तब तक गोली मारने वाले बदमाश भाग गए। सुबह होने पर मां अंकुश के पास गई तो देखा कि छत पर मात्रा में खून बहा हुआ है। अंकुश मृत पड़ा है। बेटे को मृत देख मां ने शोर मचाया। स्वजन और ग्रामीण पहुंचे तो देखा कि अंकुश को गोली मारकर हत्या कर दी गई है। ग्रामीणों ने घटना की सूचना माली थानाध्यक्ष को दी। सूचना पर एसपी अंबरीष राहुल, एसडीपीओ संजय कुमार पांडेय और थानाध्यक्ष दीपक कुमार राय घटनास्थल पर पहुंचे। घटनास्थल का निरीक्षण किया। घटना की जांच की। ग्रामीणों और स्वजनों से पूछताछ की। एसडीपीओ ने बताया कि किशोर अपने घर की छत पर सोया हुआ था। बदमाशों ने छत पर चढ़कर किशोर को सिर में सटाकर गोली मारी है। बताया कि घटना में संलिप्त बदमाशों की पहचान कर ली गई है। गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। बताया कि आपसी विवाद में किशोर को गोली मारी गई है। जिन लोगों ने गोली मारी है उनलोगों से विवाद चल रहा है। बताया कि किशोर के बगल में उसका छोटा भाई सोया हुआ था पर उसे गोली मारने की जानकारी नहीं हुई। गोली की आवाज सुनकर घर के अलावा पास के घरों के ग्रामीण कुछ समझ नहीं पाए। थानाध्यक्ष ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल औरंगाबाद भेज दिया गया है। बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगा कि युवक कितनी गोली मारी गई है। बताया कि घटना के कारणों का पता चल गया है। घटना के बाद ग्रामीण पुलिस के प्रति आक्रोशित दिखे। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस से स्वजनों और ग्रामीणों ने घटना में संलिप्त बदमाशों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की। पुलिस ने स्वजनों को आश्वासन दिया कि शीघ्र ही गोली मारने वाले बदमाशों की गिरफ्तारी कर ली जाएगी।

एसबीआई के क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय, औरंगाबाद की ओर से मंगलवार को कषि ऋण जागरुकता शिविर कार्यक्रम का आयोजन किया गया

किसानों के लिए एसबीआई ने जागरूकता शिविर लगाया

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले के अग्रणी बैंक भारतीय स्टेट बैंक के क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय औरंगाबाद की ओर से मंगलवार को कषि ऋण जागरुकता शिविर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके माध्यम से ग्रहकों को बैंक दुद्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम में प्रगतिशील किसान और एफपीओ की भागीदारी रही, जो आस-पास के क्षेत्रों से आये थे। इस अवसर पर एसबीआई के कृषि व्यापार उत्पाद जैसे कृषि और खादय उद्यम ऋण (AFEL), कृषि अवसंरचना निधि (AIF), किसान समृद्धि ऋण (KSR), प्रधानमंत्री सुक्ष्म खादय प्रसंस्करण उद्यम योजना (PMFME) सहित कई अन्य योजनाओं के बारे में उपयोगी जानकारी देकर इस संबंध में जागति को बढ़ाया गया है। अधिकारियों ने बताया कि कषि व्यापार को बढ़ावा देने के लिए किसानों के बीच योजनाओं के बारे में जरूरी जागरुकता की अब भी कमी है। ऐसे में किसानों को जरूरी जानकारी देकर उन्हें योजनाओं के लाभ के लिए प्रेरित करना जरूरी है। अधिकारियों ने बताया कि कई किसानों से उपयोगी बात चीत की गई जिससे कुछ संभावित लीड प्राप्त हुई हैं जिन्हें जल्दी ही व्यापार में बदला जाएगा। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में बहादुरडीह मुखिया पैक्स अध्यक्ष बिजेन्द्र कुमार यादव शामिल थे। इनके अलावा एसबीआई से, सीएम क्रेडिट एंड एनपीए श्री संतोष कमार गुप्ता, शाखा प्रबंधक देव श्री संदीप कुमार भारती, शाखा प्रबंधक सिमरा श्री अमित कुमार, आर एम आर यु (RMRU) श्री असीम जाना, श्री अविनाश कमार, श्री कुंदन कुमार सहित अन्य अधिकारी भी मौके पर अपनी बात रखी।

जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता में नीलाम पत्र वादों से संबंधित समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

मिलान

औरंगाबाद :- जिला पदाधिकारी श्रीकान्त शास्त्री (भा.प्र.से.) की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में नीलाम पत्र वादों से संबंधित समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में जिला अंतर्गत लंबित नीलाम पत्र वादों के निष्पादन, ऋण वसूली, बकायेदारों पर कार्रवाई तथा विभागीय समन्वय से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर गहन विचार-विमर्श किया गया। बैठक का मुख्य उद्देश्य जिले में लंबित पड़े नीलाम पत्र वादों की स्थिति की समीक्षा करना, निष्पादन की प्रक्रिया को तेज करना, तथा समन्वयात्मक दृष्टिकोण से ऋण वसूली में प्रशासनिक मजबूती लाना था। जिलाधिकारी श्री शास्त्री ने बैठक के दौरान स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी नीलाम पत्र पदाधिकारी अपने स्तर पर लंबित मामलों की अद्यतन समीक्षा कर नियमित रूप से सुनवाई करें ताकि समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित हो सके। इसके अतिरिक्त, नीलाम पत्र वादों को रूटीन कार्य प्रणाली में सम्मिलित करने का निर्देश दिया गया, ताकि इन मामलों में त्वरित प्रगति हो सके। रजिस्टर-09 एवं रजिस्टर-10 में प्रविष्ट सभी अभिलेखों को अद्यतन करते हुए प्राप्त आवेदनों से मिलान करना सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिया कि जिला अंतर्गत बड़े बकायेदारों की सूची तैयार कर उनके खिलाफ विधिसम्मत कार्रवाई प्राथमिकता के आधार पर की जाए। संबंधित बैंकों से समन्वय स्थापित करते हुए नोटिस तामिला, वारंट निर्गमन, आपत्ति निवारण, जब्ती/नीलामी की कार्रवाई आदि को गति देने को कहा गया। इसके साथ ही, प्रत्येक मामले की दैनिक आधार पर मॉनिटरिंग करने और प्रगति रिपोर्ट सप्ताह में एक बार नीलाम पत्र शाखा को उपलब्ध कराने का आदेश दिया गया। जिलाधिकारी ने चेतावनी दी कि जिन अधिकारियों द्वारा नीलाम पत्र वादों के निष्पादन में शिथिलता या उदासीनता पाई जाएगी, उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि कार्य निष्पादन के आधार पर व्यक्तिगत उत्तरदायित्व तय किया जाएगा। बैठक में उपस्थित विभिन्न बैंक प्रतिनिधियों को निर्देशित किया गया कि वे नीलाम पत्रों की प्रक्रिया में सक्रिय सहयोग करें, मामलों की अद्यतन जानकारी समय-समय पर प्रशासन को साझा करें और ऋण वसूली को लेकर ठोस दस्तावेजी साक्ष्य उपलब्ध कराएं,इस बैठक में श्री सच्चिदानंद सुमन झ प्रभारी अपर समाहर्ता, श्री संतन कुमार सिंह झ सदर अनुमंडल पदाधिकारी, श्री रितेश कुमार यादव झ प्रभारी पदाधिकारी, नीलाम पत्र शाखा, श्री अनुपम कुमार झ निदेशक, डीआरडीए, सुश्री बेबी प्रिया झ वरीय उप समाहर्ता, श्री कुमार पप्पू राज झ जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी, श्रम अधीक्षक, जिला स्तरीय विभिन्न विभागों के पदाधिकारी, बैंक ऑफ बड़ौदा, पंजाब नेशनल बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, मध्य बिहार ग्रामीण बैंक समेत विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि।

सत्येंद्र चौबे सुमन रचित गीत संग्रह बादल तो बरसेंगे ही एवं मुक्तक सुमन का लोकार्पण 12 जून को आयोजित किया जाएगा

रिपोर्ट– प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- प्रसिद्ध साहित्यिक संस्था हिंदी साहित्य भारती के तत्वावधान में डाल्टनगंज के नवकेतन रोड के समीप होटल निवार्णा रेड के सभागार में हिंदी साहित्य भारती पलामू के मार्गदर्शक एवं चर्चित कवि सत्येंद्र चौबे सुमन रचित गीत संग्रह बादल तो बरसेंगे ही एवं मुक्तक संग्रह मुक्तक सुमन का लोकार्पण समारोह 12 जून को किया जाएगा। इस आशय की जानकारी देते हुए हिंदी साहित्य भारती झारखंड के प्रांतीय महामंत्री राकेश कुमार ने बताया कि लोकार्पण समारोह के मुख्य अतिथि झारखंड विधानसभा के प्रथम अध्यक्ष माननीय इंदर सिंह नामधारी जी होंगे। जी एल ए कॉलेज मेदिनीनगर के पूर्व प्राध्यापक प्रोफेसर सुभाष चंद्र मिश्र की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम का संचालन प्रसिद्ध कवि एवं लेखक राकेश कुमार द्वारा किया जाएगा।वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में शिक्षाविद व समाजसेवी शंभूनाथ पांडेय,पलामू के ख्यात वक्ता डॉ राजेश्वर पांडेय, समकालीन जवाबदेही पत्रिका के प्रधान संपादक डॉ सुरेंद्र प्रसाद मिश्र,जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन औरंगाबाद के अध्यक्ष डॉ सिद्धेश्वर प्रसाद सिंह,गढ़वा के शिक्षाविद डॉ दिलीप कुमार चौबे,पलामू हिंदी साहित्य भारती के मार्गदर्शक श्रीधर प्रसाद द्विवेदी,औरंगाबाद के महोत्सव पुरुष सिद्धेश्वर विद्यार्थी,भूगोल शास्त्री डॉ रामाधार सिंह, पलामू के काष्ठ कलाविद् प्रेम प्रकाश भसीन,जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन औरंगाबाद के महामंत्री धनंजय जयपुरी, जिला हिंदी साहित्य औरंगाबाद के उपाध्यक्ष सुरेश विद्यार्थी,गढ़वा के शिक्षाविद धीरेंद्र चौबे की गरिमामई उपस्थित होगी। लोकार्पण समारोह में सरस्वती वंदना की जिम्मेवारी हिंदी साहित्य भारती पलामू के महामंत्री रामप्रवेश पंडित को दी गई है हिंदी साहित्य भारती के अध्यक्ष अनुज कुमार पाठक स्वागत उद्बोधन करेंगे,प्रखर वक्ता एवं प्रधानाध्यापक परशुराम तिवारी जी के द्वारा विषय प्रवेश किया जाएगा जबकि धन्यवाद ज्ञापन का निर्वहन रमेश कुमार सिंह द्वारा किया जाएगा।

मानवाधिकार के हस्तक्षेप से किराए दुकानदार और मालिक के बीच हुई समझौता

दिव्य दिनकर

भागलपुर (बिहार) मानवाधिकार की अध्यक्षता में मंदरोजा निवासी के दो पक्षों में इकरारनामा एवं समझौता मौखिक तौर पर हो गई है जोकि इस प्रकार है मंदरोजा मकान मालकिन मधु शर्मा पति मनीष शर्मा जिनके मकान में किराए के तौर पर सुशील शर्मा एवं उनकी पुत्री कोमल शर्मा एक छोटा सा दुकान 2023 ईस्वी में लिखित तौर पर 3 वर्ष के लिए लिया था मगर पिछले 6 महीना से दोनों पक्षों में आपसी विवाद चल रहा था दुकान खाली करने के लिए और धीरे-धीरे बात पत्राचार कोर्ट द्वारा की जाती थी एवं थाना से पुलिस आई थी पुलिस को भी शिकायत की जाती थी इस प्रकार से दोनों पक्ष बहुत ज्यादा परेशान हो गए थे दोनों पक्षों में शांति एवं भाईचारा बना रहे इसको लेकर सुशील कुमार शर्मा जी ने मानवाधिकार से गुहार लगाई कि हम लोगों की मदद करें मैं लड़ाई झगड़ा नहीं चाहता हूं मैं शांतिपूर्वक दुकान खाली कर दूंगा पिता पुत्री के गंभीर बातों को समझते हुए मानवाधिकार की अध्यक्षता में दोनों पक्षों को मनीष शर्मा के दुकान में बैठकर आपसी मौखिक समझौता कर दिया गया जिसमें सुशील कुमार शर्मा जी ने अपनी ओर से लिखित तौर पर 3 महीने के अंदर दुकान खाली कर मकान मालकिन को चाबी दे देंगे एवं किसी प्रकार का पुलिसिया या कानूनी कार्रवाई भी नहीं करेंगे जिस पर मुकेश शर्मा ने सहमति जाहिर की है और उन्होंने भी कहा है कि मैं भी लिखित तौर पर आपको दे दूंगा मानवाधिकार ने दोनों परिवारों के हितों को देखते हुए शांतिपूर्वक मौखिक समझौता कर दिया है जो आगे लिखित तौर मनीष शर्मा द्वारा भी कर ली जाएगी

संक्षिप्त समाचार

तेज रफ्तार हाईवा अनियंत्रित होकर दुकान में घुसी, बाल-बाल बचे लोग, ड्राइवर मौके से फरार

दिव्य दिनकर संवाददाता संग्रामपुर।

मंगलवार की सुबह करीब 3:00 बजे संग्रामपुर तारापुर मुख्य मार्ग रामपुर नहर मोड़ के समीप एक बड़ी सड़क दुर्घटना टल गई जब बालू से लदी एक हाईवा अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित एक दुकान में जा घुसी। हादसा इतना भीषण था कि टक्कर से दुकान का पिलर टूट गया और शटर भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। गनीमत रही कि उस समय दुकान बंद थी और कोई व्यक्ति वहां मौजूद नहीं था, जिससे बड़ी जनहानि टल गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, हाईवा (खल्र-15अख-1158) जमुई से बालू लादकर तारापुर की ओर जा रही थी। आशंका जताई जा रही है कि ड्राइवर को झपकी आ गई, जिसके कारण वाहन अनियंत्रित होकर सड़क से करीब 20 फीट दूर स्थित राहुल केसरी की दुकान में घुस गया। दुकान के पीछे ही उनका आवास है। टक्कर की आवाज इतनी तेज थी कि परिवार के लोग घबराकर बाहर निकले और देखा कि गाड़ी दुकान में धंसी हुई है। दुर्घटना के बाद ड्राइवर मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों के अनुसार, इस मार्ग से रोजाना दर्जनों बालू लदे भारी वाहन गुजरते हैं, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। प्रशासन द्वारा अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। इस संबंध में थाना अध्यक्ष विनोद कुमार झा ने बताया कि दुर्घटना की सूचना मिलते ही घटनास्थल पर एक चौकीदार की प्रतिनियुक्ति कर दी गई है। दोनों पक्षों को थाने बुलाया गया है और आगे की जांच की जा रही है।

रेलकर्मियों ने अपर महाप्रबंधक से मुलाकात कर अपनी समस्याओं से अवगत कराया

हाजीपुर –

आज दिनांक 10.06.2025 को मुख्यालय, हाजीपुर में 06 रेलकर्मी/उनके आश्रितों ने पूर्व मध्य रेल के अपर महाप्रबंधक श्री अमरेन्द्र कुमार से मुलाकात की तथा अपनी समस्याओं से उन्हें अवगत कराया । अपर महाप्रबंधक ने संबंधित विभागों को प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्यवाही करते हुए निर्धारित समय सीमा में केस निष्पादन के निर्देश दिए। विदित हो कि रेलकर्मियों की विभागीय समस्याओं के निष्पादन के उद्देश्य से महाप्रबंधक से मुलाकात हेतु प्रत्येक मंगलवार का दिन निर्धारित किया गया है। इसके लिए रेलकर्मी अपना नाम पूर्व में कार्मिक विभाग में पंजीकृत करवाकर मंगलवार को महाप्रबंधक से मुलाकात कर अपनी समस्याएं उनके सामने रख सकते हैं ।

भीखनपुर में चला रेलवे का बुलडोजर, गुमटी नंबर 1 से 2 तक अतिक्रमण मुक्त कराई गई जमीन

दिव्य दिनकर

भागलपुर के भीखनपुर इलाके में रेलवे ने बड़ी कार्रवाई करते हुए गुमटी नंबर 1 से लेकर गुमटी नंबर 2 तक अतिक्रमण को हटाया। वर्षों से रेलवे की जमीन पर अतिक्रमणकारियों ने कब्जा जमा रखा था। रेलवे की ओर से कई बार नोटिस जारी कर जमीन खाली करने का निर्देश दिया गया था लेकिन अतिक्रमणकारियों ने उसे नजरअंदाज कर रखा था। कई चेतावनियों और नोटिस के बावजूद जब जमीन खाली नहीं की गई तो मंगलवार को रेलवे प्रशासन ने बुलडोजर चलाकर अतिक्रमण को हटाया और जमीन को मुक्त कराया। इस कार्रवाई के दौरान बड़ी संख्या में पुलिस बल और रेलवे के अधिकारी मौजूद थे। रेलवे की इस कार्रवाई से आसपास के क्षेत्रों में हलचल मच गई। रेलवे अधिकारियों ने साफ किया है कि आगे भी जहां-जहां अतिक्रमण मिलेगा वहां इसी तरह की सख्त कार्रवाई की जाएगी

होम गार्ड की दक्षता परीक्षा मे पहुंचे सैकड़ों की संख्या अभ्यार्थी

दिव्य दिनकर

भागलपुर बिहार होमगार्ड भर्ती के अंतर्गत शारीरिक दक्षता परीक्षण का आयोजन किया जा रहा है। इस परीक्षा में भाग लेने के लिए दूर-दराज से बड़ी संख्या में अभ्यर्थी अपने परिजनों के साथ पहुँचे हैं लेकिन भीषण गर्मी और प्रशासनिक तैयारी में भारी अव्यवस्था देखने को मिल रही है अभ्यर्थियों और उनके साथ आए अभिभावकों ने नगर निगम और स्थानीय प्रशासन पर गरीब व्यवस्था का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार चल रहा है, लेकिन स्टेडियम परिसर या उसके आसपास पीने के साफ पानी की कोई समुचित व्यवस्था नहीं की गई है एक अभ्यर्थी ने नाराजगी जताते हुए कहा, ₹हम लोग दौड़ लगाकर थक जा रहे हैं, लेकिन पीने के लिए एक बूंद साफ पानी नहीं मिल रहा। मजबूरी में हम लोग चापाकल का गंदा पानी पी रहे हैं वहीं एक अभिभावक ने कहा, इतनी भीड़ और इतनी गर्मी में कम से कम पानी की व्यवस्था तो होनी चाहिए थी। ये स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ है।स्थानीय लोगों का भी कहना है कि इस तरह के बड़े आयोजनों के दौरान प्रशासन को न्यूनतम सुविधाएं सुनिश्चित करनी चाहिए। कहीं भी प्राथमिक चिकित्सा शिविर, शौचालय या ठंडा पानी उपलब्ध नहीं है, जिससे परीक्षार्थियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस गंभीर मुद्दे पर क्या कदम उठाता है और क्या आगे के दिनों में ऐसी लापरवाहियों पर रोक लगाई जाएगी या फिर हर बार अभ्यर्थियों को ऐसे ही कठिन परिस्थितियों से गुजरना पड़ेगा।

तिलका मांझी भागलपुर विश्वविद्यालय के गेट पर छात्र-छात्रा के बीच हाई वोल्टेज ड्रामा, एडमिट कार्ड फाड़ने का आरोप, पुलिस ने युवक को लिया हिरासत में

दिव्य दिनकर

भागलपुर तिलका मांझी विश्वविद्यालय के मुख्य गेट पर उस समय अफरा-तफरी मच गई जब एक छात्र और छात्रा के बीच विवाद ने हंगामे का रूप ले लिया मौके पर छात्रों की भीड़ जमा हो गई और देखते ही देखते मामला हाई वोल्टेज ड्रामा में तब्दील हो गया सूचना मिलते ही 112 पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और आरोपी युवक को हिरासत में ले लिया घटना के संबंध में छात्रा ने बताया कि वह सिटी कॉलेज से परीक्षा देकर बाहर निकल रही थी, तभी एक युवक ने उसका एडमिट कार्ड जबरन छीनकर फाड़ दिया छात्रा ने आरोप लगाया कि युवक जानबूझकर उसे अपमानित करने की कोशिश कर रहा था वहीं आरोपी युवक ने अपनी सफाई में कहा कि उसने विश्वविद्यालय परिसर में अपनी बाइक पार्क की थी इसी दौरान एक अन्य युवक, जिसके पीछे यह छात्रा बैठी थी, ने उसकी गाड़ी में टक्कर मार दी, जिससे उसकी बाइक क्षतिग्रस्त हो गई जब उसने क्षतिपूर्ति की मांग को लेकर पीछा किया,तो बाइक चला रहा युवक भाग गया और छात्रा वहीं रह गई युवक का दावा है कि जब वह छात्रा से बात करने की कोशिश कर रहा था, उसी दौरान छात्रा के हाथ में पकड़ा प्लास्टिक बैग फट गया, जिसमें रखा उसका एडमिट कार्ड भी फट गया हालांकि प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच काफी देर तक कहासुनी और धक्का-मुक्की होती रही इसके बाद लोगों ने 112 पुलिस टीम को सूचना दी गई फिलहाल पुलिस मामले की जांच के लिए लड़के को हिरासत में लेकर थाने ले जाया गया लेकिन भीड़ ने छात्रा को भगा दिया था

अनुग्रह नारायण रोड स्टेशन का दर्जा ए ग्रेड का लेकिन वंदे भारत सी ग्रेड स्टेशन पर रुकेगी

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला मुख्यालय के महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशन अनुग्रह नारायण रोड गया से दीनदयाल उपाध्याय रेलवे स्टेशन ग्रैंड कार्ड रेल लाइन का ए ग्रेड का रेलवे स्टेशन है जहां इस रूट पर चलने वाली प्रमुख मेल एक्सप्रेस का ठहराव है। इस रूट पर वंदे भारत एक्सप्रेस भी चलती है हाल फिलहाल में गया से अयोध्या के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस चलने की योजना प्रायोजित है lलेकिन गया से चलने वाली वंदे भारत का ठहराव ए ग्रेड रेलवे स्टेशन अनुग्रह नारायण रोड पर न होकर सी ग्रेड का रेलवे स्टेशन रफीगंज में किया गया है lजो कहीं से भी तर्कसंगत नहीं है lऔरंगाबाद जिला का मुख्यालय का प्रमुख रेलवे स्टेशन अनुग्रह नारायण रोड है जहां से विश्व प्रसिद्ध सूर्य मंदिर देव की दूरी 30 किलोमीटर,शैव परंपरा का प्रसिद्ध तीर्थ स्थल देवकुंड धाम की दूरी 50 किलोमीटर,प्रसिद्ध शक्तिपीठ उमंगेश्वरी धाम 38 किलोमीटर,विष्णु धाम एवं प्रथम पिंड स्थल पुनपुन तीर्थ 2 किलोमीटर सहित जिले के प्रमुख पर्यटक एवं तीर्थ स्थल का जुड़ाव इस स्टेशन स्टेशन से सड़क एवं रेल मार्ग से काफी सुलभ एवं सहज है lचाहे वह गजना धाम हो, सत्यचंडी धाम हो या अन्य प्रसिद्ध तीर्थ स्थल lयहां से राष्ट्रीय राजमार्ग 139 आधी किलोमीटर पर है। राष्ट्रीय राजमार्ग 119 छः किलोमीटर पर है lइतना महत्वपूर्ण अहर्ता रखने वाले स्टेशन पर वंदे भारत का ठहराव नहीं होना कहीं से भी जायज नहीं लगता। राजस्व के मामले में भी इस स्टेशन का एक महत्वपूर्ण योगदान है lजम्होर विकास मंच के संयोजक सुरेश विद्यार्थी,अध्यक्ष सुजीत कुमार सिंह ऊर्फ पीकू,सचिव राणा सुनील सिंह,सदस्य राहुल कुमार पवन कुमार सिंह सहित अन्य ग्रामीणों ने प्रेस ब्यान जारी कर भारत सरकार एवं रेल मंत्री से मांग किया है कि यथाशीघ्र अति महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशन अनुग्रह नारायण रोड पर वंदे भारत का ठहराव कराया जाए।

हस्ताक्षर अभियान को सफल बनाने के लिए जनस्वराज की बैठक

दिव्य दिनकर संवाददाता संग्रामपुर।

जनसुराज पार्टी की प्रखंड स्तरीय कार्यसमिति की समीक्षा बैठक बढ़ौनियाँ पंचायत के मुखिया और प्रदेश कार्यसमिति सदस्य वीर कुंवर के आवास पर संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार ने की lबैठक में संग्रामपुर प्रखंड कमेटी के सभी सदस्य मौजूद रहे। टेटियाबंबर प्रखंड अध्यक्ष नीरज कुमार, अनुमंडल किसान अध्यक्ष इंद्रदेव प्रसाद सिंह, प्रभारी रमन कुमार रंजन, महिला अध्यक्ष रोजी राजपूत, युवा अनुमंडल अध्यक्ष चंदन झा सहित दर्जनों कार्यकर्ता शामिल हुए। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में युवा जिला अध्यक्ष राकेश गोप और विशिष्ट अतिथि महिला जिला अध्यक्ष कविता देवी रहीं। बैठक में संगठन को मजबूत करने और पार्टी के आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा हुई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि तारापुर सह खड़गपुर अनुमंडल के सभी पदाधिकारियों की बैठक गुरुवार को तारापुर में होगी। इस बैठक का उद्देश्य पूरे अनुमंडल में हस्ताक्षर अभियान को सफल बनाना है।

भाजपा कार्यालय गोह में बूथ सशक्तिकरण एवं कार्यशाला का आयोजन

मंडल अध्यक्ष उमेश प्रसाद की अध्यक्षता में हुआ कार्यक्रम

रिपोर्ट- अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह (औरंगाबाद)भारतीय जनता पार्टी के गोह मंडल कार्यालय में मंगलवार को बूथ सशक्तिकरण एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष उमेश प्रसाद ने की। कार्यशाला का उद्देश्य संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करना और बूथ स्तर पर पार्टी की पकड़ को और प्रभावी बनाना रहा। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि भाजपा जिला उपाध्यक्ष दीपक उपाध्याय उपस्थित रहे। उनके साथ भूतपूर्व जिला मंत्री भोला यादव, मोनू उपाध्याय, मोहर लाल मिश्रा, धीरज सिंह, सचिन चंद्रवंशी, प्रमोद सिंह, विनोद चंद्रवंशी, नागा चंद्रवंशी, सावित्री देवी, सोनी देवी, नंदू पासवान, संतोष सिंह, धनंजय शर्मा, अशोक शर्मा सहित कई वरिष्ठ कार्यकर्ता और मंडल स्तर के पदाधिकारी मौजूद थे। कार्यशाला में वक्ताओं ने आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए बूथ स्तर पर संगठन की मजबूती, मतदाता सूची के पुनरीक्षण, लाभार्थी संपर्क अभियान और केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की। पंचायत स्तर के प्रभारी एवं मंडल के सभी सक्रिय कार्यकताओं ने भी अपने सुझाव रखे। मंडल अध्यक्ष उमेश प्रसाद ने कहा कि ₹बूथ जीता, चुनाव जीता₹ का मंत्र ही भाजपा की सफलता की कुंजी है। हमें हर बूथ को इतना सशक्त बनाना है कि किसी भी परिस्थिति में वहां भाजपा का परचम लहराए। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान और सभी कार्यकताओं के उत्साहवर्धन के साथ हुआ। इस अवसर पर स्थानीय मीडिया और कार्यकताओं की भारी उपस्थिति रही, जिससे यह कार्यशाला पूरी तरह सफल और प्रेरणादायक सिद्ध हुई।

दो दिवसीय श्री राम छावनी महोत्सव आयोजित करने का लिया गया निर्णय

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले के दो दिवसीय श्री राम छावनी महोत्सव आयोजित करने का लिया गया निर्णय। बताते चलें कि देव प्रखंड के ढिबरा थाना अन्तर्गत बालुगंज के निकट ब्रेंडा गांव में महोत्सव को कैलेण्डर में शामिल करते हुए आयोजन हेतु 25 लाख आवंटन उपलब्ध कराने हेतु पर्यटन विभाग से मांग । उक्त मांग श्रीराम छावनी महोत्सव आयोजन समिति की आज हुई बैठक में किया गया। बैठक समिति के अध्यक्ष दिलीप कुमार सिंह की अध्यक्षता में श्रीराम छावनी मंदिर परिसर में संपन्न हुई । महोत्सव पुरुष सिद्धेश्वर विद्यार्थी ने बताया कि उक्त स्थल देव प्रखंड के ढिबरा थाना अन्तर्गत बालुगंज के निकट ब्रेंडा गांव में अवस्थित है । इस स्थल से विहार, झारखंड, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं उत्तर प्रदेश के लाखो लोगो की आस्था जुड़ा हुआ महत्वपूर्ण जगह है । यहां सालों भर यहां पर्यटक आते हैं परन्तु सुविधाएं नहीं होने से उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है । साथ ही इसकी महत्ता के अनुरूप प्रचार प्रसार नहीं हो पाया है lइसलिए उक्त स्थल का अपेक्षित विकास कराने एवं इसका हाईलाइट कराने हेतु श्रीराम सीता के विवाह तिथि को आधार बनाते हुए 28 एवं 29 नवंबर को दो दिवसीय महोत्सव आयोजित करने का निर्णय लिया गया है । इसके तहत इस स्थल को देश दुनिया में प्रचारित प्रसारित करने का कार्य किया जाएगा। साथ ही इस स्थल को पर्यटन स्थल की मान्यता दिलाने का प्रयास किया जाएगा । इसके अलावे स्थानीय कलाकारों,

छात्र छात्राओं को मंच उपलब्ध कराकर प्रतिभा निखारने का अवसर प्रदान किया जाएगा । कार्यक्रम की रुपरेखा अगली बैठक में तय किया जाएगा। अन्य प्रस्ताव के जरिए उक्त महोत्सव को पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित महोत्सव के कैलेंडर में शामिल करने तथा महोत्सव आयोजन हेतु 25 लाख का आवंटन आवंटित करने की मांग पर्यटन विभाग से किया गया। बैठक मे मुख्य अतिथि के रूप में सत्यचंडी महोत्सव उपाध्यक्ष अरुण कुमार सिंह, संरक्षक रामस्वरूप प्रसाद, बृजमोहन प्रसाद,सचिव बसंत सिंह, संजीव सिंह उर्फ चिंटू सिंह,सुर्य देव यादव, भगत प्रजापति, सुरेश सिंह, सीता राम यादव, सुबोध वैद्य आदि लोग मौजूद थे।

मैं शैलेश कुमार हूं! चुनाव के लिए दल या संगठन मेरे लिए कोई मायने नहीं - पूर्व मंत्री

समर्थकों का दावा - पूर्व मंत्री द्वारा जनसंपर्क अभियान में 40 हजार रुपए प्रतिदिन किए जा रहे खर्च

जमालपुर।

आगामी विधानसभा चुनाव को साधने के लिए हर पार्टी और हर नेता की ओर से अपनी चुनावी जमीन तैयार करने के लिए जोर आजमाईश की जा रही है। एक तरफ कुछ नए नेता क्षेत्र में आम मतदाताओं के बीच अपनी पहचान बनाने की जगत में लगातार कैंपेन चला रहे हैं तो वहीं कुछ पुराने धुरंधर नेता अपनी कोई जमीन वापस पाने के लिए जद्दोजहद कर रहे हैं। तो कुछ ऐसे नेता है जो अपनी सीट बचाए रखने के लिए जनता के बीच पहुंचकर उनके समस्याओं से रूबरू होने का प्रयास करते हैं। मतदाता मलिक सभी नेताओं की चिकनी चुपड़ी दलीलों को सुनकर उन्हें सपोर्ट करने का भरोसा तो दिलाता है लेकिन चुनावी दंगल में ये मतदाता मलिक किस अपना बहुमूल्य वोट देकर सदन में पहुंच आती है यह तो वक्त आने के बाद ही पता चलेगा। लेकिन जब कोई नेता खुद को पार्टी या संगठन से भी ऊपर मानने लगे, तो इससे यही प्रतीत होता है या तो उक्त नेता का कद किसी भी राजनीतिक पार्टी या सामाजिक संगठन से बड़ा हो चुका है या फिर उक्त नेता के समर्थकों के द्वारा

उन्हें दिवा स्वप्न दिखाकर चुनाव से पहले ही दिग्भ्रमित किया जा रहा है। बात जमालपुर विधानसभा क्षेत्र की करें तो मंगलवार शाम चुनाव पूर्व जनसंपर्क अभियान के तहत हलीमपुर गांव पहुंचे पूर्व ग्रामीण कार्य मंत्री सह जमालपुर विधानसभा क्षेत्र से पूर्व विधायक शैलेश कुमार ने सीधे-सीधे खुद को एक ब्रांड करार दिया है। शैलेश कुमार ने आम जनता के पीछे सवालों का जवाब देते हुए कहा कि मैं शैलेश कुमार हूं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि मैं किस दल में हूं या किसी संगठन में हूं। आपको किसी दल या संगठन से मतलब नहीं रखने की आवश्यकता है आपको सिर्फ शैलेश कुमार से मतलब रखने की जरूरत है।

पूर्व मंत्री के दावों पर पार्टी जिला अध्यक्ष ने किया पलट-वार

पूर्व मंत्री शैलेश कुमार के द्वारा आम जनता के बीच पार्टी को दरकिनार कर स्वयं को पार्टी पार्टी संगठन से बड़ा बताए जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए जनता दल यूनाइटेड के मुंगेर जिला अध्यक्ष नचिकेता मंडल ने सीधे-सीधे पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि शैलेश कुमार के द्वारा इस तरह जनसंपर्क के दौरान कही गई बातों से लगता है कि शैलेश कुमार का जदयू पार्टी पर से विश्वास उठ गया है। शैलेश कुमार अपना दूसरा रास्ता तैयार कर रहे हैं। समर्थकों का दावा है कि पूर्व मंत्री को पार्टी की ओर से मिल चुकी है हरी झंडी बिहार के पूर्व ग्रामीण कार्य मंत्री शैलेश कुमार के समर्थकों की ओर से दावा किया जा रहा है कि पार्टी के द्वारा शैलेश कुमार को आगामी विधानसभा चुनाव के लिए हरी झंडी मिल चुकी है। पार्टी के निर्देश पर ही उनके द्वारा क्षेत्र में लगातार जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है। इस जनसंपर्क अभियान में पूर्व मंत्री के द्वारा 40 हजार रुपए प्रतिदिन के हिसाब से खर्च किए जा रहे हैं। किसी अन्य पार्टी के नेता के द्वारा रोजाना इतना खर्च वहन कर पाना असंभव है।

नीट पास छात्र ने फंदे से झूलकर दी जान, एम्स में नामांकन नहीं होने से था अवसादग्रस्त

दिव्य दिनकर

भागलपुर. मोजाहिदपुर थाना क्षेत्र में सिकंदरपुर अहमद अली लेन में नीट पास एक छात्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. मृतक की पहचान अंश उर्फ तनिष्क कुमार(18) के रूप में हुई है. वह रेलकर्मी अमित रंजन का पुत्र था, जिनकी पोस्टिंग जमालपुर में है. घटना के वक्त अंश घर में अकेला था बताया गया कि मां और चाचा बाजार में सब्जी लेने गए थे. जब वे लोग वापस लौटे, तो घर के एक कमरे का दरवाजा बाहर से बंद मिला. काफी आवाज देने के बावजूद जब अंदर से कोई जवाब नहीं मिला, तो उसकी मां ने दरवाजा खोला. अंदर जाकर देखा तो अंश फंदे से झूल रहा था परिजन तत्काल उसे नीचे उतार कर जेएलएनएमसीएच मायागंज ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया. इसके बाद वे शव को लेकर घर की ओर रवाना हो गए. शव घर नहीं पहुंच पाया था. इस बीच मोजाहिदपुर थाना की पुलिस घर पर पहुंची और आसपास के लोगों से घटना की जानकारी ली स्थानीय लोगों और पड़ोसियों ने बताया कि अंश पढ़ाई में मेधावी था और उसने नीट की परीक्षा पास की थी. हालांकि रैंक अपेक्षाकृत कम रहने के कारण उसका नामांकन एम्स जैसे संस्थानों में नहीं हो सका. इसी बात को लेकर वह बीते कुछ समय से अवसाद में रहता था. उसने खुद को सबसे अलग-थलग कर लिया था और किसी से बातचीत नहीं करता था पुलिस ने घटनास्थल की जांच कर रही है. परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. मोजाहिदपुर थाना की पुलिस मामले की जांच कर रही है'

सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा एसडीओ ने की प्रगति की जांच

दिव्य दिनकर संवाददाता तारापुर।

तारापुर अनुमंडल क्षेत्र में सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन के अपडेट को लेकर अनुमंडल पदाधिकारी राकेश रंजन कुमार ने कार्यालय कक्ष में सभी संबंधित विभाग के अधिकारी एवं अभियंताओं के साथ कार्यों की समीक्षा किया। उन्होंने बताया कि समीक्षा में यह देखा गया कि विभागीय लक्ष्य के विरुद्ध स्थानीय स्तर पर कितना प्रतिशत कार्य कराया जा चुका है। उन्होंने कहा की समीक्षा के क्रम में दो विभाग के कार्यों में समस्या देखी गई है। पीएचईडी विभाग में जलापूर्ति को लेकर शिकायतें मिल रही है। नल से जल आपूर्ति में स्थानीय लोग के द्वारा मोटर लगाने की शिकायत अभी मिल रही है । इस पर गंभीरता से चर्चा किया गया। सर्वे के कार्य में भ्रष्टाचार की शिकायत बहुत ज्यादा मिल रही है। उसमें कड़ी हिदायत दी गई है। पकड़े जाने पर उनके विरुद्ध विभागीय कार्रवाई के साथ-साथ सीआरपीसी के तहत कार्रवाई किया जाएगा। प्रधानमंत्री आवास योजना के दूसरे किस्त का भुगतान किया जा रहा है। एसबीएम में पेमेंट विभाग के द्वारा रुका हुआ है। पूर्व में बने आवास में लगभग भुगतान किया जा चुका है। सामाजिक सुरक्षा की योजना में किसी प्रकार की शिकायत नहीं मिली । अनुमंडल के तीनों अंचल का परफॉर्मेंस राज्य स्तरीय रैंकिंग में अच्छा है । यह हिदायत दिया गया है कि प्राइवेट स्तर पर किसी कर्मी का सहयोग अगर अंचल में लिया जाता है तो उन पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। आरसीडी, जीविका के कार्य भी संतोषजनक थे । सभी विभाग के सक्सेस स्टोरी को भी जाने का प्रयास किया गया। विभाग के रिव्यु के पॉइंट पर रिव्यू किया गया, दो विभाग को छोड़कर शेष के कार्य संतोषजनक पाए गए।

नवगछिया पुलिस को बड़ी कामयाबी, 25 हजार का इनामी कुख्यात अपराधी बिट्टू यादव गिरफ्तार

दिव्य दिनकर विवेक कुमार

भागलपुर नवगछिया पुलिस को बड़ी सफलता मिली है हत्या अपहरण और आर्म्स एक्ट जैसे गंभीर मामलों में वांछित और 25 हजार रुपये का इनामी कुख्यात अपराधी बिट्टू यादव को गिरफ्तार कर लिया गया है आरोपी पर करीब आधा दर्जन संगीन मामले दर्ज हैं और वह लंबे समय से फरार चल रहा था

गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस की टीम ने मधुरापुर जहान घाट के पास से बिट्टू यादव को दबोचा गिरफ्तारी के वक्त उसके पास से देशी पिस्तौल दो जिंदा कारतूस एक मोटरसाइकिल और एक मोबाइल फोन बरामद किया गया बिट्टू यादव की गिरफ्तारी नवगछिया पुलिस के लिए एक बड़ी कामयाबी मानी जा रही है उसकी गिरफ्तारी के लिए नवगछिया पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर विशेष टीम गठित की गई थी जो लगातार विभिन्न ठिकानों पर छापेमारी कर रही थी lपुलिस रिकॉर्ड के अनुसार बिट्टू यादव पर नवगछिया, पसराहा , बखरी, नारायणपुर और भवानीपुर थानों में हत्या, अपहरण, गोलीबारी, आर्म्स एक्ट और बिहार मद्य निषेध कानून के तहत कई मामले दर्ज हैं'

ऑपरेशन सिंदूर : संसद से क्यों भाग रही है मोदी सरकार!

विचार

> विशेष सत्र की मांग खारिज कर सामान्य संसदीय सत्र को आगे किए जाने का ठीक यही अर्थ है। इस तिकड़म के जरिए, न सिर्फ इस चर्चा के तत्काल आवश्यक होने को नकार दिया गया है, इसके सहारे इसे सामान्य संसदीय सत्र के अनेक अन्य मुद्दों में से एक बनाकर, मामूली बनाने की ही कोशिश की जाएगी। इस खेल को मणिपुर के घटनाक्रम पर संसद में बहस का जो हश्र हुआ था, उसके उदाहरण से समझा जा सकता है। केंद्रित बहस के बजाय, ज्यादा से ज्यादा एक सामान्य विस्तृत बहस की इजाजत दी जाएगी और हैरानी की बात नहीं होगी कि उसे भी खींच-खींचकर सत्र के अंत पर धकेल दिया जाए, जिससे सत्र का समापन इस विषय पर प्रधानमंत्री मोदी के लफ्फाजी भरे भाषण के साथ कराया जा सके।

राजेंद्र शर्मा

मोदी निजाम और उसके अंतर्गत संसद के अब तक के आचरण को देखते हुए, यह अनुमान लगाना मुश्किल नहीं है कि सरकार ने अपनी तरफ से तो, पहलगाम की घटना और उसके बाद के घटनाक्रम पर फोकस्ड या विशेष रूप से केंद्रित बहस का रास्ता रोकने का मन बना लिया है। विशेष सत्र की मांग खारिज कर, सामान्य संसदीय सत्र को आगे किए जाने का, ठीक यही अर्थ है। आखिरकार, मोदी सरकार ने पहलगाम के आतंकवादी हमले और उसके बाद, 'आपरेशन सिंदूर' समेत पूरे घटनाक्रम पर संसद में अलग से चर्चा कराए जाने की मांग को खारिज कर दिया है। बेशक, मोदी सरकार ने सीधे-सीधे इस मांग को नहीं ठुकराया है। सच तो यह है कि आधिकारिक रूप से तो उसने इस समूचे घटनाक्रम पर संसद का विशेष सत्र बुलाए जाने की विपक्ष की लगभग पूरी तरह से एकजुट मांग को दर्ज तक करना जरूरी नहीं समझा है, तब इस मांग को स्वीकार किए जाने का तो सवाल ही कहां उठता था। मोदीशाही ने संसद के विशेष सत्र की मांग को ठुकराया है, संसद के आगामी मानसून सत्र की तारीखों की समय से पहले घोषणा करने के जरिए। सरकार के फैसले के अनुसार, संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से होने जा रहा है। कहने की जरूरत नहीं है कि संसद के विशेष सत्र तथा पूरे घटनाक्रम पर संसद में बहस की बढ़ती मांगों की ही काट करने के लिए, अभी से अगले सामान्य सत्र की तारीखों की घोषणा कर दी गयी है। प्रस्तावित सत्र से डेढ़ महीने से भी ज्यादा पहले, 4 जून को इन तारीखों के ऐलान से इसमें किसी शक की गुंजाइश नहीं रह जाती है कि संसद के विशेष सत्र की मांगों को खारिज करने के लिए ही, इतने पहले से प्रस्ताविक सामान्य सत्र की तारीखों का ऐलान किया गया है। सामान्यतः सत्र के शुरू होने की तारीख के ज्यादा से ज्यादा दो-तीन सप्ताह पहले ही, आगामी सत्र की तारीखों की घोषणा की जाती रही है। मोदी निजाम और उसके अंतर्गत संसद के अब तक के आचरण को देखते हुए, यह अनुमान लगाना मुश्किल नहीं है कि सरकार ने अपनी तरफ से तो, पहलगाम की घटना और उसके बाद के घटनाक्रम पर फोकस्ड या विशेष रूप से केंद्रित बहस का रास्ता रोकने का मन बना लिया है। विशेष सत्र की मांग खारिज कर, सामान्य संसदीय सत्र को आगे किए जाने का, ठीक यही अर्थ है। इस तिकड़म के जरिए, न सिर्फ इस चर्चा के तत्काल आवश्यक होने को नकार दिया गया है, इसके सहारे इसे सामान्य संसदीय सत्र के अनेक अन्य मुद्दों में से एक बनाकर, मामूली बनाने की ही कोशिश की जाएगी। इस खेल को मणिपुर के घटनाक्रम पर संसद में बहस का जो हश्र हुआ था, उसके उदाहरण से समझा जा सकता है। केंद्रित बहस के बजाय, ज्यादा से ज्यादा एक सामान्य विस्तृत बहस की इजाजत दी जाएगी और हैरानी की बात नहीं होगी कि उसे भी खींच-खींचकर सत्र के अंत पर धकेल दिया जाए, जिससे सत्र का समापन इस विषय पर प्रधानमंत्री मोदी के लफ्फाजी भरे भाषण के साथ कराया जा सके। जिस तरह मणिपुर के मामले में संसद के किसी भी हस्तक्षेप का विफल होना सुनिश्चित किया गया था और यहां तक केंद्र सरकार ने मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगाने का फैसला लिया भी तो, उक्त बहस से लंबे अंतराल के बाद, राष्ट्रधारी पार्टी के अपने ही तकाजों से इसका फैसला लिया था। उसी प्रकार, पहलगाम और उसके बाद के घटनाक्रम पर, किसी भी जवाबदेही से सरकार को बचाने की ही कोशिश की जा रही होगी। ऐसा किसलिए किया जा रहा है, यह जानना मुश्किल नहीं है। इसके पीछे औपचारिक रूप से तो कोई तर्क ही नहीं है क्योंकि जैसा कि हमने पहले ही कहा, सरकार ने विशेष सत्र बुलाने की मांग को सुना-अनसुना ही कर दिया है। बहरहाल, अनौपचारिक रूप से इसके पीछे जो तर्क काम कर रहा है, उसकी झलक हमें मोदीशाही की ट्रोल सेना से लेकर सत्ताधारी पार्टी के प्रवक्ताओं तक के अलग-अलग बयानों में दिखाई दे जाती है। इस तर्क का सार यही है कि विपक्ष को और जाहिर है कि उसके माध्यम से आम जनता को, सरकार द्वारा जो कुछ कहा-बताया गया है, उसके अलावा कुछ भी जानने की जरूरत ही क्या है? इसी तर्क का विस्तार है कि संसद में विपक्ष के नेता, राहुल गांधी द्वारा साढ़े तीन दिन के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय पक्ष को हुए नुकसान के बारे में सवाल पूछे जाने पर, इस तरह के सवालों को 'पाकिस्तान की आवाज' करार देकर, दबाए जाने की ही कोशिशें की गयी हैं। और शस्त्रविराम के पूरे महीने भर बाद भी आधिकारिक रूप से इस सैन्य कार्रवाई में भारतीय पक्ष के नुकसान की, खासतौर पर विमानों के नुकसान की, कोई जानकारी देना ही जरूरी नहीं समझा गया है। हद से हद उच्च सैन्य अधिकारियों की ओर से गोल-मोल तरीके से यह स्वीकार किया गया है कि, 'लड़ाई में नुकसान तो होता ही है'। जाहिर है कि इसके लिए प्रधानमंत्री मोदी का यह ऐलान एक आसान बहाना बन गया है कि 'आपरेशन सिंदूर खत्म नहीं हुआ है, सिर्फ पॉज हुआ है।' शस्त्रविराम के बाद भी लड़ाई जारी रहने की यह मुद्रा, किसी भी वास्तविक जवाबदेही के तकाजों के खिलाफ एक बड़ी ढाल बन जाती है। कहने की जरूरत नहीं है कि पहलगाम से लेकर ऑपरेशन सिंदूर तक, सरकार से जवाब लिए जाने के लिए थोड़ा नहीं, बहुत कुछ है। बेशक, पहलगाम की दरिंदगी के डेढ़ महीने से ज्यादा गुजर जाने के बाद भी ये सवाल अनुत्तरित ही बने हुए हैं कि इस घटना के पीछे की सुरक्षा चूक के लिए कौन जिम्मेदार था और इस हत्याकांड को अंजाम देने वाले आतंकवादी, कहां से आए थे और कहां गायब हो गए? लेकिन, पहलगाम की घटना से, उसकी जिम्मेदारी से संबंधित सवाल ही नहीं हैं, जो अनुत्तरित बने हुए हैं। इस घटना के बाद से मोदी सरकार की जो प्रतिक्रिया सामने आई है और खासतौर पर 'आपरेशन सिंदूर' के नाम से जो सैन्य प्रतिक्रिया सामने आई है, उसे लेकर भी कोई कम सवाल नहीं हैं। इसमें, जिस प्रकार शस्त्र विराम हुआ है उससे जुड़े और खासतौर पर शस्त्रविराम कराने में अमरीकी प्रशासन की भूमिका से जुड़े सवाल भी शामिल हैं। हम इसकी ओर से आंखें नहीं मूंद सकते हैं कि अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप ने अब तक एक दर्जन बार इसका दावा किया है कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम कराया है, नाभिकीय टकराव के खतरे को टालने के लिए युद्ध विराम कराया है और व्यापार का लालच/धमकी देकर युद्ध विराम कराया है। और प्रधानमंत्री मोदी ने इन दावों पर चुप्पी ही साधी हुई है। और कुछ हो न हो, 'आपरेशन सिंदूर' के जरिए आतंकवाद के समर्थन के लिए पाकिस्तान को सजा देने के चक्कर में, भारत-पाकिस्तान के बीच के झगड़े में, अमेरिका के रूप में ताकतवर तीसरे पक्ष को ले आया गया है। इसने इसे भारत के लिए एक प्रकार से खुद अपने ही पाले में गोल करने का मामला बना दिया है। लेकिन, सवाल सिर्फ तीसरे पक्ष को बीच में ले आए जाने का ही नहीं है। आतंकवादियों की कार्रवाई के जवाब के तौर पर इस तरह की सैन्य कार्रवाई का चुनाव भी, बड़े सवालों के घेरे में है। इस तरह के विकल्प को ही प्रधानमंत्री मोदी का 'नया नॉर्मल' घोषित करना तो और भी बड़े सवालों के घेरे में है। बेशक, भारत की ओर से शुरूआत में टकराव को सीमित रखने की और प्रहार को आतंकवादी ठिकानों पर सीमित रखने की कोशिश की गयी थी। विदेश मंत्री के अनुसार, इस संबंध में शुरूआत में ही पाकिस्तान को सूचित भी कर दिया गया था, जिससे वह जवाबी सैन्य कार्रवाई से दूर रहे। लेकिन, यह सब जिस पूर्वानुमान पर आधारित था कि पाकिस्तान अपनी सीमाओं में घुसकर सैन्य कार्रवाई किए जाने को बिना सैन्य जवाब के स्वीकार कर लेगा, न सिर्फ गलत साबित हुआ बल्कि उसे तो गलत साबित होना ही था। इस गलत पूर्वानुमान के आधार पर सैन्य विकल्प का चुनाव किया गया, जो वस्तुगत रूप से बहुत महंगा साबित होने के अर्थ में उल्टा ही पड़ा है। एक ओर इन तमाम प्रश्नों पर देश की संसद का मुंह पहलगाम की घटना के पूरे तीन महीने बाद तक बंद ही रखने का इंतजाम कर दिया गया है और दूसरी ओर प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सत्ताधारी संघ-भाजपा ने, 'आपरेशन सिंदूर' को राजनीतिक/चुनावी रूप से भुनाने की जबर्दस्त मुहिम छेड़ रखी है। यह मुहिम बेशक, बिहार के आने वाले विधानसभाई चुनाव पर केंद्रित है, जो इसी साल और कुछ ही महीनों में होने जा रहा है। लेकिन, यह मुहिम पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल आदि के चुनाव के लिए भी, है जो अगले साल के शुरू के महीनों में होने हैं। इसी के लिए, लड़ाई रुकने के महीने भर बाद भी, 'रगों में सिंदूर दौड़ता है' की लफ्फाजी के जरिए, युद्धोन्माद बनाए रखा जा रहा है। संसद को पंगु बनाकर, इस तरह की मुहिम का चलाया जाना, बेशक मोदीशाही के तानाशाहाना मिजाज की ही गवाही देता है। इसे देखते हुए, हैरानी की बात नहीं है कि शेष दुनिया आज, आतंकवाद का शिकार होने के बावजूद, भारत के साथ खड़े होने से कतरा रही है। धर्मनिरपेक्षता और जनतंत्र, देश के अंदर दोनों को दफ्न करने पर तुली मोदीशाही की नीयत पर, बाहरी मामलों में भी कोई भरोसा करेगा भी तो कैसे?

(लेखक साप्ताहिक पत्रिका लोक लहर के संपादक हैं।)

संपादकीय

घटना ने झकझोर दिया

भारत में विवाह एक पवित्र बंधन है, जिसमें जीवन भर के रिश्ते की बुनियाद पड़ती है। एक विश्वास के साथ युगल अपने नए जीवन की यात्रा आरंभ करता है। पति और पत्नी दोनों को भरोसा होता है कि जब भी वे मुश्किल डगर पर होंगे, तो एक-दूसरे को संभाल लेंगे। इंदौर के राजा रघुवंशी शादी के एक हफ्ते बाद अपनी मधुर स्मृतियों को सहेजने के लिए पत्नी के साथ जब मेघालय गए होंगे, तब उन्हें पता नहीं होगा कि वे कभी लौट कर घर नहीं आएंगे और उनका हनीमून एक भयावह घटना में बदल जाएगा। शिलांग में पर्यटन के दौरान यह नवयुगल लापता हो गया था। इसके बाद एक खाई में राजा का शव मिला। तब से उनकी पत्नी सोनम गायब थी। पुलिस उसे ढूंढ़ती रही। सात दिन बाद पता चला कि वह गाजीपुर में है। इसके बाद देश को झकझोर देने वाली इस घटना से पर्दा उठ गया। पुलिस का दावा है कि सोनम ने ही पति की हत्या भाड़े के हत्यारों से कराई है। उसने आत्मसमर्पण जरूर कर दिया है, लेकिन सवाल उठता है कि अगर उसे आपत्ति थी, तो उसने यह शादी ही क्यों की ?पिछले एक अरसे में नवदंपतियों के बीच बढ़ते अविश्वास और मतभेद के कारण कलह, मारपीट और तलाक के मामले बढ़े हैं। जीवन भर एक-दूसरे का साथ निभाने का जो वचन दिया जाता है, वह कुछ दिनों या महीनों में टूटने लगता है। दोनों पक्ष के परिवारों के समझाने-बुझाने पर भी कई बार पति-पत्नी साथ नहीं रहते और नवयुगल का घरौंदा बसने से पहले ही उजड़ जाता है। उत्तर प्रदेश में अपराध पर काबू पाने के दावे में देखी जा रही है हड़बड़ी, नाहक ही बिना अपराध के तीन वर्ष जेल में काटनी पड़ी जेल मगर सवाल है कि वे कौन से कारण हैं, जिनकी वजह से नवदंपतियों में टकराव की नौबत पैदा होती है। इसे समझना होगा। दरअसल, इसके पीछे अति महत्त्वाकांक्षा, सुख-सुविधाएं और अवैध संबंध तो हैं ही, वहीं परिवार के दबाव में अनिच्छा से की गई शादी भी बड़ी वजह है। फिलहाल सोनम पर जो गंभीर आरोप लगे हैं, इसका जवाब अब उसी को देना है। मगर, इस घटना ने सभी को झकझोर दिया है।

संत कबीर जयंती: विचारों की क्रांति का महापर्व

प्रो. आरके जैन

संत कबीरदास-एक ऐसी चिंगारी, जो सदियों बाद भी अंधेरे को भस्म करती है, एक ऐसी वाणी, जो पाखंड की बेड़ियों को तोड़ती है, और एक ऐसा दर्शन, जो मानवता को सत्य और प्रेम की राह दिखाता है। जब भारतीय संत परंपरा का जिक्र होता है, तो कबीर का नाम तूफान की तरह गूँजता है-न झुकने वाला, न थमने वाला। वे न राजसत्ताओं के गुलाम थे, न धर्मों के ठेकेदार। उनकी हर साखी, हर दोहा, हर शब्द एक हथौड़ा है, जो अज्ञान, जातिवाद और ढोंग की दीवारों को चूर-चूर करता है। उनकी जयंती, ज्येष्ठ पूर्णिमा, जो 11 जून 2025 को देश के कोने-कोने में उत्साह के साथ मनाई जाएगी, केवल एक तिथि नहीं, बल्कि एक क्रांति का शंखनाद है-सत्य, समानता और करुणा की चेतना का महापर्व। यह वह दिन है, जब कबीर की आवाज हमें झकझोरती है-जागो, बंदे! पाखंड छोड़ो, सत्य को गले लगाओ। कबीर का जन्म 15वीं शताब्दी में माना जाता है, हालांकि उनके जन्मकाल को लेकर विद्वानों में मतभेद हैं। कुछ स्रोत 1398 को उनका जन्मवर्ष बताते हैं, तो कुछ 1440 के आसपास। उनकी जन्मकथा रहस्य से भरी है-कहा जाता है कि वे काशी (आधुनिक वाराणसी) में एक विधवा ब्राह्मणी के गर्भ से प्रकट हुए, जिन्हें स्वामी रामानंद का आशीर्वाद प्राप्त था। उनका पालन-पोषण नीरू और नीमा, एक जुलाहा दंपति ने किया। निम्न मानी जाने वाली जाति में जन्मे कबीर ने कभी सामाजिक भेदों को स्वीकार नहीं किया। उनका जीवन इस सत्य का जीवंत प्रमाण है कि आत्मा की शुद्धता और विचारों की ऊँचाई ही मानव की सच्ची पहचान है। कबीर ने निर्गुण भक्ति का मार्ग चुना, जिसमें ईश्वर निराकार, सर्वव्यापी और सर्वशक्तिमान है। उन्होंने मंदिर-मस्जिद के आडंबरों को ठुकराया और ईश्वर को हृदय में खोजने का संदेश दिया। उनका दोहा-"मोको कहाँ ढूँढे रे बंदे, मैं तो तेरे पास में। ना मैं मंदिर, ना मैं मस्जिद, ना मैं काबे कैलास में। न केवल उनकी आध्यात्मिक गहराई को उजागर करता है, बल्कि धार्मिक पाखंडों पर करारा प्रहार भी करता है। कबीर की रचनाएँ-दोहे, साखियाँ और शब्द-भाषा की सरलता और विचारों की तीक्ष्णता का अनुपम संगम हैं। उनकी रचनाएँ अवधी, भोजपुरी और हिंदी के मिश्रण में हैं, जो आम जन की जुबान थीं। उनका एक और प्रसिद्ध दोहा-"पोथी पढ़ि पढ़ि जग मुआ, पंडित भया न कोय। ढाई आखर प्रेम का, पढ़े सो पंडित होय।-यह सिखाता है कि सच्चा ज्ञान वह नहीं जो शास्त्रों में कैद हो, बल्कि वह जो प्रेम, करुणा और मानवीयता को जागृत करे। कबीर ने धार्मिक गुरुओं, पंडितों और मुल्लाओं की खोखली विद्वता पर तीखे व्यंग्य किए। उनकी वाणी में जीवन का हर पहलू-सामाजिक असमानता, धार्मिक ढोंग, नैतिकता और आत्म-जागरूकता-स्पष्ट रूप से उभरता है। उनकी रचनाएँ 'बीजक', 'साखी', 'शबद' और 'रमैनी' जैसे संग्रहों में संकलित हैं, जो आज भी भक्ति और दर्शन के साधकों के लिए मार्गदर्शक हैं। कबीर एक गृहस्थ संत थे। उन्होंने लोई नामक महिला से विवाह किया और उनके बच्चे-कमाल और कमाली-थे। गृहस्थ जीवन जीते हुए भी उनका जीवन सादगी, वैराग्य और सत्यनिष्ठा का प्रतीक था। वे समाज में रहकर उसे सुधारने का साहस रखते थे। उनकी शिक्षाओं ने संत रैदास, धन्ना, पीपा जैसे अनुयायियों को प्रेरित किया, और कबीरपंथ आज भी उनके विचारों को जीवित रखता है। कबीर ने नारी को सम्मान दिया और हर रिश्ते को आध्यात्मिकता से जोड़ा। उनका यह विश्वास-जात न पूछो साधु की, पूछ लीजिए ज्ञान। मोल करो तलवार का, पड़ा रहन दो म्यान। सामाजिक भेदभाव को नकारता है और ज्ञान को सर्वोपरि मानता है। कबीर जयंती का उत्सव केवल धार्मिक आयोजन तक सीमित नहीं है। इस दिन देशभर में कीर्तन, भजन, सत्संग और उनके दोहों पर आधारित गोष्ठियाँ होती हैं। हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश और अन्य राज्यों में यह पर्व विशेष उत्साह के साथ मनाया जाता है। लेकिन कबीर जयंती का असली मर्म उनके विचारों को आत्मसात करने में है। आज का समाज फिर से जातिवाद, धार्मिक कट्टरता और नैतिक पतन की बेड़ियों में जकड़ा है। ऐसे में कबीर का यह दोहा-"चलती चाकी देख के, दिया कबीरा रोय। दो पाटन के बीच में, साबुत बचा न कोय।"-हमें याद दिलाता है कि समाज की क्रूर व्यवस्था में हर व्यक्ति पीस रहा है। कबीर इस व्यवस्था को तोड़ने और सत्य, प्रेम व समानता का समाज बनाने के पक्षधर थे। कबीर ने कभी तलवार नहीं उठाई, पर उनके शब्दों में वह शक्ति थी जो राजसत्ताओं और धार्मिक ठेकेदारों को चुनौती दे सके। उनकी वाणी-"मन का साँच झूठे से ऊँचा, साँच बिना सब सून।"-हमें सिखाती है कि सत्य के बिना जीवन निरर्थक है। आज जब हम कबीर जयंती मनाते हैं, तो यह केवल परंपरा नहीं, बल्कि आत्मपरीक्षण का अवसर है। क्या हम अब भी धर्म और जाति के नाम पर बँटे हैं? क्या हम अब भी सत्य को छोड़कर आडंबरों में जी रहे हैं? कबीर की शिक्षाएँ हमें प्रेम और करुणा का मार्ग दिखाती हैं, जो मानवता को एकजुट कर सकता है। कबीरदास एक शाश्वत ज्योति हैं, एक ऐसी गूँज जो सदियों बाद भी थमती नहीं। उनकी जयंती हमें पुकारती है-उठो! ढोंग की परतें उतारो, प्रेम की राह अपनाओ, और सच्चा इंसान बनो। यह पर्व केवल एक दिन की श्रद्धांजलि नहीं, बल्कि हर दिन को कबीरमय बनाने का संकल्प है। उनकी वाणी हमारे अंतर्मन को झकझोरती है, हमें अपने भीतर झाँकने को मजबूर करती है। कबीर की विरासत वह चेतना है, जो हमें समाज के छल और समय की सीमाओं से परे ले जाती है। इस जयंती पर कबीर के विचारों को न केवल याद करें, बल्कि उन्हें अपने जीवन में उतारें। यह वही सच्ची पूजा होगी, जो कबीर के सपनों को साकार करेगी-एक ऐसा समाज, जहाँ न जाति हो, न धर्म का झगड़ा, केवल प्रेम और सत्य का राज हो। कबीर की आवाज आज भी गूँज रही है, और यह हम पर है कि हम उस पुकार को सुनें और उसका अनुसरण करें।

श्रम की खुशबू और सफलता

संजीव ठाकुर

किसी भी लक्ष्य को पाने के लिए सही योजना परिकल्पना तथा रणनीति अत्यंत आवश्यक है अपने लक्ष्य के अनुसार अपनी क्षमता को दृष्टिगत रखते हुए व्यक्ति को अपनी प्राथमिकताएं सुनियोजित कर लेनी चाहिए, लक्ष्य प्राप्ति के लिए यह बहुत जरूरी है कि आपके पास उपलब्ध समय की गणना आवश्यक रूप से कर ले, अन्यथा अपने टारगेट से इधर उधर भटक सकते हैं, ऐसी स्थिति में मन को एकाग्र रखकर आत्मविश्वास को द्विगुणित कर के एकाग्रता को एक हथियार की तरह इस्तेमाल करना एक महत्वपूर्ण कदम होगा, सर्वप्रथम आप अपनी क्षमता शक्ति एवं ऊर्जा को पहचानिए एवं लक्ष्य की तरफ एक एक सोपान धीरे धीरे बढ़ाते जाएं, लक्ष्य के स्वरूप और छोटा या बड़ा होने की मन में कल्पना न करें, लक्ष हमेशा लक्ष्य होता है छोटा बड़ा नहीं, इसके लिए बहुत ही ठंडे दिमाग से योजना बनाकर लक्ष्य की प्राप्ति के उपायों को मन ही मन तय करें एवं प्राथमिकता के आधार पर उसकी धीरे धीरे तैयारी करना शुरू करें सफलता के लिए अपने संसाधन सुनिश्चित करने के पश्चात एक सुनियोजित योजना बनाकर समय की प्रतिबद्धता के हिसाब से धीरे-धीरे आगे की ओर अपने कदम न सुनिश्चित करें लक्ष्य प्राप्ति के लिए जो सबसे बड़ा शस्त्र है वह समय का सदुपयोग, क्योंकि हम सभी को मालूम है कि हमारे पास दिन में सिर्फ 24 घंटे ही उपलब्ध होते हैं, इसमें हमें दैनिक दिनचर्या शारीरिक एवं मानसिक शक्ति प्राप्त करने के लिए समय निकालने की आवश्यकता होगी, ऐसे में समय का समुचित उपयोग एक सफल नियोजन कर्ता की तरह किया जाना चाहिए, उपलब्ध समय में उचित समय पर उठना स्नान, ध्यान, भोजन एवं मानसिकता दृढ़ता के लिए समुचित नींद या निद्रा की अत्यंत आवश्यक होती है किसी ने सच कहा है, मन के हारे हार है और मन के जीते जीत, यदि आपको जीवन में जीत या सफलता प्राप्त करनी है तो आप मानसिक दृढ़ता के साथ आप आत्मविश्वास से लवरेज यानी ओतप्रोत होने के लिए तैयार हो जाए, लक्ष्य छोटा हो या बड़ा घबराने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि मनुष्य का मस्तिष्क ही सोच के हिसाब से सफलता लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सक्षम होता है काम करने से पहले ही यदि आप आधे मन से अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर होंगे तो सफलता प्राप्त होने में संदेह ही नहीं सारी परिस्थितियां संदिग्ध हो जाती है लक्ष्य की दूरहता या क्लिष्टता का पूर्वानुमान अपनी सफलता की तैयारी के पूर्व ही कर लिया जाना चाहिए और इन सब के लिए सुनियोजित रणनीति या कार्य योजना तैयार कर उस लक्ष्य की तरफ रुख किया जाना चाहिए। अपनी प्राथमिकताओं में सर्व प्रथम स्थान

नींद का होना चाहिए, सही वक्त पर पूरी नींद ही शरीर को चुस्त-दुरुस्त और सजग रखती है अतः दिन में मानसिक तनाव से दूर रहने के लिए संपूर्ण 6 से 8 घंटे नींद ले लेनी चाहिए, जिससे मानसिक चुस्ती आने के साथ कार्य क्षमता में वृद्धि होती है, अन्यथा आपका किसी कार्य में समुचित मन लगना संदिग्ध होगो, इसी तरह आप अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए दिनचर्या के कार्यों को या तो अच्छे से याद कर ले या उसे कॉपी या डायरी में अच्छी तरह लिख कर रखें और रोज ही अपने लिखे हुए कार्यों को सुचारू रूप से संपादित करें अपने कार्य को प्राप्त करने के लिए होमवर्क किया जाना होगा `सफलता की प्राप्ति के लिए दिन के लक्ष्य को कागज पर उतार कर उससे जुड़ी हुई विषमताओं एवं चुनौतियां को लिखकर चुनौतियों के समाधान को भी अपने मस्तिष्क में स्थापित कर लेना चाहिऐ जिससे यह आपको सुनिश्चित हो जाएगा कि आप लक्ष्य की कठिनाइयों को किस तरह दूर कर पाएंगे और इनका निदान किस तरह किया जा सकेगोकई बार ऐसे अवसर आएंगे जब आपका आत्मविश्वास आपकी उर्जा एवं शक्ति डगमगाने लगेगी, ऐसे मौके या तो आपकी शारीरिक कमजोरी,मानसिक शिथिलता, सामाजिक,पारिवारिक परिस्थितियों एवं काल के कारण आपके सम्मुख आ सकती हैइन परिस्थितियों में मनुष्य को लगने लगता है कि उनकी मेहनत और लक्ष्य अनायास व्यर्थ हो गई हैं, बस ऐसे ही समय में आपको अपने मस्तिष्क मे से नकारात्मक विचारों और सोच को दूर रख कर मनन कर आत्मविश्वास के साथ दूर कर आगे की ओर अग्रसर होना है यही समय है जब आपको अपने आप को संतुलित कर आगे की ओर ले जाना है, और सबसे अहम एवं महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि लक्ष्य प्राप्ति के दौरान आप नकारात्मक यानी कि नेगेटिव वातावरण एवं इस तरह की मानसिकता वाले व्यक्तियों से दूर रहकर मस्तिष्क में सकारात्मक ऊर्जा भरकर आत्मविश्वास से लबालब होना है इस तरह आप अपने लक्ष्य की प्राप्ति की ओर पूरी ऊर्जा और सामर्थ्य के साथ प्राप्त करने के लिए अग्रसर होंगे, लक्ष्य प्राप्ति के साधनों तथा उससे जुड़े हुए समर्थ व्यक्तियों की तलाश में भी आपको सतत रहना होगा यदि आप प्रतियोगिता परीक्षा और उसकी सफलता के लिए प्रयासरत हैं तो ऐसे व्यक्तियों को सदैव बुद्धिमान एवं मेहनती अध्येता के साथ विचार विमर्श करना चाहिए एवं लाइब्रेरी या पुस्तक विक्रेताओं से सर्वश्रेष्ठ ज्ञानार्जन के लिए किताबों का संग्रह किया जाना चाहिए या किसी का अन्य लक्ष्य हो तो सदैव उसे समय की उपयोगिता तथा उसकी सार्थकता पर जरूर ध्यान केंद्रित कर सफल व्यक्तियों का अनुसरण किया जाना चाहिए तभी सफलता उनके कदम चूमेगी और सफलता का एक ही सूत्र एवं रहस्य है कि अपने मस्तिष्क की प्रबलता बनाए रखें जाने के साथ कड़ी मेहनत भी करें, तब जाकर सफलता व्यक्ति के कदम चूमती है

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक और प्रकाशक व संपादक सरोज चौधरी द्वारा विजय प्रेस, नया टोला पटना से मुद्रित तथा 302, मां तारा कंपलेक्स, नारायण मूर्ति पथ, नागेश्वर कॉलोनी, बोरिंग रोड पटना से प्रकाशित! संपादक सरोज चौधरी, R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

बंदा सिंह बहादुर की वीरता और बलिदान देशवासियों को सदैव प्रेरणा देता रहेगा : मोहन लाल बड़ौली

चंडीगढ़। ऑप्रेशन सिंदूर की सफलता के उपलक्ष्य में सोनीपत में वीर सैनिकों के सम्मान में 'महान योद्धा बाबा बंदा सिंह बहादुर का बलिदान दिवस' मनाया गया। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने बाबा बंदा सिंह को पुष्पांजलि अर्पित उनके अद्वितीय बलिदान को नमन किया। उन्होंने कहा कि बाबा बंदा सिंह बहादुर ने धर्म और राष्ट्र की रक्षा में अपने प्राणों का बलिदान दिया। बाबा बंदा सिंह बहादुर का अद्वितीय बलिदान हम सभी के लिए प्रेरणादायक है। बड़ौली ने कहा कि हम सौभाग्यशाली हैं कि यमुनानगर की पवित्र धरती पर सिख योद्धा बाबा बंदा सिंह बहादुर जी की स्मृति में भव्य स्मारक और संग्रहालय का निर्माण भाजपा सरकार द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह स्मारक आने वाली पीढ़ियों को उनके साहस, न्याय और बलिदान की गौरवगाथा से प्रेरित करेगा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि धर्म, संस्कृति और राष्ट्र की सेवा के लिए महान योद्धा बंदा सिंह बहादुर का बलिदान विलक्षण है। उन्होंने कहा कि वीर बंदा सिंह ने मुगलों व अधर्म के खिलाफ लड़ाई लड़ी। उनकी इस वीरता को कभी भुलाया नहीं जा सकता। बाबा बंदा सिंह का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणादायक है।

हिसार एयरपोर्ट : जल्द ही जयपुर, अहमदाबाद और जम्मू के लिए होंगी हवाई सेवाएं शुरू

हिसार। जल्द ही हिसार से जयपुर, जम्मू और अहमदाबाद के लिए भी हवाई सेवाएं शुरू होंगी। यह एयरपोर्ट विकास की गति पर तेजी से आगे बढ़ेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 11 साल में देश में 150 से ज्यादा एयरपोर्ट बने हैं। सोमवार को महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डे से चंडीगढ़ के बीच हवाई सेवा शुरू करने के दौरान ये बातें मुख्यमंत्री नायब सिंह ने कहीं। एयरपोर्ट परिसर में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रदेश को पहले हवाई अड्डे का उपहार दिया है। इसका विकास कराना प्रदेश सरकार की जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने हिसार के महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डा से चंडीगढ़ के शहीद भगत सिंह हवाई अड्डे के बीच शुरू हुई फ्लाइट का शुभारंभ किया। हिसार-चंडीगढ़ के बीच शुरू की गई इस सेवा की पहली फ्लाइट में सीएम खुद भी सवार हुए। उनके साथ कई मंत्री और विधायक भी चंडीगढ़ गए। विमान में 20 यात्री हिसार से चंडीगढ़ गए। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ दिन पहले राहुल गांधी हरियाणा में आए थे। उन्होंने तीन तरह के घोड़े बताए। राहुल गांधी की तो तीन पीढ़ी लग गई, तब भी कांग्रेस का घोड़ा रेस में नहीं दौड़ पाया। कांग्रेस में तो सारे लंगड़े घोड़े ही हैं। बरात के घोड़े तो विधानसभा चुनाव में लोगों ने वापस भेज दिए।

रिश्वत लेते पकड़ा गया फूड इंस्पेक्टर, विजिलेंस ब्यूरो ने की कार्रवाई, रंगे हाथों किया गिरफ्तार

अंबाला। बराड़ा में विजिलेंस ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने खाद्य निरीक्षक मनोज कुमार को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई राशन डिपो एसोसिएशन बराड़ा के प्रधान मनजीत सिंह की शिकायत के आधार पर की गई। मनजीत सिंह ने अम्बाला विजिलेंस ब्यूरो को दी अपनी शिकायत में बताया कि उनकी पत्नी के नाम पर बराड़ा में एक सरकारी राशन डिपो है, जो जिला खाद्य एवं आपूर्ति विभाग, बराड़ा के नियंत्रण में संचालित होता है। उन्होंने आरोप लगाया कि खाद्य उप-निरीक्षक मनोज कुमार ने उन पर दबाव डालकर पहले 10 हजार रुपये की रिश्वत ली थी।मनजीत सिंह के मुताबिक मनोज कुमार ने उनसे फोन पर संपर्क कर मिलने के लिए बुलाया। मुलाकात के दौरान मनोज ने डिपो संचालन के लिए 6,600 रुपये अपने लिए और 20 हजार रुपये उच्च अधिकारियों के लिए बतौर कमीशन मांगा, यानी कुल 26 हजार 600 रुपये की रिश्वत की मांग की। बाद में यह राशि 21,000 रुपये पर तय हुई। मनजीत सिंह ने विजिलेंस टीम की मौजूदगी में मनोज कुमार को बराड़ा की मार्केट कमेटी में 21 हजार रुपये की रिश्वत दी। विजिलेंस टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए मनोज कुमार को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल विजिलेंस ब्यूरो ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है।

आईटीआई महिला विंग में सत्र 2025-26 के लिए दाखिले आरंभ

गुरुग्राम। हरियाणा राज्य के युवाओं को तकनीकी शिक्षा से जोडने् के उद्देश्य से राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (महिला), गुरुग्राम में सत्र 2025-26 के लिए विभिन्न इंजीनियरिंग एवं गैर-इंजीनियरिंग व्यवसायों में दाखिला प्रक्रिया आरंभ कर दी गई है। इच्छुक पात्र महिला अभ्यर्थियों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। ऑनलाइन आवेदन विभागीय वेबसाइट पर छह जून 2025 से 20 जून 2025 तक स्वीकार किए जाएंगे। दाखिले से संबंधित विस्तृत दिशा-निर्देश, संस्थानों की सूची, उपलब्ध सीटों की जानकारी, एवं अन्य आवश्यक विवरण वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। मेरिट सूची एवं सीट आवंटन से संबंधित संपूर्ण कार्यक्रम भी छह जून 2025 से वेबसाइट पर उपलब्ध रहेगा।

नई परियोजनाओं की योजना क्षेत्र की अनुमानित जनसंख्या को ध्यान में रखकर बनाई जानी चाहिए : मुख्यमंत्री सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में आज यहां सोनीपत महानगर विकास प्राधिकरण (एसएमडीए) की आयोजित बैठक में सोनीपत महानगर क्षेत्र में बुनियादी ढांचा विकास परियोजनाओं को बढ़ावा देते हुए वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 349.8 करोड़ रुपये के बजट को मंजूरी दी गई। बैठक में हरियाणा के सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा, सोनीपत के सांसद सतपाल ब्रह्मचारी, विधायक निखिल मदान, देवेन्द्र कादियान और कृष्ण गहलावत और मेयर राजीव जैन भी उपस्थित थे। प्राधिकरण की दूसरी बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नगर निगम सोनीपत के नए भवन का निर्माण कार्य जल्द से जल्द पूरा किया जाए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नागरिकों को अपने कार्यों के लिए अलग-अलग दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें, इसके लिए सोनीपत महानगर विकास प्राधिकरण का कार्यालय नगर निगम भवन बनने के बाद उसमें स्थानांतरित किया जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि नई

योजनाओं और परियोजनाओं की योजना क्षेत्र की अनुमानित आबादी को ध्यान में रखकर बनाई जाए, ताकि विकास कार्यों से लोगों को अधिकतम लाभ मिल सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे सुनिश्चित करें कि ठेकेदार तय समय सीमा के भीतर विकास कार्य पूरा करें और ऐसा न करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। सोनीपत महानगर विकास प्राधिकरण के तहत एकीकृत कमान एवं नियंत्रण केंद्र (आईसीसीसी) की करी जाएगी स्थापना बैठक में प्राधिकरण ने सोनीपत महानगर विकास प्राधिकरण के तत्वावधान में एक एकीकृत कमान एवं नियंत्रण केंद्र (आईसीसीसी) की स्थापना एवं निगरानी को मंजूरी प्रदान की। आईसीसीसी सोनीपत जैसे बढ़ते शहर में शहरी बुनियादी ढांचे और सेवाओं के प्रबंधन के लिए एक केंद्रीय तंत्रिका केंद्र के रूप में काम करेगा। आईसीसीसी के प्रमुख घटकों में शहर-व्यापी निगरानी प्रणाली, स्मार्ट पार्कों और स्मार्ट सड़कों के लिए आईसीटी बुनियादी ढांचा, एक अनुकूलनीय यातायात नियंत्रण प्रणाली, यातायात प्रवर्तन प्रणाली, परिवर्तनशील संदेश संकेत, स्मार्ट स्ट्रीट लाइटिंग, एक आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली और एक सार्वजनिक संबोधन प्रणाली शामिल हैं। डीसीआरयूएसटी, मुरथल में 3 एमएलडी एसटीपी को 7.5 एमएलडी क्षमता में किया जाएगा अपग्रेड खाद्य क्षेत्र और उद्योगों में शहर के तेजी से विकास को देखते हुए, प्राधिकरण ने दीनबंधु छोटू राम विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (डीसीआरयूएसटी), मुरथल में 3 एमएलडी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट को एसबीआर (सीक्वेंसिंग बैच रिएक्टर) प्रौद्योगिकी पर आधारित 7.5 एमएलडी क्षमता वाले प्लांट में अपग्रेड करने को मंजूरी दी, जिसकी अनुमानित लागत 15.75 करोड़ रुपये है।

आदमपुर में अमृत योजना के तहत विकास कार्यों में तेजी, वर्ष अंत तक पूरी होंगी परियोजनाएं : रणबीर सिंह गंगवा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं लोक निर्माण (भवन व सड़कें) मंत्री रणबीर सिंह गंगवा ने कहा कि आदमपुर क्षेत्र में अमृत योजना के तहत जारी सभी विकास परियोजनाएं इस वर्ष के अंत तक पूरी कर ली जाएंगी। इससे क्षेत्रवासियों को शहरी तर्ज पर सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध होंगी। जिला हिसार में जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक में मंत्री गंगवा ने सीवरेज और पेयजल आपूर्ति से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि पीडब्ल्यूडी विभाग तथा मार्केटिंग कमेटी के तहत चल रहे कार्यों की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, जबकि एचएसवीपी से संबंधित कार्यों के लिए निविदा प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। उन्होंने जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग को पाइपलाइन बिछाने के कार्य को प्राथमिकता से पूरा करने और सभी विकास कार्यों को तय समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए। मंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि सरकार विकास कार्यों को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध है और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कैबिनेट मंत्री गंगवा ने अधिकारियों से अधूरी परियोजनाओं की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली और समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए। बैठक के बाद मंत्री ने मौके पर मौजूद आमजन की समस्याएं भी सुनीं और संबंधित विभागों को समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार जनसेवा के संकल्प के साथ कार्य कर रही है तथा हर नागरिक को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

हरियाणा विधान सभा की मेजबानी में होगा राष्ट्रीय शहरी स्थानीय निकाय सम्मेलन, तैयारियों को अंतिम रूप

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने शहरी स्थानीय निकायों के राष्ट्रीय सम्मेलन को सफल बनाने के लिए बड़े स्तर पर तैयारियों की कमान संभाल ली है। विधानसभा सचिवालय में प्रदेश सरकार और विधानसभा के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर उन्होंने सभी व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की। यह महत्वपूर्ण सम्मेलन जुलाई के पहले सप्ताह में गुरुग्राम में आयोजित होना प्रस्तावित है, जिसकी मेजबानी हरियाणा विधानसभा कर रही है। विधानसभा अध्यक्ष कल्याण ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राष्ट्रीय महत्व के इस आयोजन को सफल बनाना सभी की साझी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'एक राष्ट्र, एक विधायिका' के स्वप्न को साकार करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है। इस मंच से शहरी स्थानीय निकायों की देश के विकास में सहभागिता बढ़ाने के लिए भविष्य की योजना का रोडमैप तय होगा। हाल ही में पटना में संपन्न पीठासीन अधिकारियों के अखिल

भारतीय सम्मेलन में भी इस संकल्प को दोहराया गया था।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि यह हरियाणा के लिए गौरव की बात है कि इतने बड़े उद्देश्य से जुड़े पहले राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी का अवसर मिला है। इस आयोजन के माध्यम से शहरी निकायों को सशक्त बनाने की दिशा में एक नई शुरुआत होगी। साथ ही हरियाणा की विधायिका की कार्य प्रणाली और प्रदेश के मेहमाननवाजी की मिसाल देशभर में प्रस्तुत की जाएगी। इस अवसर पर शहरी स्थानीय निकाय विभाग के आयुक्त एवं सचिव विकास गुप्ता, अतिरिक्त निदेशक वाई. एस. गुप्ता, सूचना, जनसंपर्क, कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग के महानिदेशक के.एम. पांडुरंग, विधानसभा अध्यक्ष के सलाहकार राम नारायण यादव, हरियाणा विधानसभा के सचिव डॉ. सतीश कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

चेयरपर्सन सरोज राठी ने हड़ताल पर बैठे सफाई कर्मचारियों का वेतन दिलाने को लेकर डीसी से की मुलाकात

एजेंसी

बहादुरगढ़। नगर परिषद चेयरपर्सन सरोज राठी ने डीसी स्वप्निल रविन्द्र पाटिल से मुलाकात की। चेयरपर्सन ने मुलाकात के दौरान डीसी स्वप्निल रविन्द्र पाटिल को पत्र देते हुए बताया कि नगर परिषद में ठेके पर कार्यरत सफाई कर्मचारियों को वेतन नहीं मिलने के कारण उन्होंने हड़ताल कर रखी है जिसकी वजह से पूरे शहर की सफाई व्यवस्था पिछले सप्ताह से चरमराई हुई है। हड़ताल के कारण शहर में चारों तरफ गंदगी की ढेर लगे हुए हैं। चेयरपर्सन सरोज राठी ने डीसी स्वप्निल रविन्द्र पाटिल से मांग करते हुए कहा कि वे डीएमसी को पेमेंट अप्रूवल कमेटी की मीटिंग बुलाकर सफाई कार्य करने वाली संबंधित फर्म के बिल का भुगतान करने के निर्देश दे ।

चेयरपर्सन सरोज राठी ने डीसी को बताया कि नगर परिषद बहादुरगढ की ठेके पर डोर-टू-डोर कार्यरत सफाई कर्मचारी एवं स्वीपींग के लिए कार्यरत फर्म के कर्मचारी दिनांक 3 जून से हडताल पर बैठे हुए है जिनकी मुख्य माग उनका 3 माह

का बकाया वेतन है। जिस बारे फर्म द्वारा बताया गया है कि उनके बिल परिषद स्तर पर भुगतान के लिए लंबित है। इस मामले में उन्होंने नगर परिषद बहादुरगढ़ कार्यालय के पत्र क्रमाक 2422 दिनांक 06.05.2025 क्रमांक 2842 दिनांक 04.06.2025 के माध्यम से डीएमसी से पेमेंट अप्रूवल कमेटी की मीटिंग बुलाने का अनुरोध किया गया था पर डीएमसी द्वारा पेमेंट अप्रूवल कमेटी की कोई भी मीटिंग नही बुलाई गई। चेयरपर्सन ने डीसी को बताया कि वर्तमान में कर्मचारियों की हड़ताल से बहादुरगढ़ शहर की सफाई व्यवस्था चरमरा गई है। शहर में कुडा उठान ना होने से शहर में कूड़े के ढेर लग गये है जिससे किसी भी प्रकार की महामारी फैलने का अन्देशा है इसलिए डीएमसी को पेमेंट अप्रूवल कमेटी की मीटिंग बुलाकर सफाई कार्य करने वाली फर्म के बिल का भुगतान करने के निर्देश दिए जाए जिससे कि यह हड़ताल समाप्त हो सके और शहर में सफाई व्यवस्था फिर से सुचारू रूप से शुरू हो सके।

जुलाई के पहले सप्ताह में बड़े स्तर पर शुरू होगा पौधारोपण कार्य

एजेंसी

गुरुग्राम। एक पेड़-मां के नाम 2.0 अभियान के अगले चरण की तैयारियों को लेकर संबंधित विभागों को निर्देश दिए हैं कि वे पौधों की डिमांड शीघ्र वन विभाग को भेजें, ताकि समय रहते पौधों का आवंटन सुनिश्चित किया जा सके। डीसी अजय कुमार ने स्पष्ट किया कि हर विभाग को अपने परिसरों और अधीनस्थ क्षेत्रों में उपयुक्त स्थान चिह्नित कर वहां के अनुसार पौधों की मांग भेजनी चाहिए। इससे पहले चंडीगढ़ से मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने सभी जिलों के उपायुक्तों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक कर अभियान की तैयारियों की समीक्षा की थी। मुख्य सचिव ने

निर्देश दिए थे कि अभियान को प्रभावी बनाने के लिए सभी विभाग समन्वित रूप से कार्य करें और जिलों में बड़े स्तर पर पौधारोपण सुनिश्चित किया जाए। डीसी अजय कुमार ने बैठक में विशेष रूप से शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन, खेल, कृषि, सिंचाई, बागवानी, पुलिस, पंचायत, लोक निर्माण आदि विभागों को इस अभियान में सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि पौधारोपण के साथ-साथ उनकी सुरक्षा और देखभाल की भी जिम्मेदारी तय की जाए। इस बार लगाए जाने वाले सभी पौधों की जियो टैगिंग की जाएगी, ताकि निगरानी सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने बताया कि अभियान को मनरेगा, जलशक्ति अभियान, स्वच्छ भारत मिशन, नेशनल ग्रीन हाइवे मिशन और इको क्लब जैसी विभिन्न योजनाओं से भी जोड़ा जाएगा, जिससे इसका प्रभाव और अधिक व्यापक हो। इस मौके पर वन विभाग के अधिकारियों ने जानकारी दी कि जिले में इस चरण में बड़ी संख्या में पौधे तैयार किए जा चुके हैं। साथ ही, विभाग द्वारा जिले में पौधारोपण की समग्र योजना तैयार की जा रही है, जिसके अंतर्गत नर्सरियों में पौधों का उत्पादन जारी है।

बीजेपी की घटिया पोर्टल सेवा से विद्यार्थी, अभ्यार्थी और लाभार्थी समेत हर वर्ग परेशान : भूपेंद्र सिंह हुड्डा

एजेंसी

चंडीगढ़। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि प्रदेश में बीजेपी की नहीं, बल्कि पोर्टल की सरकार चल रही है। ऐसा पोर्टल जिसका सर्वर हमेशा डाउन रहता है और जो जरूरत पड़ने पर कभी काम नहीं करता। इसके चलते विद्यार्थी, अभ्यार्थी और लाभार्थी समेत हर वर्ग परेशान है। हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने ऑनलाइन सुविधाओं की शुरुआत की थी। इसका मक़सद तमाम सरकारी विभागों व सेवाओं से लेकर पंचायतों तक को ऑनलाइन करके जनता को घर बैठे एक क्लिक पर सुविधाएं उपलब्ध करवाना था। लेकिन बीजेपी ने इन ऑनलाइन सेवाओं का पूरा सिस्टम ही उल्टा कर डाला। ऑनलाइन काम करवाने के लिए भी लोगों को सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने पड़ रहे हैं।भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि एक तरफ जहां सीईटी के आवेदन और कॉलेज-विश्वविद्यालयों में दाखिलों का दौर चल रहा है। कई तरह के अन्य परीक्षाएं भी आयोजित होने वाली हैं। इसके लिए विद्यार्थियों व अभ्यार्थियों को तमाम दस्तावेज तैयार करवाने हैं। लेकिन ठीक उसी समय सरल पोर्टल ठप हो गया। इसकी 300 सेवाएं पूरी तरह बंद हो गईं। हैरानी की बात है कि जाति प्रमाण पत्र बनवाने के लिए लोगों से जिंदा मां-बाप के मृत्यु प्रमाण पत्र मांगे जा रहे हैं। लाखों युवा रोज सीईटी का आवेदन करने के लिए माथापच्ची कर रहे हैं, लेकिन कोई समाधान ही नहीं निकल रहा।

गुरुग्राम में पुलिस कमिश्नरी प्रणाली से बढ़ा शहर का गौरव

पुलिस शहीद फाउंडेशन हरियाणा के कार्यक्रम में गुरुग्राम पुलिस कमिश्नरेट दिवस पर हुई सारगर्भित चर्चा

एजेंसी

गुरुग्राम। गुरुग्राम पुलिस कमिश्नरेट दिवस के उपलक्ष्य में विशेष कार्यक्रम पुलिस आयुक्त कार्यालय में आयोजित किया गया। इसमें पुलिस अधिकारियों, फाउंडेशन सदस्यों एवं समाज के गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया।

पुलिस कमिश्नर विकास कुमार अरोड़ा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पुलिस कमिश्नरी प्रणाली लागू होने के बाद गुरुग्राम पुलिस ने कॉम्युनिटी पुलिसिंग के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। चुनौतियां बड़ी हैं, लेकिन हमारी क्षमता और जिम्मेदारी भी उसी अनुपात में बढ़ी है। उन्होंने कहा कि पहले गुरुग्राम में केवल एसपी स्तर का एक अधिकारी तैनात होता था, परंतु जनसंख्या और ढांचागत विकास को देखते हुए सरकार ने कमिश्नरी लागू कर जिले को एक

सशक्त प्रशासनिक ढांचा प्रदान किया। आज गुरुग्राम में एक एडीजीपी स्तर के पुलिस कमिश्नर के साथ-साथ सात डीसीपी और लगभग 15 एसीपी तैनात हैं, जो कानून-व्यवस्था, साइबर अपराध, ट्रैफिक प्रबंधन सहित अनेक क्षेत्रों में दक्षता से कार्य कर रहे हैं। उन्होंने गुरुग्राम को साइबर सिटी और मिलेनियम सिटी की उपाधि मिलने का श्रेय भी मजबूत कानून व्यवस्था और सतर्क पुलिसिंग को दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पुलिस शहीद फाउंडेशन हरियाणा के अध्यक्ष, एडवोकेट आर. एल. शर्मा ने कहा, आज के समय में पुलिस की भूमिका सिर्फ कानून व्यवस्था बनाए रखने तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि आमजन के विश्वास को कायम रखना भी एक बड़ी चुनौती बन चुका है। शर्मा ने कोरोना महामारी के दौरान पुलिस द्वारा निभाई गई अग्रणी भूमिका की विशेष सराहना की। उन्होंने कहा कि जब पूरा देश लॉकडाउन में था, तब पुलिस ने योद्धा की भांति अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया और अपने मानवीय चेहरे से समाज को विश्वास दिलाया कि पुलिस हमेशा उनके साथ खड़ी है। उन्होंने बताया कि 18 वर्ष पूर्व 8 जून 2007 को गुरुग्राम में पुलिस कमिश्नरी प्रणाली लागू की गई थी, जिससे पुलिस को न्यायिक और वित्तीय अधिकार प्राप्त हुए। साथ ही उन्होंने फाउंडेशन की ओर से यह भरोसा दिलाया कि पुलिस शहीद फाउंडेशन, वर्ष 2004 से निरंतर पुलिस कल्याण में संलग्न रहा है और भविष्य में भी सहयोग और समन्वय की भावना से कार्य करता रहेगा।

इस अवसर पर पुलिस शहीद फाउंडेशन हरियाणा के महासचिव दीपक मैनी, महिला विंग अध्यक्ष ऋतु कटारिया, कोषाध्यक्ष चंद्र प्रकाश भारद्वाज, वरिष्ठ सदस्य राजकुमार त्यागी, बनवारी लाल शर्मा, प्रदीप मोदी, डॉ. अंशुल ढींगरा सहित अनेक समाजसेवी, उद्यमी, उद्योग संगठनों के प्रतिनिधि और फाउंडेशन के सदस्य उपस्थित रहे।

नाहरपुर कासन में सात दिन के भीतर सीवर लाइन का काम शुरू करने के दिए आदेश

एजेंसी

गुरुग्राम। नगर निगम मानेसर क्षेत्र के गांव नाहरपुर कासन में सात दिन के भीतर सीवर लाइन डालने का काम पूरा हो जाएगा। अगले 15 दिनों में सीवर लाइन को एसटीपी में जोड़ दिया जाएगा। यह काम पूरा होने के बाद गांव में सीवर के पानी की निकासी सुचारू रूप से होने लगेगी। यह आदेश निगमायुक्त आयुष सिन्हा ने दिए।

आयुक्त आयुष सिन्हा ने निगम अधिकारियों के साथ गांव नाहरपुर कासन का दौरा किया। ग्रामीणों व पार्षद के माध्यम से सीवर के गंदे पानी की निकासी न होने की शिकायत आयुक्त को मिली थी। आयुक्त ने अपने दौरे के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए कि सात दिन के भीतर गांव से निकलने वाली सीवर लाइन डालने का काम पूरा होना सुनिश्चित करें। इसके अलावा आईएमटी सेक्टर-6,7 में भरने वाले सीवर के गंदे पानी की निकासी का रास्ता भी जल्द ढूंढा जाए। इस पर निगम अधिकारियों ने आयुक्त को बताया कि सीवर लाइन डालने का काम मंगलवार से शुरू होगा। अगले 15 दिनों में सीवर लाइन डालकर जीएमडीए के एसटीपी में सीवर के पानी की

निकासी कर दी जाएगी। अधिकारियों ने आयुक्त को अवगत करवाते हुए कहा कि सीवर लाइन का काम पूरा होने से सेक्टर-81 चौक पर भरने वाले गंदे पानी से भी राहत मिलेगी। आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि अधिकारी अपने अपने क्षेत्र में यह सुनिश्चित करें कि कहीं पर भी सीवर के मैन हॉल खुले न हों। इसके अलावा मानसून से पूर्व सभी सीवर, नालों और नालियों की सफाई भी पूरी हो। यदि मानसून में जलभराव हुआ तो संबंधित अधिकारी जिम्मेदार होगा। इसके अलावा निगम क्षेत्र में पडने् वाले जोहड़ों की सफाई व फॉगिंग भी करवाई जाए। इस मौके पर उनके साथ एक्सईएन मनदीप धनखड़, एसडीओ अनिल मलिक, जेई आसिफ खान सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

हरियाणा में अभी गर्मी से नहीं मिलेगी राहत: सिरसा रहा सबसे गर्म, इस दिन से बदलेगा मौसम

एजेंसी

सोनीपत। मौसम हरियाणा में गर्मी से फिलहाल राहत की उम्मीद नहीं है। दो दिन और भीषण गर्मी पड़ने के आसार हैं। दिन व रात का तापमान दो से तीन डिग्री और बढ़ सकता है। तापमान में बढ़ोतरी को देखते हुए मौसम विभाग ने मंगलवार-ऑरेंज अलर्ट और उसके अगले दो दिन येलो अलर्ट जारी किया है। सिरसा राज्य का सबसे गर्म शहर रहा जहां दिन व रात का तापमान राज्य में सबसे अधिक रिकॉर्ड हुआ।

सिरसा रहा सबसे अधिक गर्म

सिरसा में दिन का तापमान 46.4 डिग्री और रात में 29.8 डिग्री रिकॉर्ड हुआ, जो इस सीजन का सबसे अधिक तापमान रहा। वहीं, चंडीगढ़, अंबाला, सिरसा और रोहतक में लू चली। मौसम विभाग के मुताबिक 13 जून की रात से राज्य के कुछ हिस्सों में मौसम में बदलाव आ सकता है। मौसम विभाग ने अपने पूर्वानुमान में बताया है कि अगले चार दिन और लू चलने की संभावना है। हरियाणा में पिछले तीन दिन से तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। सोमवार को राज्य के सभी जिलों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री से ऊपर दर्ज किया गया। सबसे कम

तापमान पंचकूला का रहा, जहां अधिकतम तापमान 40.7 डिग्री रिकॉर्ड हुआ। चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मौसम विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. मदन खीचड़ के मुताबिक इस समय राज्य में उत्तर-पश्चिमी व पश्चिमी हवाएं चल रही हैं, जिससे तापमान में और बढ़ोतरी की संभावना है। 13 जून तक मौसम आमतौर पर खुश्क रहेगा। इस समयावधि के दौरान कुछ जगहों पर हल्के बादल और धूलभरी हवाएं भी चल सकती हैं। 14 जून को हवाओं की दिशा में बदलाव आने की संभावना है। इससे मौसम में बदलाव आने की संभावना है। चंडीगढ़ मौसम विभाग के मुताबिक सभी जिलों में आज और कल दो से तीन डिग्री तापमान और बढ़ने की संभावना है। ऐसे में लोगों को सतर्क रहने की आवश्यकता है। ऐसे में जरूरत होने पर ही घर से बाहर निकलें।

मुंबई लोकल ट्रेनों में ऑटोमेटिक दरवाजे को लेकर रेलमंत्री ने की बैठक, निकाला समाधान

नई दिल्ली। मुंबई में हुई एक दुखद घटना के बाद रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और रेलवे बोर्ड के अधिकारियों ने इंटीग्रल कोच फैक्टरी (आईसीएफ) की टीम के साथ विस्तृत बैठक की। बैठक का उद्देश्य मुंबई में चलने वाली नॉन-एसी लोकल ट्रेनों में ऑटोमैटिक दरवाजा बंद करने से जुड़े मुद्दे का समाधान खोजना था। रेल मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि विचार-विमर्श के बाद यह निर्णय लिया गया कि नए नॉन-एसी कोच इस प्रकार डिज़ाइन और निर्मित किए जाएंगे जिससे वेंटिलेशन की समस्या का समाधान हो सके। इसके लिए तीन प्रमुख डिज़ाइन बदलाव किए जाएंगे। पहला- दरवाज़ों में लूवर्स लगाए जाएंगे, ताकि बंद दरवाज़ों के बावजूद हवा का प्रवाह बना रहे। दूसरा, कोच की छत पर वेंटिलेशन यूनिट्स लगाई जाएंगी, जो बाहर से ताज़ी हवा अंदर पहुंचाएंगी। तीसरा, कोचों में वेस्टीब्यूल्स होंगे, ताकि यात्री एक कोच से दूसरे कोच में आसानी से जा सकें और भीड़ का संतुलन स्वाभाविक रूप से बन सके। इस नई डिज़ाइन वाली पहली ट्रेन इस साल नवंबर तक तैयार हो जाएगी। आवश्यक परीक्षणों और प्रमाणन के बाद इसे जनवरी 2026 तक सेवा में लाया जाएगा। यह प्रयास मुंबई उपनगरीय नेटवर्क के लिए बनाए जा रहे 238 एसी ट्रेनों के अतिरिक्त है।

गोवा और झारखंड में डॉक्टरों के साथ हाल ही में हुई घटनाओं पर आईएमए ने जताई चिंता

नई दिल्ली। भारतीय चिकित्सा संघ (आईएमआई) ने डॉक्टरों के साथ गोवा और झारखंड में हाल ही में हुई घटनाओं पर अपनी गहरी चिंता और निराशा व्यक्त की है। आईएमए ने मांग की है कि अधिकांश राज्यों में लागू मेडिकेयर सेवा कार्मिक और मेडिकेयर सेवा संस्थान अधिनियम को और मजबूत किया जाए। विशेष रूप से, स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों के खिलाफ हिंसा या उत्पीड़न के किसी भी कृत्य को कम से कम सात साल की कैद की सजा के साथ गैर-जमानती अपराध बनाया जाना चाहिए। आईएमए ने एक बयान में कहा कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त राष्ट्रीय टास्क फोर्स को रेजिडेंट डॉक्टरों और समग्र रूप से चिकित्सा बिरादरी की सुरक्षा और कल्याण के संबंध में जारी दिशा-निर्देशों को सख्ती से लागू करना चाहिए। डॉक्टर के तौर पर उनकी गरिमा से समझौता नहीं किया जाना चाहिए। डॉक्टर हिप्पोक्रेटिक शपथ को कायम रखने और मानवता की सेवा करने में दृढ़ रहते हैं, इसलिए लोगों से यह भी उम्मीद रहती हैं कि इस सेवा का सम्मान, सुरक्षा और न्याय किया जाए। आईएमए ने कहा कि जिस तरह से गोवा मेडिकल कॉलेज और हज़ारीबाग सरकारी मेडिकल कॉलेज में राजनीतिक नेताओं ने परेशान किया।

भारत को विश्वगुरु बनाने के लिए हमें अपने इतिहास, साहित्य व संस्कृति को स्मरण कर उसे समृद्ध करना होगा: गडकरी

नई दिल्ली। वरिष्ठ पत्रकार राकेश शुक्ला की पुस्तक तानसेन का ताना-बाना का लोकार्पण नई दिल्ली केशव कुंज स्थित विचार विनिमय न्यास सभागार में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। मुख्यातिथि केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा, अगर भारत को विश्वगुरु बनाना है तो हमें अपने इतिहास, साहित्य और संस्कृति को स्मरण कर उसे समृद्ध करना होगा। हमारा इतिहास, हमारी संस्कृति, हमारी विराशत हमारे लिए महत्वपूर्ण हैं जो भविष्य के निर्माण के लिए आवश्यक है। हमें अपनी कमियां दूर करते हुए अपने भूतकाल के इतिहास को लिखते रहना चाहिए ताकि नई पीढ़ी को वह बता सकें और दिखा सकें। ऐसी पुस्तकें नई पीढ़ी को उपहार में दी जानी चाहिए, ताकि वे अपनी जड़ों से जुड़ सकें। उन्होंने सुरुचि प्रकाशन को विशेष धन्यवाद देते हुए कहा कि ऐसे प्रकाशकों का कार्य सराहनीय है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कहा कि तानसेन का संगीत के क्षेत्र में योगदान अतुलनीय है जिसकी तुलना भी नहीं की जा सकती। तानसेन ने अपने काल में जब शासन में ऐसे लोग बैठे थे जो संगीत को ज्यादा महत्व या प्रोत्साहन नहीं देते थे तब भी उन्होंने संगीत परम्परा को आगे बढाने और उसको कायम रखने में बहुत संघर्ष किया।

दिल्ली में पारा 45 डिग्री सेल्सियस के पार, मौसम विभाग ने जारी किया येलो अलर्ट

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में पारा एक बार फिर 45 के पार पहुंच गया। आयानगर में अधिकतम तापमान 45.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग के अनुसार अगले चार दिनों तक उत्तर-पश्चिम भारत में लू की स्थिति रहने की संभावना है। दिल्ली-एनसीआर में सोमवार और मंगलवार को तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से ऊपर जाने की उम्मीद है, जिससे अलग-अलग जगहों पर लू की स्थिति पैदा होगी। मौसम विभाग ने इस क्षेत्र के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया। भारत मौसम विभाग के अनुसार, सफदरजंग - 43.4 डिग्री सेल्सियस,

पालम - 44.3 डिग्री सेल्सियस, लोधी रोड- 43.3 डिग्री सेल्सियस,

रिज- 44.9 डिग्री सेल्सियस, आया नगर- 45.3 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।

गैरजिम्मेदाराना विपक्ष का रोल निभा रहे हैं राहुल गांधी: जेपी नड्डा

एजेंसी

नई दिल्ली ।भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने ऑपरेशन सिंदूर पर की गई टिप्पणियों को लेकर राहुल गांधी पर हमला बोला है। नड्डा ने कहा कि वे (राहुल) गैरजिम्मेदाराना विपक्ष का रोल निभा रहे हैं। भगवान उनको सद्बुद्धि दें। मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में नड्डा ने भारत की विदेश नीति और ऑपरेशन सिंदूर पर कांग्रेस नेता की टिप्पणियों की आलोचना की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्ष के उद्देश्य को समझना बहुत मुश्किल है। जब वे सर्वदलीय बैठक में जाते हैं तो कहते हैं कि वे देश के साथ खड़े हैं, लेकिन जब वे बाहर निकलते हैं तो वे सवाल उठाने लगते हैं, ऐसे सवाल जो पूरी तरह से निराधार हैं। इसलिए वे एक गैर-जिम्मेदार विपक्ष की भूमिका निभा रहे

हैं। भाजपा मुख्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में नड्डा ने कहा कि जितना जनसंवाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करते हैं, उतना जयराम रमेश ने जीवन में बात नहीं की होगी। कांग्रेस के चुनाव आयोग पर उठाए गए सवाल पर नड्डा ने कहा कि जब वे कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश जीतते हैं तो सब ठीक रहता है और हारते हैं तो सब खराब हो जाता है। कांग्रेस की तो यह आदत बन गई है। चार प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक ही विषय पर अलग-अलग आंकड़े ले कर आते हैं। कांग्रेस को अपने विषय में सोचना चाहिए। अपने नेतृत्व पर विचार करना चाहिए। नड्डा ने आर्थिक विकास, महिला सशक्तीकरण पहल और ऑपरेशन गंगा जैसे सफल प्रत्यावर्तन प्रयासों सहित प्रमुख उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। इस मौके पर सरकार के 11 साल की उपलब्धियां गिनाते हुए नड्डा ने कहा कि मोदी सरकार जनता के नेतृत्व वाली सरकार है। पिछले कुछ सालों में हमने पारदर्शिता लाई है और एक दूरदर्शी, भविष्योन्मुखी प्रशासन बनाया है। इसीलिए हम विकसित भारत की बात करते हैं। यह अमृत काल है। पिछले 11 सालों ने वास्तव में विकसित और आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव रखी है। इस मौके पर नड्डा ने प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया।

प्रधानमंत्री ने सभी से नमो ऐप पर भारत की विकास यात्रा पर सर्वेक्षण में भाग लेने का आग्रह किया

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सभी से नमो ऐप पर पिछले 11 वर्षों में भारत की विकास यात्रा पर सर्वेक्षण में भाग लेने का आग्रह किया है। प्रधानमंत्री ने सेवा के 11 वर्ष हैस टैग के साथ एक्स पोस्ट में कहा, ÷आपके विचार सबसे ज्यादा मायने रखते हैं। नमो ऐप पर इस सर्वेक्षण में भाग लें और हमें बताएं कि आप पिछले 11 वर्षों में भारत की विकास यात्रा को कैसे देखते हैं।प्रधानमंत्री ने नमो ऐप पर सर्वेक्षण का लिंक साझा किया है, जहां कोई भी व्यक्ति भारत की विकास यात्रा पर अपने विचार साझा कर सकता है। यह सर्वेक्षण पिछले 11 वर्षों में भारत की विकास यात्रा पर केंद्रित है। प्रधानमंत्री ने जन मन सर्वेक्षण का भी उल्लेख किया है, जो भारत की विकास यात्रा पर केंद्रित है। इस सर्वेक्षण के माध्यम से सरकार

लोगों के विचारों और सुझावों को जानना चाहती है। उल्लेखनीय है कि मोदी सरकार ने आज 11 वर्ष पूरे कर लिए हैं। मोदी ने 26 मई 2014 को पहली बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। दूसरी बार 30 मई 2019 को और तीसरी बार 9 जून 2024 को प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी।

एक्सिओम-4 का प्रक्षेपण मौसम के कारण 11 जून तक स्थगित

एजेंसी

नई दिल्ली। इसरो ने जानकारी साझा करते हुए कहा कि मौसम की स्थिति के कारण भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला और तीन अन्य को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर ले जाने वाले एक्सिओम-4 मिशन का प्रक्षेपण 11 जून तक के लिए स्थगित कर दिया गया है।

स्पेसएक्स का फाल्कन-9 रॉकेट मंगलवार शाम को फ्लोरिडा के कैनेडी स्पेस सेंटर (केएससी) से प्रक्षेपित होने वाला था। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष वी नारायणन ने कहा, मौसम की स्थिति के कारण भारतीय गगनयात्री को अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन भेजने के लिए एक्सिओम-4 मिशन का प्रक्षेपण 10 जून 2025 से 11 जून 2025 तक स्थगित कर दिया गया है। प्रक्षेपण का लक्षित समय 11 जून 2025 को शाम 5¬30 बजे (आईएसटी) है। एक्स-4 मिशन भारत की अंतरिक्ष यात्रा में एक बड़ी उपलब्धि है क्योंकि शुभांशु शुक्ला चार दशकों में अंतरिक्ष की

यात्रा करने वाले पहले भारतीय बनेंगे, जो राकेश शर्मा के नक्शेकदम पर चलने वाले हैं, जिन्होंने 1984 में सोवियत अंतरिक्ष यान में उड़ान भरी थी। यह मिशन भारत के लिए एक ऐतिहासिक क्षण होगा, क्योंकि वह एक्सिओम स्पेस के नेतृत्व में एक निजी मिशन के माध्यम से भारतीय मूल की अपनी पहली महिला अंतरिक्ष यात्री को अंतरिक्ष में भेजने की तैयारी कर रहा है। इससे पहले इस मिशन को 29 मई के लिए शेड्यूल किया गया था। लेकिन, कुछ तकनीकी खामियों के चलते इसे स्थगित कर दिया गया। फिर इसके लॉन्चिंग के लिए 10 जून की तारीख तय की गई थी। आपको बता दें केंद्र सरकार ने एक्स-4 मिशन में भारत की भागीदारी के लिए 550 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं।

इंटरनेशनल फिल्म सिटी परियोजना को मिली नई रफ्तार, अपॉइंटेड डेट घोषित

एजेंसी

ग्रेटर नोएडा। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने बहुप्रतीक्षित इंटरनेशनल फिल्म सिटी परियोजना को लेकर एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। प्राधिकरण ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए 'अपॉइंटेड डेट' निर्धारित कर दी है। इसके साथ ही फिल्म सिटी के निर्माण का औपचारिक रास्ता अब पूरी तरह साफ हो गया है।यमुना प्राधिकरण द्वारा जारी पत्र के अनुसार, बेव्यू भूटानी फिल्म सिटी प्राइवेट लिमिटेड को इंटरनेशनल फिल्म सिटी के पहले चरण के तहत भूखंड संख्या आईएफसी -01 पर निर्माण की स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। इस चरण में फिल्मिंग सुविधाएं और फिल्म इंस्टीट्यूट की स्थापना की जाएगी, जिसके लिए संबंधित भवन मानचित्र भी स्वीकृत कर दिए गए हैं। यह स्वीकृति प्रदान की गई, जो अब 'अपॉइंटेड डेट' मानी जाएगी। यह फिल्म सिटी यमुना एक्सप्रेसवे पर जेवर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के पास विकसित की जा रही है। परियोजना का उद्देश्य भारत को विश्वस्तरीय फिल्म निर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करना है। फिल्म सिटी में अत्याधुनिक शूटिंग स्टूडियो, पोस्ट-प्रोडक्शन सुविधाएं, प्रशिक्षण संस्थान और अन्य तकनीकी ढांचे विकसित किए जाएंगे। बेव्यू भूटानी फिल्म सिटी प्राइवेट लिमिटेड को इस परियोजना का कार्य निष्पादन सौंपा गया है, और अब अपॉइंटेड डेट घोषित होने के बाद उन्हें निर्धारित समयसीमा में निर्माण कार्य शुरू करना होगा। समझौते की शर्तों के अनुसार, इसी तिथि से अनुबंध की शेष अवधि की गणना की जाएगी। यमुना अथॉरिटी के विशेष कार्याधिकारी शैलेन्द्र कुमार भाटिया द्वारा हस्ताक्षरित इस आदेश के अनुसार, अब परियोजना पर तेजी से काम होने की उम्मीद

है। यह परियोजना न सिर्फ फिल्म इंडस्ट्री के लिए एक नया केंद्र बनेगी, बल्कि क्षेत्रीय आर्थिक विकास, रोजगार और पर्यटन को भी बढ़ावा देगी। बोनी कपूर और भूटानी ग्रुप के प्रतिनिधि की मौजूदगी में यमुना अथॉरिटी के सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह ने इस पत्र को उन्हें सौंपा है। फिल्म सिटी के पहले चरण के सफल क्रियान्वयन के बाद इसका विस्तार आगामी चरणों में किया जाएगा, जिसमें इंटरनेशनल स्टूडियोज, फिल्म संग्रहालय, ओपन थिएटर और फिल्म मेले जैसी सुविधाओं को शामिल किया जाएगा।

राहुल गांधी के आरोपों पर चुनाव आयोग का पलटवार, कांग्रेस पर गंभीर सवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के हालिया आरोपों को लेकर बयान जारी किया है। सूत्रों के अनुसार, आयोग ने स्पष्ट किया है कि राहुल गांधी द्वारा लगाए गए आरोप 'बेबुनियाद' हैं और अब तक उन्होंने आयोग से मिलने के लिए कोई समय नहीं मांगा है, न ही कोई औपचारिक शिकायत या पत्र भेजा है। चुनाव आयोग के अनुसार, राहुल गांधी ने दो दिन बीत जाने के बावजूद न तो आयोग से मिलने का समय मांगा है और न ही कोई शिकायत या पत्र सौंपा है। आयोग ने सवाल उठाया कि जब उनके पास शिकायत है, तो वह मिलने क्यों नहीं आ रहे? चुनाव आयोग ने यह भी स्पष्ट किया कि कांग्रेस पार्टी को आयोग द्वारा 24 दिसंबर 2024 को विधिवत जवाब दिया जा चुका है, जो कि चुनाव आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

आयोग ने कांग्रेस के जिला अध्यक्षों को सलाह दी है कि वे

अपने-अपने क्षेत्रों के सभी बूथों पर बूथ लेवल एजेंट्स (बीएलए) नियुक्त करें और मतदाता सूची के अद्यतन प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लें। यह प्रक्रिया हर साल चुनावों से पहले नियमित रूप से होती है। चुनाव आयोग ने कहा कि सभी राजनीतिक दलों के बीएलए के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम पहले से ही आयोग के प्रशिक्षण संस्थान में चल रहे हैं। अगर कांग्रेस इसमें भाग नहीं लेना चाहती, तो उसे यह विश्वास रखना चाहिए कि बूथ लेवल ऑफिसर्स (बीएलओ) जो चुनाव पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ) द्वारा आरपी अधिनियम 1950 की धारा 13बी(2) के अंतर्गत नियुक्त होते हैं, निष्पक्ष कार्य कर रहे हैं। आयोग ने बताया कि मतदाता सूची की तैयारी, मतदान और मतगणना की जिम्मेदारी क्रमशः ईआरओ, पीआरओ और आरओ की होती है, जो अनुच्छेद 324 के तहत चुनाव आयोग के निर्देशन और नियंत्रण में कार्य करते हैं। हालांकि, अंततः फैसला मतदाता ही करते हैं कि वे किसे चुनना चाहते हैं। चुनाव आयोग ने कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए कहा कि यदि कोई राजनीतिक दल पहले से चुनावी परिणामों को लेकर तैयारी करना चाहता है, तो उसे राजनीतिक क्षेत्र में करना चाहिए, न कि एक धारणा बनानी चाहिए कि वह ÷रेफरी से लड़ रहा है।आयोग ने कहा कि भारत के मतदाता इतने समझदार हैं कि वे जान सकते हैं कि कांग्रेस हर बार चुनाव हारने के बाद आयोग पर ही आरोप क्यों लगाने लगती है।

देशभर में जिला स्तर पर युवा इतिहासकारों की टीम बनाएगी इतिहास संकलन योजना

एजेंसी

नई दिल्ली। अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना देशभर में जिला स्तर पर युवा इतिहासकारों की टीम का गठन करेगी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के झंडेवाला स्थित कार्यालय केशव कुंज परिसर में आयोजित एक दिवसीय युवा इतिहासकार परिषद की राष्ट्रीय कार्यशाला में यह निर्णय लिया गया। कार्यशाला का आयोजन अ.भा. इतिहास संकलन योजना और माधव संस्कृति न्यास के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यशाला में अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना के राष्ट्रीय संगठन मंत्री डॉ. बालमुकुंद पांडेय और सह संगठन मंत्री संजय मिश्र 'श्रीहर्ष' समेत कई प्रमुख पदाधिकारी मौजूद रहे। अ.भा. इतिहास संकलन योजना के राष्ट्रीय सचिव और युवा इतिहासकार परिषद् के संरक्षक डॉ. रत्नेश कुमार त्रिपाठी ने हिन्दुस्थान समाचार को बताया कि चार सत्रों में विभाजित इस कार्यशाला में देश के 20 प्रांतों से आए प्रमुख प्रतिनिधियों ने अपने विचार रखे।

क्षेत्रीय संगठन सचिव (उत्तर-पूर्व) एवं युवा इतिहासकार परिषद के सह-संरक्षक डॉ. सुरेश पांडेय ने कार्यशाला के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। डॉ. त्रिपाठी ने बताया कि कार्यशाला में इतिहास संकलन योजना के 10 प्रकल्पों सहित अन्य विषयों पर विचार-विमर्श हुआ तथा वरिष्ठ पदाधिकारियों ने सभी का मार्गदर्शन किया। साथ ही, कार्य के संचालन के लिए 10 विषयों पर केंद्रित विशेष टीमों का गठन किया गया। निर्णय लिया गया कि प्रत्येक प्रांत में जिला युवा इतिहासकार प्रमुख के सहयोग से स्थानीय स्तर पर भी टीम का गठन किया जाएगा।

पीएम मोदी के नेतृत्व में देश के 11 साल सौभाग्यशाली रहे :शाहनवाज हुसैन

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र के 11 साल को सौभाग्यशाली बताया। समाचार एजेंसी से बात करते हुए शाहनवाज हुसैन ने कहा, 'पीएम मोदी के नेतृत्व में केंद्र में भाजपा के 11 साल स्वर्णिम साल हैं। पूरे देश में खुशी का माहौल है। पीएम मोदी भारत के लिए एक वरदान हैं। उनके नेतृत्व में भारत ने एक नई ऊंचाई प्राप्त की है। हर क्षेत्र में भारत को उपलब्धि मिली है। मैं पीएम मोदी और भारत सरकार को इसकी बधाई देता हूं।'

विपक्ष को घेरते हुए उन्होंने कहा, 'विपक्ष का काम आलोचना करने का है और वे आलोचना करते रहते हैं। किसी भी क्षेत्र में भारत पिछड़ा नहीं है। देश हर क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ा है।'दरअसल, नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री पद पर काबिज हुए 9 जून को 11 साल पूरे हो गए। भाजपा नेता पीएम मोदी के नेतृत्व में देश के 11 साल के कार्यकाल की जमकर तारीफ कर रहे हैं। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके एनडीए सरकार के 11 साल की खूबियां गिनाईं। उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में हम 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के मंत्र को लेकर आगे बढ़े और इसमें कामयाब भी हुए। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में जेपी नड्डा ने कहा, ÷पीएम मोदी के नेतृत्व में 11 साल तक विकसित भारत और अमृत काल के लिए जो काम किया गया, उसे सुनहरे अक्षरों में लिखा जाना चाहिए। क्योंकि किए गए काम अकल्पनीय और अद्वितीय हैं और हमें यह ध्यान में रखना चाहिए कि पीएम मोदी ने देश की राजनीति की संस्कृति को किस तरह से बदला है।' जेपी नड्डा ने पूर्व की सरकारों की खामियां

गिनाते हुए कहा, '2014 से पहले पिछली सरकार भ्रष्टाचार और नकारात्मकता से भरी हुई थी। लेकिन 2014 के बाद पीएम मोदी के नेतृत्व में यह भावना बदल गई। अब लोग गर्व से कहते हैं, मोदी है तो मुमकिन है। हम गरीबी हटाओ का नारा लेकर नहीं चले हैं, हमने गरीब कल्याण करके दिखाया है। आंकड़े इस बात का सबूत हैं। देश में 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। इसी तरीके से अति गरीबी में 80 प्रतिशत की कमी आई है।'

सीईसी ज्ञानेश कुमार स्टॉकहोम सम्मेलन में देंगे मुख्य भाषण, भारतीय प्रवासियों के साथ की मुलाकात

एजेंसी

नई दिल्ली।भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार स्वीडन में आयोजित होने वाले इंटरनेशनल आईडीईए स्टॉकहोम कॉन्फ्रेंस ऑन इलेक्टोरल इंटीग्रिटी में मुख्य भाषण देंगे। इस सम्मेलन का आयोजन 10-12 जून को किया जा रहा है। इससे पहले सीईसी ने स्वीडन में भारतीय प्रवासियों के साथ मुलाकात की। चुनाव आयोग ने एक बयान में कहा कि सीईसी ज्ञानेश कुमार ने भारतीय प्रवासियों के साथ मुलाकात में चुनाव आयोग की विभिन्न पहलों और कार्यक्रमों पर चर्चा की। उन्होंने ऑनलाइन वोटर रजिस्ट्रेशन सिस्टम और इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिशन ऑफ पोस्टल बैलेट मैनेजमेंट सिस्टम (ईटीपीबीएमएस) जैसी पहलों को उजागर किया, जो प्रवासी मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए डिज़ाइन की गई हैं।स्टॉकहोम सम्मेलन में दुनिया भर के चुनाव प्रबंधन निकायों के प्रमुख, नीति निर्माता और संस्थागत नेता एकत्र होंगे। इस सम्मेलन में डिजिटल व्यवधान, चुनावी सुरक्षा, जलवायु संबंधी जोखिम और चुनावों में आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस की भूमिका जैसे विषयों पर चर्चा की जाएगी। सीईसी ज्ञानेश कुमार की इस

यात्रा से भारत की वैश्विक लोकतांत्रिक सहयोग और चुनाव प्रबंधन में सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान की प्रतिबद्धता को और मजबूती मिलेगी। इस सम्मेलन में 50 से अधिक देशों के 100 से अधिक प्रतिभागी भाग ले रहे हैं।

सरकार अर्थव्यवस्था के तेजी से बढ़ने की बात कर रही, लेकिन रोजगार की बात नहीं कर रही : इमरान मसूद

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी के 11 साल पूरे होने को लेकर एक तरफ जहां भाजपा अपनी सरकार की इन 11 साल की उपलब्धियों को गिना रही है वहीं विपक्षी दलों के द्वारा इस पर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। जहां एक ओर भाजपा नेता केंद्र सरकार की उपलब्धियों को गिना रहे हैं, वहीं विपक्षी पीएम मोदी के 11 साल की आलोचना कर रहे हैं। इसी कड़ी में सहारनपुर के कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने पीएम मोदी के 11 साल के कार्यकाल की आलोचना की। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि सरकार अर्थव्यवस्था के तेजी से बढ़ने की बात तो कर रही है, लेकिन रोजगार की बात नहीं कर रही।

कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से कहा, सरकार बता रही है कि देश के 135 करोड़ लोगों में से 80 करोड़ लोग फ्री राशन पा रहे हैं, क्या ये आंकड़े सच्चे हैं? अगर ऐसा है तो यह विकसित या विकासशील देश की निशानी नहीं है। उन्होंने कहा, सरकार वक्फ संशोधन बिल को अपने उपलब्धियों के रूप में प्रचार कर रही है। वह यह बता दें कि वक्फ की संपत्तियों का क्या होगा? उन्होंने

सीएए के तहत कितने लोगों को नागरिकता देने और छीनने का काम कर दिया? सरकार 11 साल के अंदर पूरी तरह से फेल साबित हुई। हम विश्व गुरु बनने चले थे, लेकिन हालत यह हो गई कि संयुक्त राष्ट्र के आतंकवाद विरोधी उपसमिति में आतंकवाद को परोसने वाला मुल्क पाकिस्तान उसका उपाध्यक्ष बन रहा है। क्या हमारी यह विदेश नीति है? यह समय आत्ममंथन और आत्मचिंतन का है मसूद ने कहा, यूपीए की सरकार डॉलर की कीमत 63 रुपए पर छोड़कर गई थी, जो आज 86 पर चला गया। सरकार बता रही है कि हमारी अर्थव्यवस्था बढ़ गई, लेकिन रोजगार की बात नहीं कर रही। नौकरियों में वे आरक्षण को खत्म करने का काम कर रहे हैं। क्या किसान की आय दोगुनी हो गई? देश के अन्नदाता को वे एक वर्ग मानने को तैयार नहीं हैं।कांग्रेस सांसद ने कहा, महिलाओं के लिए रसोई बनाना मुश्किल हो गया। 400 रुपए के सिलेंडर को 1,000 रुपए कर दिया। जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटने से क्या वहां आतंकवाद खत्म हो गया? वहां पहलगाम जैसी आतंकी घटना कैसे हो गई? सबसे पहला काम आतंकवाद के मूल को खत्म करने का है। जब ऐसा समय आया तो सरकार ने सीजफायर कर दिया। अमेरिका से बटन दबा और पाकिस्तान के साथ सीजफायर हो गया।

सिंगापुर के कंटेनर पोत में विस्फोट के बाद आग लगी, चालक दल के 04 सदस्य लापता

एजेंसी

नई दिल्ली। कोलंबो बंदरगाह से मुंबई के न्हावा शेवा की ओर जा रहे सिंगापुर के ध्वज वाले कंटेनर पोत वान हाई 503 में सोमवार सुबह कोच्चि में बेपोर के तट से 88 समुद्री मील दूर विस्फोट के बाद आग लग गई। भारतीय तटरक्षक (आईसीजी) ने चालक दल के 18 सदस्यों को बचा लिया है, जबकि 04 सदस्य लापता हैं। जहाज फिलहाल पानी में है, लेकिन आईसीजी ने आग बुझाने के प्रयास शुरू कर दिए हैं। आईसीजी डोर्नियर विमान को जहाज के ऊपर निगरानी के लिए तैनात किया गया है। आईसीजी के कमांडर अमित उनियाल ने बताया कि सिंगापुर के ध्वज वाला कंटेनर पोत वान हाई 503 श्रीलंका के कोलंबो बंदरगाह से 06 जून को रवाना हुआ था, ?जिसे 09 जून को मुंबई के न्हावा शेवा बंदरगाह ?पहुंचना था। इस जहाज पर कुल 22 चालक दल के सदस्यों के साथ कंटेनर कार्गो थे। कोलंबो से न्हावा शेवा की ओर जा रहे जहाज ने आज सुबह लगभग 09?.30 बजे डेक के नीचे विस्फोट होने और बाद में आग लगने की सूचना दी। उस समय यह जहाज बेपोर के तट से 88 समुद्री मील दूर था। इसके बाद तत्काल भारतीय तटरक्षक के तीन जहाजों को मौके की ओर रवाना किया गया। आईसीजी के मुताबिक न्यू मंगलौर से आईसीजीएस राजदूत, कोच्चि से आईसीजीएस अर्नवेश और अगत्ती से आईसीजीएस सचेत को सहायता के लिए डायवर्ट करके चालक दल से संपर्क किया गया। दोपहर 12.40 बजे तक जहाज के अन्य कंटेनरों में भी आग लग गई, तो चालक दल के सदस्य जहाज छोड़कर लाइफ राफ्ट पर सवार हो गए। मुंबई के आईसीजी समुद्री बचाव समन्वय केंद्र ने एमवी वन मार्वल को भी भेजा, जिससे चालक दल के 18 सदस्य बच गए, जिसमें एक को गंभीर चोटें आई हैं। विस्फोट के समय से चालक दल के 04 सदस्य लापता हैं, जिनमें 02 ताइवानी, 01 इंडोनेशियाई और 01 म्यांमार के हैं। आईसीजी के डोर्नियर विमान को आकलन के लिए जहाज के ऊपर निगरानी करने के लिए तैनात किया गया है। आईसीजी के मुताबिक जहाज फिलहाल पानी में है और स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए भारतीय तटरक्षक बल ने आग बुझाने के प्रयास शुरू कर दिए हैं।

ऑडी इंडिया ने लाँच की नयी ऑडी ए4 सिग्नेचर संस्करण, कीमत 57.11 लाख रुपये

मुंबई। जर्मन लग्जरी कार निर्माता ऑडी ने आज अपनी लोकप्रिय सेडान ऑडी ए4 के नए सिग्नेचर संस्करण को भारतीय बाजार में लॉन्च करने की घोषणा की जिसकी एक्स शोरूम कीमत 57.11 लाख रुपये है। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि इस संस्करण में कुछ एक्सक्लूसिव डिजाइन एलिमेंट दिए गए हैं जो इसकी प्रीमियम स्टाइल और शानदार लुक को और भी आकर्षक बनाते हैं। नई ए4 सिग्नेचर में ऑडी रिंग्स एंट्री एलईडी लैंप, एक्सक्लूसिव ऑडी रिंग्स डेकल्स और डायनैमिक व्हील हब कैप्स जैसी खूबियां शामिल हैं। यह वैरिएंट उन ग्राहकों के लिए खासतौर पर तैयार किया गया है जो अपनी सेडान को स्टाइल और अलग पहचान के साथ खरीदना चाहते हैं। यह सिग्नेचर संस्करण सीमित यूनिट में उपलब्ध होगी।ऑडी इंडिया के प्रमुख बलबीर सिंह ढिल्लों ने इस मौके पर कहा ÷ऑडी ए4 हमारे सबसे लोकप्रिय सेडान मॉडलों में से एक है, जो शानदार परफॉर्मेंस और स्टाइलिश डिजाइन का बेहतरीन संयोजन पेश करती है। सिग्नेचर संस्करण के जरिये हम ग्राहकों को एक और एक्सक्लूसिव विकल्प दे रहे हैं, जिसमें आकर्षक स्टाइलिंग एलिमेंट्स इसके प्रीमियम लुक को और निखारते हैं। यह उन ग्राहकों के लिए है जो अपने वाहन के जरिये एक विशिष्ट स्टेटमेंट देना चाहते हैं।

एसपीएमसीआईएल ने 1200 करोड़ से अधिक बैंक नोट छापे: सीतारमण

नयी दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सेक्युरिटी प्रिंटिंग एंड मिंटिंग कार्पोरेशन ऑफ इंडिया (एसपीएमसीआईएल) के प्रदर्शन का उल्लेख करते हुये कहा कि एसपीएमसीआईएल ने वित्त वर्ष 2024-25 में 1,200 करोड़ से ज़्यादा बैंक नोट छापे और 150 करोड़ प्रचलन वाले सिक्के बनाए है।श्रीमती सीतारमण ने वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी की मौजूदगी में एसपीएमसीआईएल के कार्पोरेट कार्यालय का यहां शुभारंभ करते हुये कहा कि साथ ही 1.5 करोड़ से ज़्यादा पासपोर्ट बुकलेट और 700 करोड़ से ज़्यादा एक्साइज़ एडहेसिव लेबल तथा सरकारी एवं सार्वजनिक सेवाओं के लिए ज़रूरी डाक और सुरक्षा से जुड़ी विभिन्न श्रेणियों की स्टेशनरी भी बनाई। उन्होंने कहा कि एसपीएमसीआईएल की टकसालें कीमती धातुओं के शोधन और परख में अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन जारी रखे हुये हैं। वित्त वर्ष 2024-25 में एसपीएमसीआईएल ने केन्द्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड द्वारा हस्तांतरित जब्ती से लगभग 3.4 टन परिष्कृत सोना भारतीय रिज़र्व बैंक को दिया है। इसके अतिरिक्त उसने तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम, वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड और अन्य संस्थानों से प्राप्त चांदी और सोने को भी परिष्कृत किया।

चालू वित्त वर्ष में दोपहिया वाहनों की बिक्री में नौ प्रतिशत तक की वृद्धि की संभावना : केयरएज

मुंबई। उपभोक्ता भावना में सुधार, आयकर छूट और अनुकूल मौद्रिक नीतियों जैसी सकारात्मक आर्थिक परिस्थितियों की बदौलत वित्त वर्ष 2025-26 में देश का दोपहिया वाहन उद्योग आठ-नौ प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर के साथ कोविड-पूर्व बिक्री स्तरों को पार कर सकता है।केयरएज रेटिंग्स की जारी रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में मोटरसाइकिल की बिक्री में नौ प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई जबकि इसके पिछले वर्ष आठ प्रतिशत रही थी। वहीं, स्कूटर की बिक्री में उल्लेखनीय रूप से 17 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। यह सकारात्मक रुझान आगामी वर्ष में भी जारी रहने की उम्मीद है, हालांकि उच्च आधार प्रभाव और ओबीडी-द्धद्ध चरण-बी उत्सर्जन मानदंडों के लागू होने के चलते कुछ हद तक गति में नरमी आ सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि हालांकि वित्त वर्ष 2024-25 के उच्च आधार और ओबीडी-2 चरण-बी उत्सर्जन मानकों के प्रभाव से वृद्धि की गति कुछ हद तक धीमी पड़ सकती है, फिर भी समग्र परिदृश्य सकारात्मक बना हुआ है। मुद्रास्फीति में नरमी, 12 लाख रुपये तक की आय पर आयकर छूट से उपभोक्ताओं की क्रयशक्ति में वृद्धि और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा फरवरी और जून 2025 में कुल 150 आधार अंकों की ब्याज दर कटौती जैसे कारक मांग को बढ़ावा देने में सहायक होंगे। इसके अलावा अनुकूल मानसून की संभावना भी ग्रामीण मांग को प्रोत्साहित कर सकती है, जिससे बिक्री में और मजबूती आने की उम्मीद है।

फ्लाई91 सेन सोलापुर से गोवा के लिए शुरू की उड़ान सेवा

सोलापुर/ पणजी। आंचलिक मार्गों पर सेवायें दे रही एयरलाइन फ्लाई91 ने गोवा-सोलापुर-गोवा मार्ग पर परिचालन शुरू किया। एयरलाइन की ओर से जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार इस मार्ग पर उसकी पहली उड़ान का महाराष्ट्र में सोलापुर हवाई अड्डे पर पारंपरिक जल तोप की सलामी के साथ उद्घाटन किया गया। सोलापुर से गोवा के लिए फ्लाई91 की सेवा को केंद्रीय नागरिक उड्डयन और सहकारिता राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने समारोह पूर्वक हरी झंडी दिखा कर गोवा के लिए प्रस्थान कराया। समारोह में सोलापुर जिले के संरक्षक मंत्री जयकुमार गोरे, कई विधायक, प्रशासन , भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण और फ्लाई91 के अधिकारी उपस्थित थे। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस तथा उप मुख्यमंत्री अजित पवार और एकनाथ शिंदे ने इस अवसर पर शुभकामना संदेश भेजा था।

क्यूसीआई ने विश्व प्रत्यायन दिवस पर नया एनएबीएल पोर्टल लॉन्च किया

एजेंसी
नई दिल्ली। भारतीय गुणवत्ता परिषद (क्यूसीआई) ने विश्व प्रत्यायन दिवस 2025 को एक नए सिरे से तैयार किए गए एनएबीएल पोर्टल लॉन्च किया। क्यूसीआई ने इस अवसर पर गुणवत्ता और अनुरूपता के माध्यम से छोटे और मध्यम उद्यमों (एसएमई) को सशक्त बनाने पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित किया। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि नई दिल्ली स्थित इंडिया हैबिटेट सेंटर में विश्व प्रत्यायन दिवस 2025 पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में उद्योग जगत के नेता, नीति निर्माता और प्रत्यायन निकाय एक साथ आए और भारतीय एमएसएमई के लिए नवाचार, प्रतिस्पर्धात्मकता और बाजार पहुंच को बढ़ावा देने में प्रत्यायन की रणनीतिक भूमिका पर जोर दिया। इस आयोजन का मुख्य आकर्षण संशोधित एनएबीएल पोर्टल का

शुभारंभ करना था, जिसका उद्देश्य प्रत्यायन प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करना और विशेष रूप से प्रयोगशालाओं और एमएसएमई के लिए डिजिटल पहुंच को बढ़ाना है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव अमरदीप सिंह भाटिया, आईएएस ने सभा को संबोधित करते हुए भारतीय एसएमई को घरेलू और वैश्विक दोनों बाजारों तक पहुंच बनाने में सक्षम बनाने के लिए प्रत्यायन के महत्व को चिन्हित किया। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता को बनाए रखने, निर्यात को समर्थन देने और समावेशी एवं सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रमाणन और मूल्यांकन निकाय आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत @2047 के दृष्टिकोण के लिए महत्वपूर्ण हैं।

भारतीय गुणवत्ता परिषद के अध्यक्ष जैक्सय शाह ने अपने मुख्य भाषण में कहा कि मान्यता वैश्विक विश्वास का प्रवेश द्वार है। उन्होंने एमएसएमई को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप ढालने, अस्वीकृति दरों को कम करने, उत्पादकता बढ़ाने और नए बाजारों तक पहुंचने में मदद करने में इसकी भूमिका पर जोर दिया। उद्घाटन सत्र के बाद, एक तकनीकी सत्र और समवर्ती सीईओ फोरम में विशेषज्ञों के नेतृत्व में चर्चा हुई कि कैसे प्रत्यायन विभिन्न क्षेत्रों में एमएसएमई विकास को गति दे सकती है। पैनलिस्टों ने डायग्नोस्टिक इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर बनाने, अंतरराष्ट्रीय व्यापार को सक्षम बनाने, प्रमाणित प्रबंधन प्रणालियों और उत्पादों का समर्थन करने, तीसरे पक्ष के निरीक्षण को बढ़ावा देने, टिकाऊ विनिर्माण को आगे बढ़ाने और शुद्ध-शून्य लक्ष्यों में योगदान देने में मान्यता की भूमिका पर अंतर्दृष्टि साझा की।उल्लेखनीय है कि हर साल 9 जून को विश्व स्तर पर मनाया जाने वाला विश्व प्रत्यायन दिवस गुणवत्तापूर्ण बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, वैश्विक व्यापार को सक्षम बनाने और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में प्रत्यायन की भूमिका पर प्रकाश डालता है।

सीतारमण ने की एनआईआईएफ के प्रदर्शन की समीक्षा

एजेंसी
नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने यहां राष्ट्रीय निवेश एवं अवसंरचना कोष (एनआईआईएफ) के प्रदर्शन की समीक्षा की। श्रीमती सीतारमण ने इस मौके पर राष्ट्रीय निवेश एवं अवसंरचना कोष ट्रस्टी लिमिटेड की गवर्निंग काउंसिल की छठी बैठक की अध्यक्षता भी की। इसमें वित्त सचिव एवं आर्थिक मामलों के सचिव अजय सेठ, वित्तीय सेवा मामलों के सचिव एम. नागराजू, वित्त मंत्रालय तथाएन आई आई एफ के वरिष्ठ अधिकारियों के अलावा गवर्निंग काउंसिल के अन्य सदस्य शामिल थे। बैठक के दौरान मौजूदा एनआईआईएफ फंड के प्रदर्शन पर चर्चा की गई और वित्त मंत्री तथा अन्य काउंसिल के सदस्यों द्वारा एनआईआईएफ की मौजूदा रणनीति के साथ-साथ एक संस्था के रूप में एनआईआईएफ के भविष्य के दृष्टिकोण पर चर्चा की गई जिसमें एनआईआईएफ द्वारा जुटाए जाने वाले अगली पीढ़ी के फंड की प्रकृति और आकार और पूंजी जुटाने के लिए नए रास्ते तलाशना शामिल है। राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप भारतीय अर्थव्यवस्था के बुनियादी ढांचे और अन्य प्रमुख क्षेत्रों में पूंजी जुटाने में एनआईआईएफ की बढ़ती भूमिका को मान्यता देते हुए काउंसिल ने एनआईआईएफ के प्रदर्शन की सराहना की और इसके प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियों में विस्तार के बारे में बताया जो 30,000 करोड़ रुपए से अधिक हो गई है जबकि 11,7000 करोड़ रुपए की पूंजी को उत्प्रेरित किया है। काउंसिल को एनआईआईएफ की समग्र रणनीति, प्रगति, निवेश की स्थिति, क्षेत्र फोकस, प्रदर्शन और इसके चार सक्रिय फंडों में आगे की राह के बारे में जानकारी दी गई जिसमें बुनियादी ढांचे के लिए फंड (मास्टर फंड), फंड ऑफ फंड्स (प्राइवेट मार्केट्स फंड), जलवायु और स्थिरता के साथ-साथ भारत जापान कॉरिडोर (भारत जापान फंड) के लिए फंड, और ग्रोथ इक्विटी पर फोकस वाला फंड (स्ट्रैटेजिक ऑपर्च्युनिटीज फंड) शामिल है।

एचडीएफसी बैंक के सीईओ के खिलाफ एफआईआर, 2.05 करोड़ रुपये लेने का आरोप

एजेंसी
नई दिल्ली। मुंबई के लीलावती कीर्तिलाल मेहता मेडिकल ट्रस्ट ने एचडीएफसी बैंक के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) शशिधर जगदीशन के खिलाफ वित्तीय धोखाधड़ी की एफआईआर दर्ज कराई है। एचडीएफसी बैंक ने इन आरोपों को बेबुनियाद और दुर्भावनापूर्ण बताते हुए खारिज कर दिया है।

बैंक ने एक बयान में बताया है कि लीलावती कीर्तिलाल मेडिकल ट्रस्ट के आरोपों को सिरे से ख़ारिज करते हुए कहा है कि वो अपने सीईओ के साथ खड़ा है। इस मामले में हर कानूनी रास्ता अपनाएगा।

इस बीच मेहता परिवार ने एचडीएफसी बैंक में शशिधर जगदीशन को सभी भूमिकाओं से निलंबित करने की मांग की है और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) जैसी नियामक संस्थाओं से कार्रवाई करने का आग्रह किया है। मुंबई के

प्रसिद्ध लीलावती अस्पताल की देखरेख करने वाले ट्रस्ट ने वित्तीय धोखाधड़ी का आरोप लगाया था, जिसके बाद बॉम्बे मजिस्ट्रेट कोर्ट के आदेश पर एक एफआईआर दर्ज की गई थी। ट्रस्ट का दावा है कि शशिधर जगदीशन ने उनके एक पूर्व मेंबर से 2.05 करोड़ रुपये लिए, जिसका मकसद ट्रस्ट के एक मौजूदा मेंबर के पिता को परेशान करना था। एफआईआर में एचडीएफसी बैंक के वरिष्ठ अधिकारी और पूर्व कर्मचारियों सहित अन्य पर ट्रस्ट से जुड़े फंड का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया गया है।

डीआरआई ने मणिपुर में 55.52 करोड़ रुपये की ड्रग्स और नकदी जब्त की, पांच गिरफ्तार

एजेंसी
नई दिल्ली। मणिपुर में राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई), सीमा शुल्क, असम राइफल्स और मणिपुर पुलिस के संयुक्त अभियान के दौरान करीब 55.52 करोड़ रुपये की ड्रग्स और नकदी जब्त की गई। इस मामले में पांच लोगों की गिरफ्तार भी हुई है।

वित्त मंत्रालय के मुताबिक पूर्वोत्तर क्षेत्र में तस्करी और तस्करी के खिलाफ लड़ाई जारी रखते हुए डीआरआई, सीमा शुल्क, 17 बीएन असम राइफल्स और मणिपुर पुलिस की संयुक्त टीम ने 5-7 जून को मणिपुर के चुराचांदपुर जिले के सीमावर्ती क्षेत्रों में ऑपरेशन व्हाइट वेल नामक एक विशेष अभियान चलाया। इस दौरान करीब 55.52 करोड़ रुपये की ड्रग्स और नकदी जब्त की गई, जबकि पांच लोगों की गिरफ्तार हुई है।मंत्रालय के मुताबिक अधिकारियों की संयुक्त टीम ने इस अभियान के दौरान 54.29 करोड़ रुपये की 7,755.75 ग्राम हेरोइन और 87.57 लाख रुपये बाओफेंग वॉकी-टॉकी और 1 मारुति ईको वैन जब्त की गई है। पांच लोगों को गिरफ्तार करके

की 6,736 ग्राम अफीम जब्त की है, जिसकी कीमत अंतरराष्ट्रीय ग्रे ड्रग मार्केट में 35.63 लाख रुपये बताई गई है। इस दौरान दो उनके खिलाफ नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट, 1985 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

केंद्र ने सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिकी विनिर्माण को बढ़ावा देने को एसईजेड सुधारों को अधिसूचित किया

एजेंसी
नई दिल्ली।केंद्र सरकार ने सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स घटक विनिर्माण क्षेत्रों की विशेष आवश?यकताओं को पूरा करने के लिए विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) नियमों में अग्रणी सुधार को अधिसूचित किया है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि एसईजेड नियम, 2006 के नियम 5 में संशोधन के बाद विशेष रूप से सेमीकंडक्टर या इलेक्ट्रॉनिक घटकों के विनिर्माण को लेकर स्थापित किए जाने वाले एसईजेड के लिए न्यूनतम 10 हेक्टेयर भूमि की आवश्यकता होगी, जो पहले 50 हेक्टेयर की आवश्यकता से कम है। इन संशोधनों को वाणिज्य विभाग ने 3 जून, 2025 को अधिसूचित किया है। इन संशोधनों से देश में उच्च तकनीक विनिर्माण को बढ़ावा मिलेगा, सेमीकंडक्टर विनिर्माण परितंत्र का विकास होगा और देश में उच्च

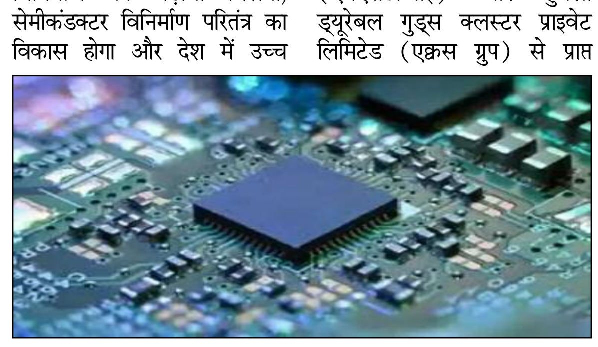

कौशल वाली नौकरियां पैदा होंगी। मंत्रालय के मुताबिक एसईजेड के लिए अनुमोदन बोर्ड ने सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक घटकों के विनिर्माण एसईजेड की स्थापना के लिए क्रमशः माइक्रोन सेमीकंडक्टर टेक्नोलॉजी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एमएसटीआई) और हुबली ड्यूरेबल गुड्स क्लस्टर प्राइवेट लिमिटेड (एक्रस ग्रुप) से प्राप्त प्रस्तावों को मंजूरी दे दी गई है। माइक्रोन गुजरात के साणंद में 37.64 हेक्टेयर क्षेत्र में 13,000 करोड़ रुपये के अनुमानित निवेश से अपना विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) स्थापित करेगी, जबकि एक्रस कर्नाटक के धारवाड़ में 11.55 हेक्टेयर क्षेत्र में 100 करोड़ रुपये के अनुमानित निवेश से इलेक्ट्रॉनिकी घटकों के विनिर्माण के लिए अपना एसईजेड स्थापित करेगी।

उल्लेखनीय है कि इसके अलावा एसईजेड नियम, 2006 के नियम 7 में संशोधन से एसईजेड के लिए अनुमोदन बोर्ड को एसईजेड भूमि को केंद्र या राज्य सरकार या उनकी अधिकृत एजेंसियों के पास बंधक या पट्टे पर दिए जाने के मामले में ऋण-मुक्त होने की शर्त में भी ढील दी गई है। संशोधित नियम 53 के तहत निःशुल्क आधार पर प्राप्त और आपूर्ति की गई वस्तुओं के मूल्य को शुद्ध विदेशी मुद्रा (एनएफई) गणना में शामिल किया जाएगा और लागू सीमा शुल्क मूल्यांकन नियमों का उपयोग करके उसका मूल्यांकन किया जाएगा।

एरिक्सन को भारती एयरटेल से मिला बहु-वर्षीय प्रबंधित सेवा अनुबंध

एजेंसी
नई दिल्ली।दूरसंचार कंपनियों के लिए उपकरण बनाने वाली प्रमुख कंपनी एरिक्सन को भारती एयरटेल द्वारा बहु-वर्षीय केंद्रीकृत नेटवर्क संचालन केंद्र (एनओसी) प्रबंधित सेवा (एमएस) अनुबंध मिला है। कंपनी ने यहां कहा कि यह अनुबंध दोनों कंपनियों के बीच दीर्घकालिक साझेदारी को और मजबूत करता है। यह रणनीतिक समझौता प्रबंधित सेवाओं में एरिक्सन के नेतृत्व को रेखांकित करता है और एयरटेल ग्राहकों को असाधारण मूल्य प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। इस समझौते के तहत एरिक्सन अपने एनओसी द्वारा संचालित इरादे-आधारित संचालन को सक्षम करेगा, ताकि 4जी, 5जी एनएसए, 5जी एसए, फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस , निजी नेटवर्क और नेटवर्क स्लाइसिंग में एयरटेल सेवाओं का प्रबंधन किया जा सके। इस साझेदारी में एरिक्सन देश भर में फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस और नेटवर्क स्लाइसिंग को बढ़ाते हुए अपने अत्याधुनिक एनओसी के माध्यम से एयरटेल के पूरे देश में नेटवर्क का प्रबंधन करेगा। भारती एयरटेल के साथ एरिक्सन की 25 साल से अधिक पुरानी साझेदारी, मोबाइल संचार प्रौद्योगिकी की कई पीढ़ियों को शामिल करती है। यह घोषणा 5जी विकास को आगे बढ़ाने के लिए 5जी कोर पर भारती एयरटेल के एरिक्सन के साथ सहयोग के तुरंत बाद की गई है।

पेटीएम ने लॉन्च की पर्सनलाइज्ड यूपीआई आईडी सुविधा, ऐसे करें इस्तेमाल

एजेंसी
नई दिल्ली।ऑनलाइन भुगतान और वित्तीय सेवा वितरण कंपनी पेटीएम ने व्यक्तिगत यूपीआई आईडी लॉन्च किया है।ये सुविधा भुगतान गोपनीयता को बढ़ाएगी और मोबाइल नंबर के खुलासे को रोकेगी। पेटीएम की इस नई सर्विस के तहत अब उपभोक्ता अपनी पर्सनलाइज्ड यूपीआई आईडी बना सकते हैं। पेटीएम की इस नई सर्विस से यूजर्स अपने मोबाइल नंबर को प्राइवेट रख सकते हैं, जिससे उनकी प्राइवेसी बढ़ेगी। पेटीएम की नई पेशकश नई पर्सनलाइज्ड यूपीआई आईडी में आप नाम@ptyes और नाम@pta&is जैसी UPI आईडी भी बना सकते हैं, जिससे कोई व्यक्ति अपने मोबाइल नंबर बताए बिना पैसे भेज और प्राप्त कर सकते हैं। ये सुविधा वर्तमान में यस बैंक और एक्सिस बैंक द्वारा जारी किए गए हैंडल पर लाइव है और जल्द ही इसे

अन्य बैंकिंग भागीदारों तक बढ़ाया जाएगा। पेटीएम की इस नई सर्विस के तहत अब उपभोक्ता अपनी पर्सनलाइज्ड यूपीआई आईडी बना सकते हैं। पेटीएम की इस नई सर्विस से यूजर्स अपने मोबाइल नंबर को प्राइवेट रख सकते हैं, जिससे प्राइवेसी बढ़ती है। पेटीएम के मुताबिक व्यक्तिगत यूपीआई आईडी के साथ पेटीएम का लक्ष्य अधिक गोपनीयता प्रदान करना है। कंपनी का कहना है कि जब कोई उपयोगकर्ता अपने व्यक्तिगत यूपीआई आईडी का उपयोग करके पैसे भेजता या प्राप्त करता है, तो उसका मोबाइल नंबर लेन-देन विवरण से छिपा रहता है। कंपनी का दावा है कि यह व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा करता है, जबकि व्यक्तियों को एक अद्वितीय और आसानी से पहचाने जाने योग्य भुगतान पहचान बनाने की अनुमति देता है। पेटीएम के प्रवक्ता ने कहा, हमने भुगतान में अधिक विकल्प और गोपनीयता प्रदान करने के लिए व्यक्तिगत यूपीआई आईडी पेश की है। प्रवक्ता ने कहा कि हमने अपने ग्राहकों से प्रतिक्रिया सुनी जो अपने मोबाइल नंबर को निजी रखना चाहते थे और इस जरूरत को पूरा करने के लिए यह समाधान बनाया। हम विचारशील नवाचारों को विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो भुगतान को सभी के लिए सुरक्षित और अधिक सुविधाजनक बनाते हैं।

स्टेट बैंक ने सरकार को दिया 8076.84 करोड़ रुपये का लाभांश

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने 8,076.84 करोड़ रुपये के लाभांश का चेक सौंपा।

इस अवसर पर वित्त सचिव अजय सेठ और वित्तीय सेवाएं विभाग (डीएफएस) सचिव एम. नागराजू भी मौजूद रहे। वित्त मंत्री कार्यालय ने एक बयान में बताया कि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के अध्यक्ष सी. श्रीनिवास सेट्टी से केंद्रीय वित्त मंत्री को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 8,076.84 करोड़ रुपये का लाभांश चेक प्राप्त हुआ। ये राशि पिछले वित्त वर्ष 2023-24 के 6,959 करोड़ रुपये के लाभांश से अधिक है, जो एसबीआई के उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है। उल्लेखनीय है कि भारतीय स्टेट बैंक

एक भारतीय बहुराष्ट्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक के साथ वित्तीय सेवा निकाय है। इसका मुख्यालय मुंबई में है। बैंक की परिसंपत्तियों के हिसाब से 23 फीसदी बाजार हिस्सेदारी है, जबकि कुल ऋण और जमा बाजार में इसकी हिस्सेदारी 25 फीसदी है। यह करीब 250,000 कर्मचारियों के साथ भारत का दसवां सबसे बड़ा नियोक्ता भी है।

अधिकांश खाद्य तेल सस्ते

एजेंसी
नई दिल्ली।विदेशी बाजारों के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में अधिकांश खाद्य तेल 953 रुपये प्रति क्विंटल तक सस्ते हो गए जबकि अन्य जिंसों के भाव स्थिर रहे।

तेल-तिलहनः वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का जून वायदा 14 रिंगिट बढ़कर 3925 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। वहीं, जून का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.02 सेंट की गिरावट के साथ 47.49 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान घरेलू बाजार में अधिकांश खाद्य तेलों में तेजी का रुख रहा। मूंगफली तेल 110 रुपये, सोया रिफाइंड 219 रुपये, पाम ऑयल 521 रुपये और वनस्पति तेल के भाव 953 रुपये प्रति क्विंटल लुढ़क गए। वहीं, सरसों तेल और सूरजमुखी तेल में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टीके रहे।

दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चना, दाल चना, मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

अनाजः अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान चावल और गेहूं के दाम पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़े रहे।

मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी

एजेंसी
नई दिल्ली। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन ही घरेलू शेयर बाजार ने मजबूती के साथ कारोबार का अंत किया। आज के कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ हुई थी। लगभग पूरे दिन बाजार में लिवालों और बिकवालों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश चलती रही, जिसके कारण शेयर बाजार की चाल भी लगातार ऊपर नीचे होती रही। इसके बावजूद सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक लगातार हरे निशान में ही बने रहे। दिनभर की खरीद बिक्री के बाद सेंसेक्स 0.31 प्रतिशत और निफ्टी 0.40 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।आज के कारोबार के दौरान रियल्टी सेक्टर को छोड़कर शेष सभी सेक्टोरल इंडेक्स मजबूती के साथ हरे निशान में बंद हुए। सबसे अधिक तेजी बैंकिंग, आईटी और मीडिया सेक्टर के शेयरों में दर्ज की गई। इसके अलावा कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्युरेबल्स, हेल्थ केयर, टेक, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, ऑयल एंड गैस और मेटल इंडेक्स भी मजबूती के साथ हरे निशान में बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.03 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.19 प्रतिशत की बढ़त के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 4 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 455.08 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी कारोबारी दिन यानी इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 451.13 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 3.95 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,335 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,805 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,399 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 131 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,642 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,870 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 772 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 22 शेयर बढ़त के साथ और 8 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 39 शेयर हरे निशान में और 11 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 385.56 अंक की मजबूती के साथ 82,574.55 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी का जोर बन गया, जिसके कारण दोपहर 11 बजे के थोड़ी देर पहले ही ये सूचकांक 480.01 अंक की तेजी के साथ 82,669 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में मुनाफा वसूली के चक्कर में बिकवाली शुरू हो गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण दोपहर 2ः30 बजे के करीब ये सूचकांक गिर कर 82,369.24 अंक तक आ गया। इस गिरावट के बाद एक बार फिर खरीदारों ने जोर लगाया, जिससे सेंसेक्स 256.22 अंक की तेजी के साथ 82,445.21 अंक के स्तर पर बंद होने में सफल रहा। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 157.05 अंक उछल कर 25,160.10 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद लिवालों और बिकवालों के बीच खींचतान शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में भी उतार-चढ़ाव होने लगा।

म्यूनिख विश्व कप के पहले दिन युवा निशानेबाजों पर रहेंगी निगाहें, महिला एयर राइफल व पुरुष एयर पिस्टल स्पर्धा के होंगे फाइनल

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय शूटिंग खेल महासंघ (आईएसएसएफ) के इस सीजन के तीसरे विश्व कप राइफल/पिस्टल चरण की शुरुआत मंगलवार, 10 जून को म्यूनिख के प्रतिष्ठित ओलंपिक शूटिंग रेंज में होगी। पहले दिन महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल और पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धाओं के फाइनल्स आयोजित किए जाएंगे, जिनमें भारत के कई युवा निशानेबाज़ अपने पहले विश्व कप की चुनौती में उतरेंगे। भारत की ओर से महिला एयर राइफल में राष्ट्रीय चैंपियन अनन्या नायडू पहली बार विश्व कप स्तर पर प्रतिस्पर्धा करेंगी। उनके साथ आर्या बोरसे, जिन्होंने सीजन के पहले दो विश्व कप चरणों में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो मिश्रित टीम रजत पदक जीते हैं, इस स्पर्धा में उतरेंगी। अनुभवी एलावेनेल वलारिवन सीनियर नेतृत्व की भूमिका में रहेंगी। पुरुष एयर पिस्टल में आदित्य मलरा और निशांत रावत पहली बार इस अंतरराष्ट्रीय मंच पर उतरेंगे। साथ ही वरुण तोमर, जो चार बार के विश्व कप पदक विजेता हैं, अनुभव के साथ युवा खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करेंगे। राष्ट्रीय राइफल कोच दीपाली देशपांडे ने कहा, म्यूनिख की रेंज भारतीय निशानेबाजों के लिए जानी-पहचानी है। प्रशिक्षण के दौरान सभी निशानेबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया है और वे पूरी तरह तैयार हैं। वहीं, पिस्टल कोच समरेश जंग ने कहा, ÷खिलाड़ी फिट और मानसिक रूप से तैयार हैं। प्रतिस्पर्धा कठिन है लेकिन यदि हम अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन करें तो निश्चित रूप से पदक की दौड़ में रहेंगे।

दस वर्षीय अतीका मीर ने रचा इतिहास, रोटैक्स यूरो ट्रॉफी में शीर्ष 10 में स्थान बनाने वाली पहली भारतीय

त्रिनेक (चेक गणराज्य)। भारत की 10 वर्षीय रेसिंग प्रतिभा अतीका मीर ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। उन्होंने प्रतिष्ठित रोटैक्स यूरो ट्रॉफी के दूसरे चरण में शानदार प्रदर्शन करते हुए नौवें स्थान पर समाप्ति की और इस प्रतियोगिता के शीर्ष 10 में स्थान बनाने वाली पहली भारतीय बन गईं। स्टील रिंग सर्किट पर आयोजित इस प्रतियोगिता में अक्सेल जीपी टीम का प्रतिनिधित्व कर रहीं अतीका ने प्रारंभिक समय निर्धारण (क्वालिफाइंग) में अपने समूह में सातवां स्थान हासिल किया। हालांकि, बाद की तीन हीट दौरों में उन्हें दो बम्पर दंड मिले, फिर भी उन्होंने दसवें स्थान पर रहते हुए आगे का चरण पार किया। रविवार को पूर्व-फाइनल के दौरान बारिश होने लगी, और इस मार्ग पर गीली सतह में बिना किसी पूर्व अनुभव के, अतीका ने अपनी असाधारण प्राकृतिक प्रतिभा का प्रदर्शन किया और विश्व के श्रेष्ठ चालकों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा करते हुए अंतिम चरण के लिए स्थान सुरक्षित किया। अंतिम दौड़ और भी कठिन परिस्थितियों में हुई। अतीका ने दसवें स्थान से आरंभ किया, लेकिन शुरुआत में चार स्थान पिछड़ने के बाद जबरदस्त वापसी करते हुए नौवें स्थान पर समाप्त किया। अतीका न केवल भारत की ओर से, बल्कि एशिया की ओर से भी सबसे आगे रहने वाली चालक रहीं।

बीसीसीआई ने घोषित किया घरेलू सीजन और साउथ अफ्रीका-ए सीरीज का संशोधित कार्यक्रम

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने 2025 के अंतरराष्ट्रीय घरेलू सीजन और साउथ अफ्रीका ए टीम के भारत दौरे के लिए संशोधित कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। टीम इंडिया (सीनियर पुरुष) इस दौरान वेस्टइंडीज और साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट, वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगी। वेस्टइंडीज के खिलाफ आईडीएफसी फर्स्ट बैंक टेस्ट सीरीज 2 अक्टूबर से अहमदाबाद में शुरू होगी। इस सीरीज का दूसरा टेस्ट, जो पहले कोलकाता में होना था, अब दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाएगा। साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहला टेस्ट मैच 14 नवंबर से शुरू होगा, जिसे दिल्ली से बदलकर अब कोलकाता के ईडन गार्डन्स में शिफ्ट कर दिया गया है। महिला क्रिकेट टीम के लिए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली आईडीएफसी फर्स्ट बैंक वनडे सीरीज के वेन्यू भी बदले गए हैं। चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में आउटफील्ड और पिचों के मरम्मत कार्य के चलते यह बदलाव किया गया है। अब सीरीज के पहले दो वनडे मैच न्यू चंडीगढ़ के नए पीसीए स्टेडियम में होंगे, जबकि तीसरा और अंतिम मैच दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाएगा।

ओलंपिक विजेता मैरी टकर ने कहा- एथलीट्स को तराशने का सुनहरा मौका है शूटिंग लीग ऑफ इंडिया

नई दिल्ली। शूटिंग लीग ऑफ इंडिया (एसएलआई) की पहली आधिकारिक घोषणा ने जहां देश में खेल प्रेमियों के बीच उत्साह पैदा किया है, वहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर के एथलीट भी इस नए प्रारूप को लेकर काफी उत्साहित हैं। टोक्यो ओलंपिक की सिल्वर मेडलिस्ट और अमेरिका की स्टार शूटर मैरी टकर ने इस लीग में हिस्सा लेने की अपनी उत्सुकता जाहिर की है। 23 वर्षीय टकर एनसीएए के तहत यूनिवर्सिटी ऑफ केंटकी और वेस्ट वर्जीनिया यूनिवर्सिटी की ओर से खेल चुकी हैं। वह जर्मनी की बुंदेसलीगा में साल्टेंडॉर्फ क्लब का हिस्सा रही हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें टीम फॉर्मेट में खेलने का अनुभव है और यही चीज उन्हें एसएलआई की ओर आकर्षित कर रही है। मैरी ने एक आधिकारिक बयान में कहा, मैं लीग्स को लेकर हमेशा उत्साहित रहती हूं। एनसीएए और बुंदेसलीगा में खेलने का अनुभव मुझे टीम भावना की अहमियत सिखा चुका है।

निकोलस पूरन ने सिर्फ 29 की उम्र में लिया अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास

एजेंसी

नई दिल्ली । वेस्टइंडीज के विकेटकीपर-बल्लेबाज निकोलस पूरन ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया है। पूरन के अचानक लिए गए इस फैसले ने उनके फैंस को हैरान कर दिया है। आईसीसी ने मंगलवार को इसकी पुष्टि की है। कुछ दिनों पहले ही साउथ अफ्रीका के विकेटकीपर-बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन ने इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कहने की घोषणा की थी, जिसके बाद एक और मशहूर विकेटकीपर-बल्लेबाज का संन्यास क्रिकेट प्रेमियों को चौंका गया। 29 वर्षीय निकोलस पूरन ने संन्यास का ऐलान करते हुए अपने इंस्टाग्राम पर लिखा, ÷मैंने काफी सोचने और विचार-विमर्श करने के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास का ऐलान किया है। यह खेल जिससे हम प्यार करते हैं, उसने बहुत कुछ दिया है और देता रहेगा। मैरून जर्सी पहनना, एंथम के लिए खड़े होना,

और हर बार मैदान पर उतरते समय अपना सब कुछ देना... इसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है कि इसका मेरे लिए क्या मतलब है। टीम का कप्तान होना एक ऐसा सौभाग्य है, जिसे मैं हमेशा अपने दिल के करीब रखूंगा। उन्होंने आगे लिखा, फैंस के लिए- आपके अटूट प्यार के लिए धन्यवाद। आपने मुश्किल पलों में मुझे संभाला और बेहतरीन जुनून के साथ अच्छे पलों का जश्न मनाया। अपने परिवार, दोस्तों और टीम के साथियों के लिए मैं कहना चाहूंगा कि मेरा साथ देने के लिए धन्यवाद। आपके विश्वास और समर्थन ने मुझे इन सब के जरिए आगे बढ़ाया। निकोलस पूरन ने 2014 के अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप में वेस्टइंडीज का प्रतिनिधित्व किया था, जिसके दो साल बाद उन्हें टी20आई फॉर्मेट में सीनियर टीम की ओर से इंटरनेशनल डेब्यू करने का मौका मिला। इसके बाद 2018 में पूरन ने वनडे फॉर्मेट में डेब्यू किया। शानदार प्रदर्शन को देखते हुए बाएं हाथ के इस खिलाड़ी को विश्व कप 2019 के लिए टीम में मौका मिला। साल 2021 में पूरन पुरुष टी20 वर्ल्ड कप के लिए कैरेबियन टीम के उप-कप्तान बने और साल 2022 में दोनों व्हाइट बॉल फॉर्मेट में कप्तानी की बागडोर संभाली। निकोलस पूरन ने वेस्टइंडीज के लिए सिर्फ व्हाइट बॉल क्रिकेट ही खेला। उन्होंने 61 वनडे मुकाबलों में पूरन के नाम 39.66 की औसत के साथ 1983 रन हैं। इस दौरान पूरन ने तीन शतक और 11 अर्धशतक जड़े हैं। 106 टी20आई मुकाबलों में इस खिलाड़ी ने 13 अर्धशतक की मदद से 2275 रन बनाए। इस फॉर्मेट में उनका औसत 26.14 रहा।

पैरा केनो एशियाई चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे भिंड के खिलाड़ी

एजेंसी

भिण्ड। रियांग पटाया थाईलैंड में आगामी 12 जून से 16 जून तक होने वाली पैरा केनो एशियाई चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाडियों में चार एथलीट भिंड जिले से भी होंगे। यह बात भिंड किशोरी बोट क्लब संरक्षक और मध्य प्रदेश कयाकिंग कैनोइंग उपाध्यक्ष राधे गोपाल यादव ने बताई। उन्होंने बताया व्हीएल-1 में पूजा ओझा, व्हीएल-3 में अनुराधा श्रीवास व्हीएल-2 राजवीर सिंह और व्हीएल-3 में राधेश्याम यादव गौरी सरोवर स्थित भिंड किशोरी बोट क्लब से निकलकर अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए भिंड का नाम रोशन कर रहे हैं। राष्ट्रीय टीम के चीफ कोच मयंक ठाकुर, और अनिल राठी ने इन खिलाडियों को राष्ट्रीय प्रशिक्षण कैंप के माध्यम से अभ्यास से और निखारा है। जिसकी वजह से पूरी संभावना है कि यह अपना प्रदर्शन पिछले प्रदर्शन से बेहतर करके पूरे भारत को मेडल दिलाएंगे। उन्होने बताया कि प्रत्येक खिलाड़ी 2 इवेंट में भाग लेगा जो 200 मीटर और 500 मी की र्सपधाए होगी। भारत से भारतीय टीम थाईलैंड के लिए निकल गई है जिसमें 22 खिलाड़ी और आठ सपोर्टिंग स्टाफ उनके साथ गया है। एशियाई चैंपियनशिप में भागीदारी के लिए चारों खिलाडियों को भिंड कयाकिंग कैनोइंग एसोशिएसन के पदाधिकारी राधे गोपाल यादव ,कुलदीप कुशवाह, डॉक्टर योगेंद्र यादव ,राहुल मिश्रा, गगन शर्मा ,राहुल यादव भूरे , पैरा एशियन गेम्स मेडलिस्ट गजेंद्र कुशवाह ,विजय यादव और निश्छल यादव ने बधाई दी है।

मैनचेस्टर सिटी ने वुल्व्स से डिफेंडर रयान एइत-नूरी को किया साइन

एजेंसी

लंदन। मैनचेस्टर सिटी ने अल्जीरियाई लेफ्ट-बैक रयान एइत-नूरी को वुल्वरहैम्प्टन वांडरर्स से साइन कर लिया है। एइत-नूरी ने मेडिकल परीक्षण पास करने के बाद क्लब के साथ पांच साल का करार किया है। यह डील 3.1 करोड़ पाउंड (लगभग 42 मिलियन अमेरिकी डॉलर) में पूरी हुई है। मैनचेस्टर सिटी की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, क्लब को यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि वुल्वरहैम्प्टन वांडरर्स से रयान एइत-नूरी को साइन कर लिया गया है। 24 वर्षीय लेफ्ट-बैक ने एतिहाद स्टेडियम में 2030 की गर्मियों तक के लिए पांच साल का अनुबंध किया है। एइत-नूरी ने अपने बयान में कहा, यह एक आसान फैसला था। शुरुआत से ही मेरी और मेरे परिवार की पसंद मैनचेस्टर सिटी थी। मुझे इस टीम का खेलने का तरीका बहुत पसंद है। यहां आकर मुझे बहुत खुशी हो रही है - यह मेरे लिए एक बड़ा सम्मान है। उन्होंने आगे कहा, हम जानते हैं कि यह टीम बीते कुछ वर्षों से दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम रही है। खिलाड़ी शानदार हैं और कोच पेप गार्डियोला भी अद्भुत हैं - उनके साथ ट्रेनिंग करना

मेरे लिए सौभाग्य की बात होगी। मैं यहां सीखने और अपना सर्वश्रेष्ठ देने आया हूं। गौरतलब है कि पिछले सीजन में मैनचेस्टर सिटी के पास कोई विशेषज्ञ लेफ्ट-बैक नहीं था, ऐसे में एइत-नूरी टीम को संतुलन देने का काम करेंगे। वह इस गर्मियों में क्लब के पहले साइनिंग हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, एइत-नूरी का करार समय पर पूरा हो गया है और वह 18 जून को फिलाडेल्फिया में मोरक्कन क्लब वायदाद एसी के खिलाफ होने वाले फीफा क्लब विश्व कप मुकाबले में भाग ले सकेंगे।

धोनी, हेडन, टेलर और मीर आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी, ऑस्ट्रेलिया के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज़ मैथ्यू हेडन, इंग्लैंड की स्टार विकेटकीपर सारा टेलर और पाकिस्तान की दिग्गज ऑलराउंडर सना मीर सहित सात दिग्गज क्रिकेटरों को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया है। इनके अलावा दक्षिण अफ्रीका के हाशिम अमला और ग्रीम स्मिथ तथा न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान डेनियल विटोरी को भी इस प्रतिष्ठित सूची में स्थान मिला है। खास बात यह रही कि सना मीर इस सम्मान को पाने वाली पाकिस्तान की पहली महिला क्रिकेटर बनी हैं।

सना मीर: पाकिस्तान महिला क्रिकेट की मिसाल

सना मीर ने 2005 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम रखा था और 120 वनडे तथा 106 टी20 मैचों में पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने 72 वनडे और 65 टी20 में टीम की कप्तानी की। एशियन गेम्स 2010 और 2014 में पाकिस्तान को दो स्वर्ण पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाई। मीर ने 151 वनडे विकेट लिए और 2018 में आईसीसी की वनडे गेंदबाज़ी रैंकिंग में शीर्ष स्थान भी हासिल किया था। सम्मान प्राप्त करने के बाद मीर ने भावुक होकर कहा, एक छोटे से सपने से शुरू होकर यहां तक पहुंचना किसी चमत्कार से कम नहीं है। यह सम्मान मेरे लिए अविश्वसनीय है और मैं खेल को आगे भी अपना योगदान देती रहूंगी।

महेंद्र सिंह धोनी: एक युग का नेतृत्व

धोनी ने 2007 में भारत को पहला टी20 विश्व कप जिताया और फिर 2011 में वनडे विश्व कप में विजयी छक्का लगाकर भारत को घरेलू सरजमीं पर पहली बार चैंपियन बनाया। 2013 में उनकी कप्तानी में भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी भी जीती, और वह तीनों आईसीसी श्वेत-बॉल ट्रॉफी जीतने वाले इकलौते कप्तान बने। 350 वनडे में उन्होंने 10,000 से अधिक रन बनाए और 50 से ऊपर की औसत से अपने करियर का समापन किया। धोनी ने कहा, आईसीसी हॉल ऑफ फेम में नाम जुड़ना मेरे करियर का एक अत्यंत गौरवपूर्ण क्षण है। यह सम्मान मैं हमेशा संजोकर रखूंगा।

मैथ्यू हेडन:आक्रामकता का प्रतीक

ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज हेडन 2003 और 2007 की विश्व विजेता टीमों का हिस्सा रहे। उन्होंने 2007 विश्व कप में तीन शतक लगाए और टेस्ट क्रिकेट में 30 शतक के साथ 50 से अधिक की औसत से रिटायर हुए।

हाशिम अमला और ग्रीम स्मिथ: दक्षिण अफ्रीका की शान

अमला दक्षिण अफ्रीका के पहले बल्लेबाज़ थे जिन्होंने टेस्ट में तिहरा शतक जड़ा (311* बनाम इंग्लैंड, 2012)। उन्होंने सभी प्रारूपों में मिलाकर 55 से अधिक शतक बनाए।

विश्व रैपिड और ब्लिट्ज़ टीम चैम्पियनशिप में वापसी करेंगे विश्वनाथन आनंद

एजेंसी

लंदन। पांच बार के विश्व शतरंज चैम्पियन विश्वनाथन आनंद एक बार फिर एक्शन में नजर आएंगे। वे विश्व रैपिड और ब्लिट्ज टीम चैम्पियनशिप में 'फ्रीडम' टीम का हिस्सा होंगे, जिसका नेतृत्व खुद फिडे के सीईओ एमिल सुटोव्स्की कर रहे हैं। आनंद अपनी टीम में अकेले भारतीय खिलाड़ी हैं। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में सबसे बड़ी दावेदार मानी जा रही ड्ढक्र चेस टीम की कमान रूस के इयान नेपोम्नियाची के हाथों में होगी। यह टूर्नामेंट इस बार नॉर्वे के विश्व नंबर एक मैग्नस कार्लसन की अनुपस्थिति में हो रहा है, जिन्होंने फिडे के इस आयोजन में भाग लेने से इनकार कर दिया है। भारत की ओर से WR चेस टीम में अर्जुन एरिगैसी टॉप बोर्ड पर खेलते नजर आएंगे, जिनका साथ देंगे पी. हरिकृष्णा दूसरे बोर्ड पर।

विश्व जूनियर चैम्पियन वी. प्रणव की उपस्थिति टीम को और मजबूती देती है। उनके साथ ल्यूक लियोन मेंडोंसा भी टीम में हैं, जिन्हें डी. गुकेश, अर्जुन, आर. प्रज्ञानानंद और अरविंद चितांबरम की चौकड़ी के बाद भारत का अगला बड़ा सितारा माना जा रहा है।

वहीं, भारत के युवा ग्रैंडमास्टर निहाल सरीन इस बार 'एशडॉड एलीट चेस क्लब' की ओर से खेलेंगे, जो इस प्रतियोगिता में पांचवीं वरीयता प्राप्त टीम है। निहाल और आनंद अपने-अपने बोर्ड पर टॉप सीड के रूप में खेलेंगे। हालांकि टूर्नामेंट में मैग्नस कार्लसन और डी. गुकेश जैसे दिग्गजों की अनुपस्थिति खलेगी, लेकिन इसके बावजूद प्रतिस्पर्धा जबरदस्त रहने की उम्मीद है। ड्ढक्र चेस टीम खिताब की प्रबल दावेदार है, जिसमें नेपोम्नियाची के अलावा अलीरेज़ा फिरौजा, मैक्सीम वाशिए-लाग्रेव, हिकारू नाकामुरा, अलेक्जेंड्रा कोस्टेनियुक और वेस्ली सो जैसे दिग्गज खिलाड़ी शामिल हैं। इस प्रतियोगिता में हर राउंड में एक महिला खिलाड़ी और एक ऐसा खिलाड़ी शामिल होना जरूरी है जिसकी रेटिंग 2200 से कम हो। इस अनोखे नियम के चलते यह टूर्नामेंट अन्य टीम इवेंट्स से कहीं अधिक रोचक बन जाता है।

विजेता टीम को 1,10,000 अमेरिकी डॉलर और उपविजेता को 75,000 अमेरिकी डॉलर की इनामी राशि प्रदान की जाएगी। भारतीय टीम की उम्मीदें काफी हद तक अर्जुन एरिगैसी के प्रदर्शन पर टिकी होंगी। अब देखना यह होगा कि क्या भारतीय खिलाड़ी टीम को खिताब के करीब पहुंचा पाते हैं या नहीं।

ताइवान एथलेटिक्स ओपन में भारत का स्वर्णिम प्रदर्शन, बरेका के रोहित यादव ने भाला फेंक में रचा इतिहास

एजेंसी

वाराणसी। ताइपेई (ताइवान) में आयोजित ताइवान एथलेटिक्स ओपन 2025 के अंतिम दिन बनारस रेल इंजन कारखाना (बरेका)में कार्यरत रोहित यादव ने भाला फेंक में स्वर्णिम प्रदर्शन किया। रोहित यादव ने पुरुषों की भाला फेंक प्रतियोगिता में 74.42 मीटर की दूरी तय कर स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। इस उपलब्धि पर बरेका में हर्ष का माहौल है। बरेका महाप्रबंधक नरेश पाल सिंह, प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर सह बरेका खेलकूद संघ के अध्यक्ष एस.के. श्रीवास्तव, मुख्य यांत्रिक इंजीनियर उत्पादन एवं विपणन सह महासचिव सुनील कुमार,उप महाप्रबंधक अनुज कटियार,वरिष्ठ खेल अधिकारी बहादुर प्रसाद एवं जनसंपर्क अधिकारी राजेश कुमार सहित प्रशिक्षकों खिलाड़ियों एवं रेल परिवार ने रोहित यादव को जीत पर बधाई दी। इस दौरान बरेका महाप्रबंधक ने कहा कि रोहित यादव ने अपने कठिन परिश्रम और लगन से यह सिद्ध कर दिया है, कि बरेका केवल रेल इंजनों के उत्पादन में ही नहीं, बल्कि खेल प्रतिभा के निर्माण में भी अग्रणी है। रोहित की यह जीत 'मेक इन इंडिया' के साथ-साथ 'चैम्पियन्स फ्रॉम इंडिया' की अवधारणा को भी साकार करती है। बताते चले रोहित यादव, जो वर्तमान में बनारस रेल इंजन कारखाना में विद्युत विभाग में कार्यालय अधीक्षक के पद पर कार्यरत हैं, ने यह अद्भुत प्रदर्शन करके न केवल भारत का तिरंगा गर्व से लहराया।

भारत ए बनाम इंग्लैंड लायंस- कोटियन-कंबोज की शानदार साझेदारी, दूसरा अनौपचारिक टेस्ट ड्रॉ

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ए ने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दूसरा अनौपचारिक टेस्ट सकारात्मक अंदाज में समाप्त किया। मुकाबला ड्रॉ रहा, लेकिन अंतिम दिन भारत की बल्लेबाजी और गेंदबाजी ने दर्शकों को खासा प्रभावित किया। अंतिम दिन भारत ए ने सिर्फ तीन विकेट खोकर 254 रन बनाए और कुल स्कोर 417/7 तक पहुँचते ही पारी घोषित कर दी।मैच का सबसे बड़ा आकर्षण रहा तनीष कोटियन (नाबाद 90) और अंशुल कंबोज (नाबाद 51) के बीच आठवें विकेट के लिए हुई 149 रनों की बेमिसाल साझेदारी। इस जोड़ी ने इंग्लैंड लायंस के गेंदबाजों को पूरी तरह थका दिया और भारत की पकड़ को मजबूत किया।दिन की शुरुआत नितीश रेड्डी और ध्रुव जुरेल ने की। शुरुआती परेशानियों के बावजूद जुरेल ने दो चौके लगाकर लय हासिल की,

लेकिन वे 28 रन बनाकर एडी जैक की गेंद पर आउट हो गए। इसके बाद शार्दुल ठाकुर और नितीश रेड्डी ने आक्रामक रुख अपनाया। ठाकुर ने फारहान अहमद की गेंदों पर लगातार दो छक्के लगाए, वहीं नितीश ने 42 रन बनाए। दोनों बल्लेबाज लंच से पहले जॉर्ज हिल का शिकार बने। लंच के बाद कोटियन और कंबोज ने मोर्चा संभाला। कोटियन ने फारहान को छक्का लगाकर खाता खोला और उसके बाद दोनों बल्लेबाजों ने लगातार चौके-छक्कों की बारिश की। कोटियन ने सिर्फ 60 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया, वहीं कंबोज ने भी चाय से पहले छक्का लगाकर अपना पचासा पूरा किया। इसके बाद भारत ने पारी 417/7 पर घोषित कर दी। चाय के बाद के एक घंटे के खेल में 11 ओवर डाले गए जिसमें भारत ए के गेंदबाजों ने इंग्लैंड लायंस को दबाव में ला दिया। तुषार देशपांडे ने टॉम हेंस को नितीश रेड्डी के हाथों कैच कराया। इसके बाद अंशुल कंबोज ने एक ही ओवर में एमिलियो गे और जॉर्डन कॉक्स को आउट कर विपक्षी टीम को हिला दिया। इंग्लैंड लायंस ने तीन विकेट पर 32 रन बनाए थे जब मैच समाप्त घोषित किया गया।

संक्षिप्त स्कोरः भारत एः 348 और 417/7 घोषित (तनीष कोटियन 90*, अभिमन्यु ईश्वरन 80, केएल राहुल 51; जॉर्ज हिल 3/64)

इंग्लैंड लायंसः 327 और 32/3 (बेन मैककिनी 16*, अंशुल कंबोज 2/6, तुषार देशपांडे 1/13)

रोनाल्डो ने भविष्य को लेकर अटकलों पर लगाया विराम, अल-नास्र के साथ जुड़े रहेंगे

नई दिल्ली। सऊदी प्रो लीग क्लब अल-नास्र के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने पुष्टि कर दी है कि वे अगला सीजन भी इसी क्लब के साथ खेलेंगे। इस घोषणा के साथ ही उनके भविष्य को लेकर चल रही तमाम अटकलों पर विराम लग गया है। 40 वर्षीय रोनाल्डो ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में अपना तीसरा खिताब हासिल किया, जब पुर्तगाल ने स्पेन को हराकर यूईएफए नेशंस लीग का खिताब जीता। रोनाल्डो ने फाइनल मुकाबले के दूसरे हाफ में अपना 138वां अंतरराष्ट्रीय गोल किया, जिससे मुकाबला 2-2 की बराबरी पर पहुंचा और फिर पुर्तगाल ने पेनल्टी शूटआउट में जीत हासिल की। हालांकि, रोनाल्डो शूटआउट के समय मैदान पर नहीं थे, लेकिन उन्होंने बेंच से अपनी टीम की जीत का जश्न देखा और भावुक हो गए। जीत के बाद रोनाल्डो ने सोमवार (भारतीय समयानुसार) को कहा, मेरा भविष्य कुछ खास नहीं बदलने वाला।

भारत में डिसएबिलिटी क्रिकेट को बढ़ाने के लिए जय शाह को धन्यवाद : डीसीसीआई सचिव रविकांत

एजेंसी

जयपुर(राजस्थान)। भारत में विकलांग क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अध्यक्ष और बीसीसीआई सचिव जय शाह के समर्थन, प्रतिबद्धता के साथ आधिकारिक जर्सी और अन्य सहयोग के लिए डिफरेंटली एबल्ड क्रिकेट काउंसिल ऑफ इंडिया (डीसीसीआई) के महासचिव रविकांत चौहान ने धन्यवाद किया है।इस वक्त भारतीय पुरुष मिक्स्ड डिसएबिलिटी क्रिकेट टीम 21 जून से इंग्लैंड में शुरू हो रही आगामी सात मैचों की टी20आई सीरीज के लिए जयपुर में अभ्यास कर रही है।

रविकांत चौहान ने कहा, भारत में डिसएबिलिटी क्रिकेट पिछले 40 वर्षों से खेला जा रहा है, लेकिन आज से पहले किसी तरह का कोई समर्थन नहीं मिलता था, लेकिन जैसे ही जय शाह बीसीसीआई के सचिव बने, उन्होंने हमारी मेहनत को देखा और हमारी बात सुनी। आज भारतीय टीम लॉर्ड्स में खेलने के लिए तैयार है और इसका पूरा श्रेय जय शाह जी को जाता है। उन्होंने आगे कहा कि, अब बीसीसीआई हमारी सभी आवश्यकताओं का ध्यान रख रही है, जिसके सहयोग से भारत इंग्लैंड के खिलाफ मिक्स्ड डिसएबिलिटी क्रिकेट सीरीज के लिए पूरी तरह से तैयार है। बीसीसीआई ने टीम की तैयारी के लिए कुकाबुरा गेंदें भी उपलब्ध कराई हैं और हमें उम्मीद है कि भविष्य में आईसीसी भी हमें समर्थन प्रदान करेगा। भारतीय टीम के कप्तान रविंद्र गोपीनाथ शांते ने कहा, भारतीय जर्सी पहनकर लॉर्ड्स जैसे ऐतिहासिक मैदान पर खेलना किसी सपने के पूरा होने जैसा है। यह क्षण बीसीसीआई सचिव जय शाह सर के समर्थन की वजह से ही आया है। हम इसका पूरा उपयोग करेंगे और सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए देश को गौरवान्वित करने की पुरजोर कोशिश करेंगे। उपकप्तान वीरेंद्र सिंह ने कहा, ÷डीसीसीआई की मेहनत और बीसीसीआई के समर्थन से हमें एक नई पहचान मिली है। हम अब खुद को मूल्यवान महसूस कर रहे हैं, और विश्व मंच पर खुद को साबित करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। फिलहाल मुख्य कोच रोहित झालानी के नेतृत्व में टीम जयपुर के जयपुरिया क्रिकेट अकादमी में चल रहे ट्रेनिंग कैंप में नेट्स में खूब पसीना बहाने के साथ ही सीरीज जीतने की रणनीति बनाने में लगी हुई है। प्रशिक्षण के बारे में मुख्य कोच रोहित झालानी ने कहा, यह प्रशिक्षण शिविर हमारी तैयारी के लिए बेहद अहम है। खिलाड़ी पूरी तरह से समर्पित हैं और इंग्लैंड के खिलाफ भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए तैयार हैं।

एफआईएच प्रो लीगः रोमांचक मुकाबले में नीदरलैंड ने भारत को 3-2 से हराया

एजेंसी

एम्स्टलवीन (नीदरलैंड्स)। वाघनेर हॉकी स्टेडियम में खेले गए एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024/25 के एक रोमांचक मुकाबले में भारतीय पुरुष हॉकी टीम को मेजबान नीदरलैंड्स के हाथों 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। भारत की ओर से अभिषेक (20%) और जुगराज सिंह (54%) ने गोल किए, जबकि नीदरलैंड्स के लिए थाइस वान डैम (24%), टजेप होडेमेकर (33फीसदी) और जिप जैनसेन (57फीसदी) ने स्कोर किया।

भारतीय टीम ने पहले क्वार्टर में तेज और नियंत्रित खेल दिखाया। फारवर्ड अभिषेक ने छठे मिनट में गोल का शानदार प्रयास किया, लेकिन गेंद गोल के पास से निकल गई। भारत ने पोज़ेशन पर पकड़ बनाए रखी और नीदरलैंड्स को लगातार चुनौती दी, लेकिन पहला क्वार्टर बिना गोल के समाप्त हुआ।दूसरे क्वार्टर में भारत ने लय बरकरार रखी और 20वें मिनट में अभिषेक ने शिलानंद लाकड़ा के पास पर शानदार फिनिश कर टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। यह उनके करियर का 100वां अंतरराष्ट्रीय मुकाबला था, जिसे उन्होंने यादगार बना दिया। लेकिन चार मिनट बाद ही

थियरी ब्रिंकमैन के असिस्ट पर थाइस वान डैम ने बराबरी का गोल कर दिया। हाफ टाइम तक स्कोर 1-1 रहा। तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में नीदरलैंड्स ने आक्रामक रवैया अपनाया। 33वें मिनट में फ्लोरिस वॉर्टलबोयर के तेज क्रॉस पर टजेप होडेमेकर ने गोल कर नीदरलैंड्स को 2-1 की बढ़त दिलाई। भारत को लगातार पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन उन्हें गोल में नहीं बदला जा सका।

चौथे क्वार्टर में भारत ने बराबरी के लिए दबाव बढ़ाया। 54वें मिनट में चौथे पेनल्टी कॉर्नर पर जुगराज सिंह ने दमदार ड्रैग फ्लिक से गोल कर स्कोर 2-2 कर दिया। इसके कुछ ही देर बाद ललित उपाध्याय को बढ़त दिलाने का सुनहरा मौका मिला, लेकिन डच गोलकीपर मौरिट्स विसर ने शानदार बचाव किया। फिर 57वें मिनट में नीदरलैंड्स को पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसे जिप जैनसेन ने गोल में तब्दील कर स्कोर 3-2 कर दिया। भारत ने आखिरी क्षणों तक जोर लगाया, लेकिन डच रक्षा पंक्ति ने उन्हें गोल से वंचित रखा। भारतीय टीम अब तक 10 मैचों में 15 अंकों के साथ अंकतालिका में चौथे स्थान पर है। टीम 11 जून को अर्जेंटीना के खिलाफ अगला मैच खेलेगी।

शरीर की गंध से छुटकारा

शरीर से पसीने की गंध अधिकाशंत दुर्गंध) आना एक आम समस्या है जिसका हल पाने के लिए भारतीय दुकानदारों ने अपनी दुकानों को तमाम भारतीय व इम्पोर्टेड ब्रैंड के डिओडरेट व एंटीपर्सपीरेट से भर दिया है। विज्ञापनों द्वारा इन उत्पादों की सिर्फ खूबियां दिखाना या बताया जाना तथा इनके कन्टेनर्स पर लिखी हुई अपर्याप्त व अधूरी जानकारी के कारण डिओडरेट व एन्टीपर्सपीरेट के विषय में बहुत सी गलत धारणाएं तथा परेशानियां जन्म ले चुकी है।

पसीना व गंध क्यों

त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. सी.पार्थसारथी के अनुसार, 'शरीर में पसीने का आना इस बात की निशानी है कि हमारा शरीर अत्यधिक उपजी ऊर्जा से छुटकारा पा रहा है। यह ऊर्जा उपपाचन या मांसपेशियों की मशक्कत द्वारा पैदा हुई होती है।' एक सामान्य वयस्क के शरीर में लगभग बीस लाख स्वेद ग्रंथियां होती हैं जो दो प्रकार की होती है- एक्रीन स्वेद ग्रंथियां व एपोक्रीन स्वेद ग्रंथियां। एक्रीन स्वेद ग्रंथियां शरीर के तापमान को नियंत्रित करती है और त्वचा की नमी भी इन्हीं ग्रंथियों के कारण बनी रहती है। सिर्फ होंठ व जननांगों के हिस्से में ये ग्रंथियां नहीं होतीं। त्वचा की निचली सतह पर होने वाली इन ग्रंथियों के कारण ही पसीना रोमछिद्रों के द्वारा त्वचा पर आता है। एपोक्रीन ग्रंथियां शरीर के हारमोन द्वारा नियंत्रित होती है। भावानात्मक तनाव से ये ग्रंथियां चेतन हो जाती हैं। शरीर में पसीने की दुर्गंध को जन्म देने वाली ग्रंथियां एपोक्रीन होती हैं जिनमें बैक्टीरिया पैदा हो जाते है।

दोनों अलग-अलग

पसीने की इसी गंध या दुर्गंध से छुटकारा दिलाने वाले बॉडी स्प्रे डियोडरेट व एन्टीपर्सपीरेट लगभग एक ही उत्पाद की तरह माने जाते है जबकि सच यह है कि ये दोनों ही अपने विभिन्न रासायनिक प्रभावों के कारण अलग-अलग उत्पाद है। एन्टीपर्सपीरेन्ट शरीर में पसीना आने की प्रक्रिया तथा त्वचा के गीलेपन को कम करते है, डिओडरेन्ट का काम शरीर से गंध को दूर करना है। डिओडरेन्ट का जन्म इस तथ्य को जानने के बाद हुआ कि त्वचा के बैक्टीरिया शरीर की गंध पैदा करते है। इनके इस्तेमाल से इन बैक्टीरिया के नाश किया जा सकता है।

एन्टीपर्सपीरेन्ट के प्रयोग से पसीना बाहर निकालने वाले छिद्र बंद हो जाते है जिससे पसीना कम बाहर आता है। एक धारणा के अनुसार एन्टीपर्सपीरेन्ट में पाए जाने वाले एस्ट्रीन्जेन्ट सॉल्ट त्वचा में सूजन पैदा कर छिद्रों को बंद होने के लिए मजबूर करते है। कुछ एन्टीपर्सपीरेट डियोडरेट युक्त भी होते है।

चुनते समय ध्यान रहे

एन्टीपर्सपीरेट व डियोडरेन्ट के शरीर पर पड़ने वाले हानिकारक प्रभावों को ध्यान में रखते हुए हो सके तो इनका प्रयोग न करे जब तक निहायत जरूरी न हो। शरीर के पसीने की गंध को बार-बार नहाने या पसीने वाली जगहों को अच्छी तरह पानी से धोने व पोंछने द्वारा नियंत्रित रखा जा सकता है। यदि आपको इनका इस्तेमाल जरूरी लगता हो तो सोचें कि आपको किस उत्पाद की जरूरत है। यदि शरीर में गंध एक समस्या है तो बैक्टीरिया नाशक डिओडरेंट का प्रयोग करे।

यदि अत्यधिक पसीना आना आपकी समस्या है तो एस्ट्रीन्जेन्ट सॉल्ट युक्त एन्टीपर्सपीरेन्ट को चुनें। जिन एंटीपर्सपीरेन्ट में एल्यूमिनियम क्लोरोहाइड्रेट होता है वे सुरक्षित व प्रभावी होते है। जिनमें एल्यूमिनियम क्लोराइड तथा जिरकोनियम कम्पाउंड होते है, उनके इस्तेमाल से दूर रहें- यह सलाह है त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. पार्थसारथी की।

ऐसे लेबल से प्रभावित न हों जिनमें एक प्रोडक्ट में दो एंटीपर्सपीरेट देने की बात कही गई हो। दो तत्व प्रभाव को नहीं बढ़ाते।

खतरे इनके प्रयोग के

एन्टीपर्सपीरेन्ट व डियोडरेन्ट में इस्तेमाल होने वाले रासायनिक पदार्थ प्रायः बाद में बैन होते देखे गए है क्योंकि इनका प्रभाव शरीर पर हानिकारक देखा गया है। दरअसल ऐसे पदार्थ जो प्रभावशाली भी हों और सुरक्षित भी, बनते ही नहीं है। इसलिए इन उत्पादों के प्रयोग से निमन्लिखित हानिकारक प्रभाव हो सकते है-

त्वचा पर प्रतिकूल असर- इनमें पाए जाने वाले अमलीय पीएच एस्ट्रीनजेन्ट सॉल्ट त्वचा में जलन या चकत्ते पैदा करते है। इनके इस्तेमाल से कान्टेक्ट डरमेटाइटिस नामक त्वचा संबंधी रोग भी हो सकता है। इनके लंबे प्रयोग से बगलों में ग्रैन्यूलोमा रोग भी हो सकता है।

आंखों की समस्या- इनके स्प्रे गलती से यदि आंखों में चले जाएं तो आंखों संबंधी रोग जैसे आई फ्लू, जलन आदि हो सकते है। यदि स्प्रे की मात्रा अधिक हो तो विजन भी खत्म हो सकता है।

कैंसर का खतरा -अमेरिकन कैंसर सोसायटी के अनुसार एन्टीपर्सपीरेट में एल्यूमिनियम सॉल्ट का बेस नहीं होता, उनमें जिनकोनियम क्लोरोहाइड्रेट, जिरकोनिल क्लोराइड या जिंक फेनोसलफेट होता है। जिरकोनियम का सांस के साथ अंदर जाना कैंसर को जन्म दे सकता है। एन्टीपर्सपीरेट पसीना बाहर आने की क्रिया को अवरुद्ध कर, शरीर से बगलों, घुटनों के पीछे व कानों के पीछे वाले क्षेत्रों से निकलने वाले जहरीले पदार्थ को शरीर के अंदर ही रहने देते है। इन जहरीले पदार्थो का अधिक जमाव उस क्षेत्र की कोशिकाओं को नष्ट कर कैंसर को जन्म देता है।

जहरीला ट्रिक्लोसन- डॉ. पार्थपारथी के अनुसार इन दो उत्पादों में एक नया रासायनिक तत्व ट्रिक्लोसन भी हो सकता है जो त्वचा के भीतर जाकर यकृत को नष्ट कर सकता है।

दागयुक्त कपड़े- एंटीपर्सपीरेट में पाया जाने वाला एल्यूमिनियम साल्ट पसीने के साथ मिलकर अधिक अम्लीय हो जाता है। इससे त्वचा में जलन तो पैदा होती ही है। साथ ही कपड़ों के रंग फेड हो जाते है और कपड़े कमजोर होकर जल्दी फटते है। सूती व लिनेन कपड़े एल्मूनियम सॉल्ट से जल्दी प्रभावित होते है।

महत्वपूर्ण टिप

एंटीपर्सपीरेट व डिओडरेन्ट को इस्तेमाल करते समय कुछ बातों का अवश्य खयाल रखें जिससे उनसे होने वाले नुकसानों से बचा जा सकता है।

1. रात में इनका प्रयोग बिल्कुल न करे।
2. दिन में एक से अधिक बार इनका इस्तेमाल न करे। बहुत खास अवसरों पर ही एक से ज्यादा बार प्रयोग करे।
3. सर्दी में जब पसीना कम आता है, इनका प्रयोग न करे।
4. बच्चों पर इनका प्रयोग बिल्कुल न करे। जब आसपास बच्चे हों तो स्प्रे का प्रयोग न करे।
5. जब भी स्प्रे करे, अपनी आंखें बंद रखें और चेहरा दूसरी और घुमा लें।
6. जहां तक हो सके गर्मी के अनुकूल परिधान पहनें- अधिकांशतः सूती। ज्यादा बार नहाएं, अन्यथा बगलों को गीले कपड़े या टिशू से बार-बार पोंछें।

गर्मियों में भी निखरे रूप

उम्र बढ़ने के साथ स्किन टोन भी बदलती जाती है। झाइया और डार्क स्पॉट साफ नजर आने लगते हैं और त्वचा उतनी साफ, चिकनी और गोरी नहीं रह जाती। उम्र के साथ मौसम का बदलाव भी त्वचा पर असर डालता है। गर्मियों में बहुत से लोग सनस्क्रीन क्रीम इस्तेमाल नहीं करते हैं जबकि सच यह है कि गर्म हवाएं त्वचा की ऊपरी परत को काफी हद तक नुकसान पहुंचाती हैं और कॉम्प्लेक्शन डल कर देती हैं। सामान्य और रूखी त्वचा पर खासतौर पर इनका असर होता है। तो अगर आप अपनी रंगत को निखारना चाहती हैं तो ब्यूटी एक्सपर्ट की ये ट्रिक्स अपनाइए और खोई हुई रंगत वापस पाइए।

सनब्लॉक

गोरी रंगत पाने का सबसे आसान उपाय है रोज सनब्लॉक का इस्तेमाल। इसलिए ऐसा मॉइश्चराइजर लें जिसमें एसपीएफ 15 या उससे भी अधिक हो। सुबह चेहरा धोने के बाद इसे लगाना न भूलें। सनब्लॉक न सिर्फ आपकी त्वचा को डार्क होने से बचाता है, बल्कि नुकसानदेह यूवी किरणों से त्वचा के कैंसर और आकस्मिक झुर्रियों से भी बचाता है। अपने हाथों पर भी सनब्लॉक जरूर लगाएं।

एक्सफोलिएट

हफ्ते में एक बार एक्सफोलिएशन से त्वचा के डेड सेल्स निकल जाते हैं और वह गोरी-चमकदार हो जाती है। दो टेबलस्पून ओटमील में दो टेबलस्पून ब्राउन शुगर व एक चौथाई टी-कप दूध मिलाकर पेस्ट बनाएं। इससे गोलाई में घुमाते हुए स्क्रब करें। फिर धोकर मॉइश्चराइजर लगाएं।

मास्क पॉवर

गोरी रंगत पाने के लिए घर पर यह मास्क तैयार करें- चंदन पाउडर+नींबू का रस+टमाटर का रस+खीरे का रस बराबर मात्रा में लेकर पेस्ट बनाएं। चेहरे पर लगाकर सूखने दें। फिर धोकर मॉइश्चराइजर लगाएं ताकि त्वचा की नमी बरकरार रहे।

ऐसे दिखें फ्रेश

दिनभर तरोताजा रहने के लिए पिपरमेंट बाथ ऑयल या लेमन बाथ ऑयल की दो-तीन बूंदें टब में डालें फिर स्नान करें। आप चाहें तो स्नान करने के कुछ समय पहले बाल्टी या टब में गुलाब की पत्तियां भी डाल सकती हैं। इसकी भीनी-भीनी खुश्बू आपको दिनभर तरोताजा रखेगी।

डीप क्लेंजिंग ट्रीटमेंट के लिए मिक्स करें समान मात्रा में मिल्क पाउडर, लेमन जूस व शहद। इस मिश्रण को चेहरे पर लगाकर 10 मिनट के लिए छोड़ दें। फिर पानी में अंगुलियों को भिगोकर धीरे-धीरे गोल-गोल [क्लॉक वाइज] छुड़ाना शुरू करें। बाद में ताजे पानी से चेहरा धोकर थोड़ा सा गुलाबजल लगा लें।

सूर्य की नुकसानदेह अल्ट्रावॉयलेट किरणों से त्वचा की सुरक्षा के लिए किसी अच्छी कंपनी का सनस्क्रीन लोशन या क्रीम लगाएं। विशेषज्ञों का कहना है कि एक बात याद रखें कि सनस्क्रीन लोशन या क्रीम का प्रयोग हर तीन-चार घंटे के अंतराल पर अवश्य करती रहें। तभी इसका सही फायदा मिल सकता है।

त्वचा की नमी बरकरार रखने के लिए किसी अच्छी कंपनी का एंटी टैन मॉइश्चराइजिंग लोशन लगाएं। इसके अलावा खीरे का ठंडा रस या ठंडे खीरे को काटकर चेहरे पर कुछ देर मलें। फिर ठंडे पानी से चेहरा धो लें। ऐसा करने त्वचा तरोताजा नजर आएगी।

बेजान और रूखी हो गई त्वचा में नई जान डालने के लिए आप सारा का श्री इन वन फेसवाश इस्तेमाल करें। यह स्क्रब, पैक और फेसवाश तीनों का काम एक साथ करेगा अर्थात आपको तीनों का लाभ देगा।

मृत त्वचा को हटाने के लिए ताजा पपीता और ठंडे दही को मिक्स करके रोजाना चेहरा साफ करें। त्वचा में जान आएगी।

झटपट फेस लिफ्ट कराने के लिए चावल को भिगोकर इसका पेस्ट बनाएं। फिर इसे शहद में मिक्स करके चेहरे पर लगाएं और 10 मिनट के लिए छोड़ दें। बाद में साफ पानी से चेहरा धो लें। आप एकदम से फेश लिफ्टिंग महसूस करेंगी।

कुछ ही सेकंड में चेहरे पर ताजगी लाने के लिए गुलाब जल स्प्रे का इस्तेमाल करें। गुणों से भरपूर यह स्प्रे आपको ताजगी का एहसास तो देगा ही। साथ ही चेहरे को नमी भी प्रदान करेगा।

रूखे हाथों को कोमल और सुंदर बनाने के लिए चीनी और शहद को मिक्स करके हाथों की स्क्रबिंग करें। बाद में साफ पानी से हाथों को साफ करें।

करीना कपूर

को क्या हो गया? सामने आया ऐसा वीडियो, देखकर टेंशन में आए फैंस

अपने चाहने वालों के बीच बेबो के नाम से मशहूर बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर हमेशा खुश दिखती हैं. वो जब कभी भी कहीं स्पॉट होती हैं, तो मुस्कुराते हुए नजर आती हैं. हालांकि, अब उनका एक ऐसा वीडियो सामने आया है, जिसमें वो थोड़ा परेशान दिख रही हैं. वीडियो देख उनके फैंस भी टेंशन में आ गए हैं और कमेंट कर रहे हैं कि करीना को क्या हो गया है.दरअसल, हाल ही में करीना कहीं स्पॉट हुईं. पैपराजी इंस्टैंट बॉलीवुड ने उनका वीडियो शेयर किया है. वीडियो में वो काफी इमोशनल दिख रही हैं. वीडियो शेयर करते हुए पैपराजी ने लिखा, "OMG करीना भावुक दिख रही हैं." जैसे ही ये वीडियो सामने आया, लोगों कमेंट करने लगे और पूछने लगे कि उन्हें क्या हुआ है.

सोनम के बर्थडे पार्टी के बाद का वीडियो

बहरहाल, ये वीडियो उस दौरान का मालूम हो रहा है जब वो सोनम कपूर की बर्थडे पार्टी में पहुंची थीं. दरअसल, सोनम का बर्थडे 9 जून को है. इसको लेकर उन्होंने एक पार्टी रखी थी, जिसमें करीना कपूर भी शामिल हुई थीं. ऐसा लग रहा है कि ये वीडियो उस पार्टी के बाद का ही है.

करीना की फैन फॉलोइंग काफी तगड़ी है. जब कभी भी भी उनका ऐसा कोई वीडियो सामने आता है, तो फैंस भी उन्हें देख टेंशन में आ जाते हैं. वो पिछले 25 सालों से बॉलीवुड का हिस्सा हैं. उन्होंने साल 2000 में अभिषेक बच्चन के साथ फिल्म 'रिफ्यूजी' से अपने करियर की शुरुआत की थी. उसके बाद उन्होंने कभी भी पीछे मुड़कर नहीं देखा और एक से बढ़कर ढेरों हिट फिल्मों के जरिए लोगों को काफी एंटरटेन किया.

आखिरी बार इस फिल्म में दिखीं करीना

करीना कपूर आखिरी बार पिछले साल नवंबर में रिलीज हुई अजय देवगन की फिल्म 'सिंघम अगेन' में दिखी थीं. रोहित शेट्टी के डायरेक्शन में बनी उस फिल्म में अक्षय कुमार, रणवीर सिंह, दीपिका पादुकोण और टाइगर श्रॉफ जैसे स्टार्स भी नजर आए थे. उसके बाद से फैंस को उनकी अगली फिल्म का इंतजार है. हालांकि, अभी तक करीना ने कोई भी फिल्म अनाउंस नहीं की है.

18 करोड़ में बनी बॉलीवुड की इस कॉमेडी फिल्म ने की थी छप्परफाड़ कमाई, हर सीन पर बनते हैं मीम्स

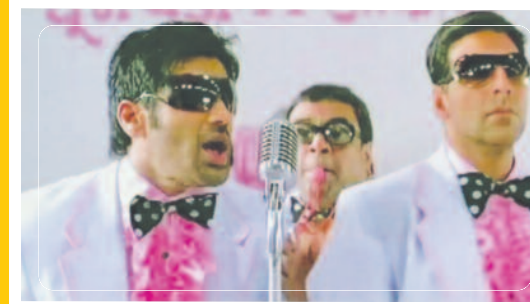

साल 2000 में फिल्म 'हेरा फेरी' आई, जिसके डायलॉग्स, गाने और कहानी आज भी लोगों के दिलो पर छाए हैं. इसी फिल्म के आगे की कहानी 2006 में रिलीज हुई फिल्म 'फिर हेरा फेरी' में दिखाई गई और वो फिल्म भी सुपरहिट साबित हुई थी. 'फिर हेरा फेरी' एक आइकॉनिक फिल्म रही, जिसमें परेश रावल, अक्षय कुमार और सुनील शेट्टी लीड रोल में नजर आए थे. इस फिल्म का तीसरा पार्ट भी बन रहा है, लेकिन फिलहाल हम दूसरे पार्ट की बात करेंगे.

सोशल मीडिया पर सबसे ज्यादा मीम्स 'हेरा फेरी' फ्रेंचाइजी पर ही बनते हैं. खासकर बाबू राव का कैरेक्टर सबसे ज्यादा फनी था, जिसपर मीम्स खूब बनते हैं. फिल्म 'फिर हेरा फेरी' में परेश रावल, अक्षय कुमार और सुनील शेट्टी के अलावा कौन-कौन था? फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कितनी कमाई की थी? इस फिल्म के बारे में कुछ और दिलचस्प बातें, आइए आपको बताते हैं.

'फिर हेरा फेरी' का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

9 जून 2006 को रिलीज हुई फिल्म 'फिर हेरा फेरी' का निर्देशन नीरज वोरा ने किया था. वहीं फिल्म को फिरोज ए नाडियावाला और फराजान शेख ने प्रोड्यूस किया था. जबकि 2000 में रिलीज हुई फिल्म 'हेरा फेरी' का निर्देशन प्रियदर्शन ने किया था. फिल्म 'फिर हेरा फेरी' में परेश रावल, अक्षय कुमार और सुनील शेट्टी के अलावा नीरज वोरा, बिपाशा बसु, राजपाल यादव, जॉनी लीवर, रिमी सेन, रवि किशन, सुरेश मेनन और शरत सक्सेना जैसे कलाकार नजर आए थे.

फिल्म के डायरेक्टर होने के साथ-साथ नीरज वोरा ने स्क्रीनप्ले और डायलॉग्स भी लिखे थे. अगर फिल्म की कमाई की बात करें तो स्ड्डष्ठद्बद्यद्म के मुताबिक, 18 करोड़ के बजट में बनी 'फिर हेरा फेरी' का वर्ल्डवाइड कलेक्शन 69.13 करोड़ था. वहीं भारत में इस फिल्म ने 55.11 करोड़ का कलेक्शन किया था और फिल्म का वर्डिक्ट सुपरहिट साबित था.

'फिर हेरा फेरी' को ओटीटी पर कहां देखें?

'हेरा फेरी' में 'ओ मेरी जोहरा जबीन', 'दिल दे दिया', 'मुझको याद सताए तेरी', 'प्यार की चटनी' जैसे गाने हिट हुए थे. फिल्म हेरा फेरी की कहानी खत्म होती है कि देवी प्रसाद के दिए पैसों से बाबू राव (परेश रावल), राजू (अक्षय कुमार) और श्याम (सुनील शेट्टी) अमीर हो जाते हैं. 'फिर हेरा फेरी' में कहानी उसी के आगे की दिखाई जाती है, जिसमें वो लोग और ज्यादा पैसों के लालच में फिर से गरीब हो जाते हैं. आप अमेजन प्राइम वीडियो पर ये दोनों फिल्म देख सकते हैं.

जब अमिताभ बच्चन ने डायरेक्टर से मांगा पत्नी का नंबर, फिर फोन लगाकर दिया था ये ऑफर

अमिताभ बच्चन ने साल 1969 में आई फिल्म 'सात हिन्दुस्तानी' से अपने फिल्मी करियर का आगाज किया था. ये फिल्म तो फ्लॉप रही लेकिन बिग बी ने हिंदी सिनेमा में काम करना जारी रखा और कुछ सालों के बाद 1973 की पिक्चर 'जंजीर' से वो स्टार बन गए थे, जबकि 1975 की 'शोले' जैसी ऑल टाइम ब्लॉकबस्टर देने के बाद उनके सुपरस्टार बनने की शुरुआत हो गई. इसके बाद वो हिंदी सिनेमा के सबसे पॉपुलर कलाकार भी कहलाए.अमिताभ बच्चन ने भारतीय सिनेमा में जो मुकाम हासिल किया है वो कोई और सितारा नहीं कर पाया. फैंस तो उन्हें खूब पसंद करते हैं हीं, वहीं एक्टर और एक्ट्रेस के अलावा डायरेक्टर-प्रोड्यूसर भी अमिताभ के कायल हैं. अमिताभ के चाहने वालों और उन्हें पसंद करने वालों में डायरेक्टर रूमी जाफरी भी शामिल हैं. बिग बी संग उनका रिश्ता बेहद खास है. इसका सबसे बड़ा उदाहरण बिग बी के 60वें जन्मदिन पर देखने को मिला था. तब अमिताभ बच्चन ने आगे रहकर रूमी की वाइफ को कॉल किया था और उन्हें अपने जन्मदिन की पार्टी में आने का न्योता दिया था.

बिग ने रूमी से मांगा उनकी पत्नी का नंबर

जो किस्सा हम आपको सुना रहे हैं वो खुद रूमी जाफरी ने शेयर किया था. रूमी ने बताया था कि बिग बी ने अपने 60वें बर्थडे पर एक पार्टी रखी थी. बर्थडे पर रूमी ने बिग बी को फोन लगाया और उन्हें बधाई दी. तब अमिताभ ने कहा सिर्फ फोन पर बधाई दे रहे हो. शाम को घर आओ और दो. लेकिन तब रूमी ग्रीस में थे और अपनी एक फिल्म की शूटिंग कर रहे थे. तब अमिताभ ने कहा ठीक है हनान (रूमी जाफरी की वाइफ) को भेजो. रूमी ने कहा वो अकेले फिल्मी पार्टी में नहीं जाती हैं. तब अमिताभ ने कहा ये फिल्मी पार्टी नहीं, मेरा जन्मदिन है. इस पर रूमी ने बिग बी से माफी मांगी थी और बोले मेरे मुंह से निकल गया. फिर बिग बी ने रूमी से हनान का फोन नंबर मांगा था.

हनान को दिया बर्थडे पार्टी में आने का न्योता

अमिताभ ने तुरंत हनान को कॉल किया और उन्हें अपनी बर्थडे पार्टी में बुलाया. फिर हनान ने रूमी से बात की. हनान ने बताया कि बच्चन साहब का फोन आया था और वो हैरान रह गई. हनान की सांसें फूली हुई थीं और वो बहुत अचम्भे में भी थीं. हनान ने रूमी को सब कुछ बताया. इसके बाद हनान अपनी बहन के साथ अमिताभ बच्चन के बर्थडे पर उनके घर गई थीं.

सलमान खान

के सबसे बड़े रिकॉर्ड पर अक्षय कुमार की नजर, हाउसफुल 5 को सिर्फ 13 करोड़ की दरकार

पिछले काफी समय से अक्षय कुमार का जलवा बॉक्स ऑफिस पर फीका पड़ता नजर आ रहा था. लेकिन अब एक्टर हाउसफुल 5 से जोरदार वापसी करते नजर आ रहे हैं. उनकी फिल्म को लेकर फैंस के बीच जबरदस्त बज़ बना हुआ है. पहली बार ऐसा हुआ है जब बॉलीवुड की किसी फिल्म के दो-दो क्लाइमैक्स देखने को मिले हैं. इसी के साथ और भी कई मायने में ये फिल्म ऐतिहासिक साबित हुई है. अब ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भी कमाल करती नजर आ रही है. फिल्म की कमाई के ताजा आंकड़े आ गए हैं. इसी के साथ इस फिल्म के जरिए अक्षय कुमार अपने साथी कलाकार सलमान खान के एक बड़े रिकॉर्ड की बराबरी करते नजर आ रहे हैं.

हाउसफुल 5 ने 3 दिन में कितने कमाए?

हाउसफुल 5 की बात करें तो इस फिल्म ने रिलीज के ओपनिंग डे पर ही अपनी पावर दिखा दी थी. फिल्म ने ओपनिंग डे पर 24 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया है. वहीं दूसरे दिन इस फिल्म का कलेक्शन 31 करोड़ रुपए रहा. रविवार को भी फिल्म की कमाई में इजाफा देखने को मिला और रविवार को फिल्म ने 32.50 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया. इस लिहाज से फिल्म का कुल कलेक्शन 87.50 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है.

वर्ल्डवाइड कलेक्शन कितना हुआ?

हाउसफुल 5 के वर्ल्डवाइड कलेक्शन की बात करें तो इस फिल्म ने दुनियाभर में 100 करोड़ का आंकड़ा 3 दिन में पार कर लिया है. सैकनिल्क की रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म ने 3 दिन में 139.40 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया है. जिस गति से फिल्म आगे बढ़ रही है उससे ये अंदाजा लगाया जा सकता है कि एक बार फिर से अक्षय कुमार की वापसी बॉक्स ऑफिस पर हो रही है.

सलमान खान की बराबरी करेंगे अक्षय कुमार

हाउसफुल 5 फिल्म यूं तो पहले ही कई कीर्तिमान रच चुकी है और अब आने वाले समय में भी इस फिल्म से काफी उम्मीदें हैं. अब तक के इतिहास में सबसे ज्यादा 100 करोड़ी फिल्म देने का रिकॉर्ड सलमान खान के नाम ही है. अब इस रिकॉर्ड की बराबरी अक्षय कुमार भी करने जा रहे हैं. उनकी फिल्म ने अभी तक 87 करोड़ रुपए कमा लिए हैं. मतलब सिर्फ 13 करोड़ रुपए और कमाने के बाद अब अक्षय कुमार भी सलमान खान की बराबरी कर लेंगे.फिलहाल सलमान खान की 18 ऐसी फिल्में हैं जिन्होंने 100 करोड़ रुपए से ज्यादा का कलेक्शन किया है. वहीं अक्षय कुमार की बात करें तो उनकी 17 ऐसी फिल्में हैं जो ये कमाल कर चुकी हैं. ऐसे में अब अक्षय कुछ करोड़ रुपए कमा कर ही सलमान खान के इस बड़े रिकॉर्ड की बराबरी कर लेंगे.